दैनिक नव प्रदेश
प्रदेश के साथ पूरा देश...
आदित्यवर्णं तमसः परस्तात्

अंदर के पृष्ठों पर
3 राजधानी — 1.85 लाख जरूरतमंदों को मिल रहा...
4 अभिव्यक्ति — अज्ञानता से गहराता कोरोना संकट...
9 मनोरंजन/खेल — कोरोना से जंग में अजय-कंगना ने दिया डोनेशन..
11 व्यापार — हवाई यातायात पुराने स्तर पर लौटने में...

www.navpradesh.com
बिलासपुर, शुक्रवार 3 अप्रैल 2020, चैत्र शुक्ल पक्ष-दशमी, विक्रम संवत-2077 वर्ष-05 अंक-348, पृष्ठ-12 मूल्य-3 रुपए
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, झारखंड, से एक साथ प्रकाशित

आज बेबाक

कोरोना के खिलाफ जंग में चंद जयचंदों को छोड़कर सारे देशवासी शामिल है। सब तन, मन, धन से सरकार का सहयोग कर रहे हैं। पीड़ित मानवता की सेवा में सभी ने अपना हाथ आगे बढ़ाया है। लेकिन कुछ स्वनाम धन्य माननीय जन सहयोग से एकत्र धनराशि से अपने प्रचार की भूख मिटा रहे हैं। गरीबों को दिए जाने वाले भोजन के पैकेट और राहत सामग्री पर अपनी फोटो छपवा रहे हैं। दिल्ली के सीएम केजरीवाल तो खुद को मसीहा बताने के लिए हर दस मिनट पर सभी खबरिया चैनलों पर अपना चौखटा दिखा रहे है और विज्ञापन पर करोड़ों रुपए लूटा रहे है।

पीएम संतुष्ट, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में राज्य के प्रयासों की सीएम भूपेश ने दी जानकारी

बचाव, राहत के निर्देशों का पल-पल पालन

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को देशभर के मुख्यमंत्रियों समेत छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कोरोना संक्रमण से बचाव की तैयारियों व लॉकडाउन के दौरान की जा रही व्यवस्थाओं का जायजा लिया। सीएम बघेल ने पीएम मोदी को छत्तीसगढ़ शासन, प्रशासन और पुलिस के अलावा स्वास्थ्य विभाग की कार्यशैली की ताजा स्थिति के बारे में अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि कैसे राज्य में पॉजिटिव मरीजों में से तीन की हालत बेहतर हुई है और बकाया के लिए क्या क्या सुविधाएं हैं। भूपेश सरकार के प्रयासों व केंद्र की गाइड लाइन के पालन पर पीएम नरेंद्र मोदी ने संतुष्टि जाहिर करते हुए रोकथाम के लिए किए जा रहे प्रयासों को सराहा है। मुख्यमंत्री बघेल ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में छत्तीसगढ़ में कोरोना के बचाव और नियंत्रण की ताजा स्थिति और लॉक डाउन के दौरान आम जनता और जरूरतमंद लोगों को राहत देने के उपायों की विस्तृत जानकारी प्रधानमंत्री मोदी को दी। इस अवसर पर मुख्य सचिव आरपी मंडल, पुलिस महानिदेशक डीएम अवस्थी, अपर मुख्य सचिव ■ शेष पृष्ठ 8 पर

सीएम बघेल संग सीएस, एसीएस, डीजीपी और हेल्थ सेक्रेटरी भी रहीं उपस्थित

पीएम बोले- जिला स्तर पर बनाएं आपदा प्रबंधन समूह

कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई में समन्वित प्रयासों की जरूरत को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री ने मुख्यमंत्रियों से कहा, 'जिला स्तर पर इस उद्देश्य के लिये आपदा प्रबंधन समूह बनाया जाना चाहिए। इसके साथ ही जिला निगरानी अधिकारियों को नियुक्त किये जाने की जरूरत है।' प्रधानमंत्री ने मुख्यमंत्रियों से कहा कि पूरे देश का साझा लक्ष्य जीवन का न्यूनतम नुकसान सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि अगले कुछ हफ्तों में सभी का ध्यान कोरोना वायरस से जुड़ी जांचों, संक्रमितों का पता लगाने, उन्हें अलग-थलग रखने पर केंद्रित रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि लॉकडाउन (नाकेबंदी) समाप्त होने के बाद आबादी के फिर से घर से बाहर निकलने को ध्यान में रखते हुए राज्यों और केंद्र को एक रणनीति तैयार करनी चाहिए।

खांडू ने 15 को लॉकडाउन खत्म होने का ट्वीट कर किया डिलीट

इस वीडियो कान्फ्रेंसिंग मीटिंग के बाद अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने एक ट्वीट किया, जिसको मानें तो 15 अप्रैल को लॉकडाउन खत्म हो जाएगा और सबकुछ नॉर्मल हो जाएगा। हालांकि कुछ ही देर बाद पेमा ने यह ट्वीट डिलीट कर दिया।

सीडब्ल्यूसी की बैठक में सोनिया को बताए हालात

कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी ने भी गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सीडबल्यूसी की बैठक ली। कोरोना वायरस संकट के कारण पैदा हुए हालात पर चर्चा की। छत्तीसगढ़ से भूपेश बघेल ने भी इसमें भाग लिया। बैठक में सीएम ने कहा कि केंद्र सरकार के पास छत्तीसगढ़ के 2 हजार करोड़ रुपये जीएसटी के बकाया है। 4 हज़ार करोड़ मनरेगा का बकाया है। इस कठिन परिस्थिति में केंद्र को तुरंत बकाया राशि जारी करनी चाहिए। राशि बकाया है फिर भी हम गरीबों की सेवा को लेकर प्रतिबद्ध हैं।

कहा- केंद्र को जल्द जारी करनी चाहिए राज्य की बकाया राशि

सीएम के काम-काज में ये मांग, अपील, और निर्णय भी

■ अंबेडकर अस्पताल में टेस्टिंग लैब के लिए लिखा स्वास्थ्य मंत्री को पत्र

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. हर्षवर्धन को पत्र लिखकर छत्तीसगढ़ में कोरोना वायरस टेस्टिंग के केन्द्रों की संख्या में वृद्धि का आग्रह किया है। बघेल ने पत्र में लिखा है कि राजधानी रायपुर के डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय रायपुर के माइक्राबायोलॉजी विभाग को कोरोना वायरस टेस्टिंग हेतु अधिकृत किया जाना चाहिए। यहां कोरोना वायरस की जांच के लिए सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं। उन्होंने बताया कि राज्य में वर्तमान में कोरोना जांच की सुविधा केवल दो स्थानों एम्स, रायपुर एवं स्व. श्री बलीराम कश्यप स्मृति शासकीय चिकित्या महाविद्यालय जगदलपुर में ही उपलब्ध है। वर्तमान विषम परिस्थितियों को देखते हुए इसे बढ़ाए जाने की जरूरत है।

गुरूजनों से अपील- दें सक्रिय योगदान

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने गुरूजनों से कहा है कि वर्तमान में कोरोना (कोविड-19)के कारण देश और समाज खतरे में हैं। यह संकट की घड़ी है जिसमें हम सब को सक्रिय रहकर इस बीमारी को दूर भगाना है तथा हमारे ■ शेष पृष्ठ 8 पर

शासकीय अधिकारी-कर्मचारियों के वेतन में नहीं होगी कटौती : सीएम

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कोरोना संकट और लॉकडाउन के दौरान छत्तीसगढ़ सरकार के अधिकारी-कर्मचारियों के वेतन से किसी प्रकार की कटौती नहीं करने का निर्णय लिया है। कोविड-19 के संक्रमण से निपटने के लिए राज्य सरकार द्वारा व्यापक प्रयास और इंतजाम किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री बघेल ने कहा है कि राज्य शासन के अधिकारी-कर्मचारी स्वेच्छा से संकट की इस घड़ी में मुख्यमंत्री सहायता कोष में अपना आर्थिक योगदान कर सकते हैं। छत्तीसगढ़ शासन ■ शेष पृष्ठ 8 पर

खास खबर

पीएम मोदी आज सुबह 9 बजे देश के नाम देंगे वीडियो संदेश

नई दिल्ली। देश में 21 दिनों का लॉकडाउन और लगातार बढ़ते कोरोना के नए मामलों के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कल यानी शुक्रवार की सुबह 9 बजे विडियो संदेश देंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने खुद ट्वीट कर इस बात की जानकारी दी है। इससे पहले, पीएम मोदी ने 24 मार्च को राष्ट्र के नाम संबोधन में कोरोना वायरस के चलते देश को 21 दिनों तक लॉकडाउन करने का ऐलान किया था। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि था कि जो जहां हैं, वहीं रहें। यह लॉकडाउन आपके भविष्य के लिए बेहद जरूरी है। प्रधानमंत्री ने लोगों से किसी भी कीमत पर घर के बाहर नहीं निकलने की सलाह दी थी। अपने संबोधन के दौरान उन्होंने कहा कि 22 मार्च को जनता कर्फ्यू का संकल्प जो हमने लिया था उसकी सिद्धी के लिए भारत के लोगों ने योगदान दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में यह भी कहा कि संपूर्ण लॉकडाउन के दौरान जरूरी की सेवाएं जारी रहेंगी। जैसे अस्पताल, दूध, सब्जी और दवाई दुकान। प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों को अंधविश्वास और अफवाहों से बचने की भी सलाह दी थी।

बाल संरक्षण गृह की स्थिति पर सुप्रीम कोर्ट आज करेगा विचार

नयी दिल्ली, (वार्ता)। उच्चतम न्यायालय कोरोनावायरस 'कोविड 19' के बढ़ते प्रकोप के मद्देनजर देशभर में बाल संरक्षण गृहों की स्थितियों पर शुक्रवार को सुनवाई करेगा। शीर्ष अदालत ने इस मामले में स्वतः संज्ञान लेते हुए गुरुवार को एक मुकदमा दायर किया जिस पर कल सुनवाई निर्धारित की गई है। न्यायमूर्ति एल नागेश्वर राव और न्यायमूर्ति दीपक गुप्ता की एक खंडपीठ इस पर सुनवाई करेगी।

कोरोना वायरस: स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा

24 घंटे में 328 नए केस, 12 की मौत

नई दिल्ली ए.। देशभर में कोरोना वायरस का संक्रमण बढ़ता जा रहा है। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, देशभर में अब तक 1965 केस सामने आए हैं। पिछले 24 घंटे में इस खतरनाक वायरस के 328 नए केस सामने आए हैं, इस दौरान 12 लोगों की मौत हुई है।

पूरे देश में अभी तक 50 लोगों की मौत कोरोना महामारी से हुई है, 151 लोग ठीक हुए हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से बताया गया कि निजामुद्दीन के मरकज से निकले करीब 400 लोग कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। तबलीगी जमात से जुड़े लोगों में से 1804 क्वॉरंटाइन किया गया है।

सभी धर्म के लोग सोशल डिस्टंसिंग का पालन करें

स्वास्थ्य के संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने कहा कि कोरोना के खिलाफ लड़ाई अभी चल रही है। सभी को इसमें सहयोग की जरूरत है। सभी धर्म के लोग सोशल डिस्टेंस का पालन करें। लॉकडाउन का राज्य सरकारें सख्ती से पालन कराएं।

9000 तबलीगी जमात से जुड़े कार्यकर्ताओं की हुई पहचान : गृह मंत्रालय

गृह मंत्रालय की संयुक्त सचिव पुण्यसलिला श्रीवास्तव ने बताया कि देश भर में तबलीगी जमात के सदस्यों सहित उनके संपर्क में आए करीब 9,000 लोगों की पहचान की गई है और उन्हें क्वॉरंटीन में रखा गया है। इन 9000 लोगों में से 1306 विदेशी हैं और बाकी भारतीय हैं। उन्होंने बताया कि दिल्ली में लगभग 2,000 तबलीगी जमात के सदस्यों में से 1,804 को क्वॉरंटीन किया गया है, 334 को अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

इंदौर में जांच के लिए गई स्वास्थ्य टीम पर पथराव

जान बचाकर भागी महिला डॉक्टर ने बयां की आपबीती, कहा- पुलिस साथ न होती तो नामुमकिन था बचना

इंदौर/पटना/बंगलुरु/ए.। देश जब कोरोना के खिलाफ निर्णायक जंग लड़ रहा है, ऐसे में कुछ जगहों पर इन कोरोनावीरों पर हमले चिंता पैदा कर रहे हैं। मध्य प्रदेश के इंदौर में एक बीमार व्यक्ति स्वास्थ्य परीक्षण के लिए गई स्वास्थ्यकर्मियों की टीम पर पत्थरबाजी की गई। बिहार के मधुबनी में भी ऐसा ही देखा गया। इंदौर में भीड़ से जान बचाकर भागी महिला डॉक्टर ने जो आपबीती बताई है, वह डराने वाली है। उन्होंने कहा कि ■ शेष पृष्ठ 8 पर

हमला हुआ तो भागकर बचाई जान

इंदौर में कोरोना संदिग्धों की जांच करने गई स्वास्थ्य विभाग की टीम पर एक समुदाय विशेष ने हमला कर दिया था। टीम में शामिल महिला डॉक्टर ने अपनी आपबीती सुनाते हुए कहा कि कैसे उन्होंने और उनके साथ शामिल महिला डॉक्टर, एनएनएम और आशा कार्यकर्ता ने भागकर अपनी जान बचाई।

फर्जी खबरों को रोकने कदम उठायें राज्य: गृह मंत्रालय

नई दिल्ली (वार्ता)। केंद्रीय गृह सचिव अजय कुमार भल्ला ने कोरोना के संबध में फैल रही फर्जी खबरों पर चिंता व्यक्त करते हुए राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों से इन्हें रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने को कहा है। श्री भल्ला ने सभी राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों को लिखे पत्र में कहा है कि एक याचिका की सुनवाई के दौरान उच्चतम न्यायालय ने फर्जी खबरों के चलते बढ़ी परेशानियां और इस क्रम में प्रवासी कामगारों के व्यापक स्तर पर पलायन को गंभीरता से लिया है। न्यायालय ने माना कि इससे लोगों को बेवजह मुसीबतों का सामना करना पड़ा है। न्यायालय की टिप्पणियों का संज्ञान लेते हुए श्री भल्ला ने सभी राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों से फर्जी खबरों के प्रसार को रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने को कहा है। उन्होंने कहा है कि केन्द्र सरकार लोगों को तथ्यों और असत्यापित खबरों की पुष्टि की सुविधा देने के लिए एक वेब पोर्टल तैयार कर रही है।

तब्लीगी गतिविधियों में लिप्त 960 विदेशी ब्लैक लिस्ट, वीजा भी रद्द

नई दिल्ली (वार्ता)। कोरोना महामारी के कारण देश भर में लागू पूर्णबंदी का उल्लंघन कर तब्लीगी गतिविधियों में लिप्त पाये गये 960 विदेशियों को ब्लैक लिस्ट कर उनके वीजा रद्द कर दिये गये हैं । केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने कहा है कि पर्यटन वीजा पर भारत आये इन लोगों को तब्लीगी गतिविधियों में लिप्त पाया गया है। मंत्रालय के ट्विटर पर दी गयी जानकारी में कहा गया है।

गृह मंत्रालय द्वारा पर्यटक वीजा पर तब्लीगी गतिविधियों में लिप्त पाए जाने के कारण 960 विदेशियों को ब्लैक लिस्ट किया गया है और साथ ही उनका भारतीय वीजा भी रद्द कर दिया गया है। एक अन्य ट्विट में कहा गया है कि गृह मंत्रालय ने तब्लीगी जमात निजामुद्दीन के मामले में दिल्ली पुलिस और अन्य सम्बंधित राज्यों के पुलिस महानिदेशकों को विदेशी अधिनियम,1946 एवं आपदा प्रबंधन अधिनियम,2005 के प्रावधानों का उल्लंघन करने के लिए 960 विदेशियों के विरुद्ध आवश्यक कानूनी कार्यवाई करने के निर्देश दिए हैं। उल्लेखनीय है कि निजामुद्दीन मरकज में देश और विदेश के करीब 2000 हजार लोगों ने पूर्णबंदी के प्रावधानों का उल्लंघन कर तब्लीगी जमात में हिस्सा लिया था। इनमें से काफी लोग देश के विभिन्न हिस्सों में भी गये जिससे कोरोना वायरस के संक्रमण का खतरा बढ गया है। इनमें से कुछ लोगों की मौत हो गयी है और कई अन्य को विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। इनमें से कई लोगों में कोरोना वायरस का संक्रमण पाया गया है।

तैयारी — वायुसेना और नौसेना के छोटे विमान मेडिकल सेवाएं प्रदान कर रहे, रावत ने बताया- 9,000 बेड तैयार

कोरोना से निपटने सेनाएं भी अलर्ट, 8500 डॉक्टर तैयार

■ रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सेना की तैयारियों का लिया जायजा

नई दिल्ली/ए.। देश में कोरोना के बढ़ते खतरे के बीच अब भारतीय सेनाएं भी पूरी तरह अलर्ट मोड में हैं। कोरोना से जंग की सबसे नाजुक स्थिति करीब आने पर चिकित्सा से जुड़े साजो-सामान लाने-ले जाने के लिए वायुसेना की ट्रांसपोर्ट फ्लीट तैयार है, तो युद्धपोत भी किसी भी स्थिति में तैनाती के लिए अलर्ट पर हैं। बुधवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कोरोना से जुड़ी सेना की तैयारियों का जायजा लिया। सेना के 8,500 डॉक्टर भी किसी प्रकार की आपात स्थिति के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल बिपिन रावत ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को बताया कि कोविड-19 से निपटने के लिए अस्पतालों के 9,000 बेड तैयार रखे गए हैं। ■ शेष पृष्ठ 8 पर

नौसेना के युद्धपोत स्टैंडबाइ मोड पर

नौसेना के युद्धपोत भी स्टैंडबाइ मोड में हैं। ताकि तटीय इलाकों में जरूरी पड़ने पर बड़े पैमाने पर सामान की आपूर्ति की जा सके। दो युद्धपोत को पड़ोसी देशों की मदद के लिए पहले से ही तैयार रखा गया है। अगर जरूरत पड़ी तो दूसरे युद्धपोत को भी उपलब्ध कराया जा सकता है।

मेडिकल सप्लाई पहुंचाने वायुसेना को किया एक्टिव

सुरक्षा बल पहले से ही कोरोना से निपटने के लिए क्वांरटाइन सुविधाओं की तैयारी कर रही है। डिफेंस पब्लिक सेक्टर यूनिट जरूरी मेडिकल उपकरण बना रही है। वायुसेना को जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, मणिपुर और नगालैंड में मेडिकल सप्लाई पहुंचाने के लिए तत्काल ऐक्टिव कर दिया गया है।

रिटायर्ड स्टाफ को भी कहा तैयार रहने

सपोर्ट स्टाफ भी कोरोना से निपटने के लिए सिविल प्रशासन को मदद देने के लिए पूरी तरह तैयार है। सेना ने रिटायर्ड हेल्थ प्रोफेशनल्स को भी मदद के लिए तैयार रहने को कहा है। इसके अलावा एनसीसी के 25,000 कैडेट्स को सिविल प्रशासन की मदद के लिए तैयार किया जा रहा है।

कोरोना : के योद्धाओं को सलाम कर रहा देश, मगर इंदौर में स्वास्थ्य कर्मियों को पत्थर और डंडों से दौड़ा-दौड़ा कर पीटा

इंदौर (ए.)। देश में कोरोना वायरस का प्रकोप तेजी से बढ़ते जा रहा है और हर दिन कोविड-19 के मामलों में बड़ा इजाफा देखने को मिल रहा है। कोरोना संकट के इस दौर में खतरनाक महामारी के कहर से लोगों की जान बचाने के लिए स्वास्थ्यकर्मी अपनी जान की बाजी लगा कर डटे हुए हैं, मगर कुछ लोग हैं कि उन पर पत्थर बरसा रहे हैं और थूक रहे हैं। ताजा मामला मध्य प्रदेश के इंदौर का है, जहां कोरोना वायरस के मद्देनजर एक बुजुर्ग महिला की स्क्रीनिंग करने गए स्वास्थ्य कर्मियों की टीम पर पत्थर बरसाए गए और उन्हें दौड़ा-दौड़ा कर मारा गया है। बता दें कि इससे पहले भी कोरोना लॉकडाउन में स्वास्थ्यकर्मियों और पुलिस की टीम पर देश के अलग-अलग हिस्सों से हमले

की खबर आ चुकी है।

दरअसल, घटना इंदौर के टाट पट्टी बाखल इलाके की है, जहां स्वास्थ्य कर्मियों पर पथराव किया गया। दरअसल, बुधवार को इंदौर के टाट पट्टी बाखल इलाके में कोरोना वायरस से संदिग्ध एक बुजुर्ग महिला का मेडिकल चेकअप करने के लिए स्वास्थ्य कर्मियों की टीम, जिसमें डॉक्टर, नर्स और आशा कार्यकर्ता शामिल थे, लाने आई थी, जिसका वहां के लोगों ने विरोध किया और लोगों ने पथराव कर दिया।

जमातियों ने स्वास्थ्य कर्मियों पर थूका

यह पहला मामला नहीं है, जिसमें कोरोना वायरस के खिलाफजंग में अगली कतार में खड़े स्वास्थ्य कर्मियों के साथ बदसलूकी की घटना हुई है। इससे पहले दिल्ली के मरकज में तबलीगी जमाती के लोगों ने भी स्वास्थ्य कर्मियों पर थूका। दक्षिण-पूर्वी दिल्ली में रेलवे के पृथक केंद्रों में रखे गए तबलीगी जमात के कार्यक्रम से जुड़े करीब 160 लोगों ने उनकी जांच कर रहे डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों के साथ दुर्व्यवहार किया और यहां तक कि उनपर थूका भी।

तबलीगी जमात के 189 लोग कोरोना वायरस पॉजिटिव

कोरोना वायरस के डर के बीच दिल्ली के निजामुद्दीन में स्थित तबलीगी जमात के मरकज का मामला लगातार गंभीर होता जा रहा है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि जमात के कार्यक्रम के कारण कोरोना वायरस संक्रमण के मामले बढ़े हैं। 24 घंटों में सामने आए संक्रमण में से 189 मामले तबलीगी जमात में शामिल लोगों के हैं। वहीं, मरकज में शामिल लोगों की तलाश में देशभर में तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।

उन्होंने लाठी-डंडों से उनका पीछा किया और फिर किसी तरह स्वास्थ्यकर्मियों की टीम जान बचाते भागी। बता दें कि यह घटना ऐसे वक्त में हुई है जहां पूरा देश डॉक्टरों के लिए तालियां बजा रहा है और उनके योगदान को सराह रहा है, मगर वहीं कुछ लोग इन्हें गालियां भी दे रहे हैं और पत्थर भी मार रहे हैं। इसका एक वीडियो भी जारी किया है, जिसमें साफ देखा जा सकता है कि कैसे स्वास्थ्य कर्मियों की टीम पर भीड़ हमला करने के लिए दौड़ती दिख रही है। लाठी-डंडे के साथ भीड़ टीम पर हमला करती है और उसके बाद किसी तरह स्वास्थ्यकर्मी वहां से जान बचाकर भागते हैं। दरअसल, वीडियो में कुछ अपशब्द का इस्तेमाल किया गया है, इस वजह से हम उसे नहीं दिखा सकते। पत्थरों से हमला करने वाले लोगों ने बैरिकेड भी तोड़ा।

कुछ लोगों पर दर्ज हुआ मामला

इस घटना के बाद पुलिस पहुंची। पुलिस की सख्ती के बाद उपद्रवी माने और पुलिस ने कुछ लोगों पर केस भी दर्ज किया है। बताया जा रहा है कि स्वास्थ्यक र्मियों की टीम उस संदिग्ध व्यक्ति की पहचान के लिए आई थी, जो कोरोना वायरस संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आया था। बता दें कि इंदौर में कोरोना वायरस के मामलों में लगाता इजाफा हो रहा है और यह आंकड़ा 75 हो गया है। बुधवार को मध्य प्रदेश के इंदौर में कोरोना वायरस के 12 नए मामले सामने आए, जिसके बाद पूरे राज्य में यह आंकड़ा 98 हो गया है।

कोरोना लॉकडाउन: वीडियो कान्फ्रेंसिंग से कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक

डराने वाली चुनौती, खराब तरीके से लॉकडाउन : सोनिया गांधी

नई दिल्ली (ए.)। कोरोना वायरस लॉकडाउन के बीच गुरुवार को कांग्रेस वर्किंग कमिटी की बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए हुई। इस दौरान पार्टी की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी ने कोरोना वायरस को अभूतपूर्व स्वास्थ्य और मानवीय संकट बताते हुए कहा कि यह हमारे सामने डराने वाली चुनौती है, लेकिन इससे पार पाने का हमारा संकल्प अधिक बड़ा होना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि खराब ढंग से लॉकडाउन लागू किए जाने की वजह से लाखों श्रमिकों को तकलीफउठानी पड़ी है।

सोनिया गांधी ने कहा, 'कोविड-19 से लड़ने के लिए लगातार और विश्वनीय जांच का कोई विकल्प नहीं है। हमारे डॉक्टर्स, नर्स, हेल्थ वर्कर्स को सपॉर्ट की जरूरत है। उन्हें हजमैट सूट, एन-95 मास्क जैसे सभी पर्सनल प्रोटेक्शन इक्विपमेंट युद्धस्तर पर उपलब्ध कराए जाएं।' कांग्रेस वर्किंग कमिटी की बैठक में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह, पूर्व पार्टी अध्यक्ष राहुल गांधी, पी.

चिदंबरम, गुलाम नबी आजाद और अन्य वरिष्ठ नेता शामिल हुए।

लॉकडाउन से श्रमिकों और गरीब वर्ग को हो रही परेशानी का जिक्र करते हुए सोनिया गांधी ने कहा, 'लॉकडाउन आवश्यक हो सकता है लेकिन इसके अनियोजित क्रियान्वयन से लाखों प्रवासी श्रमिकों को परेशानी और तकलीफ उठानी पड़ रही है। कोरोना वायरस लॉकडाउन के कारण बने हालात से निपटने के लिए सरकार को एक विस्तृत रणनीति बनाना चाहिए थी।' सोनिया गांधी ने कहा, 'हमारे देश में इस महामारी का सबसे अधिक दुष्प्रभाव गरीबों और वंचितों को उठाना पड़ेगा। हमें उनके लिए साथ आना चाहिए और इस मुश्किल घड़ी में उनके लिए हर संभव प्रयास करें।' इस दौरान सभी नेताओं ने पार्टी चीफ के राय से सहमति जताते हुए गरीबों के मदद की बात कही।

गौरतलब है कि कोरोना के प्रसार को रोकने के लिए पीएम नरेंद्र मोदी ने 21 दिनों के लॉकडाउन की घोषणा की है। लॉकडाउन के ऐलान के बाद बड़ी संख्या में प्रवासी मजदूर पैदल ही शहरों से गांवों की ओर रवाना होगा। दिल्ली से बड़ी संख्या में मजदूरों ने यूपी और बिहार के लिए पलायन किया है।

गुजरात में कोरोना वायरस संक्रमण से एक और मौत

गांधीनगर (वार्ता)। गुजरात में कोरोना वायरस (कोविड-19) संक्रमित एक और व्यक्ति की मौत होने से राज्य में इससे होने वाली मौतों की संख्या गुरुवार को बढ़ कर सात हो गयी और पिछले 24 घंटे में इसके 13 नये मामले सामने आने के साथ ही संक्रमितों की संख्या बढ़कर 87 हो गई है। राज्य की स्वास्थ्य सचिव सह आयुक्त जयंती रवि ने आज बताया कि राज्य में अब तक सात लोगों की मौत हुयी है और कुल संक्रमित मामलों की संख्या बढ़ कर 87 हो गयी है। कोरोना वायरस संक्रमण से 52 वर्षीय एक पुरूष की वडोदरा के एसएसजी अस्पताल में मौत हो जाने के बाद इससे होने वाली मौतों की संख्या बढ़ कर सात हो गयी है। वह विदेश से वडोदरा आया था। इससे पहले सात में से छह लोगों की 30 मार्च तक इस महामारी से मौत हो चुकी है।

33 लोगों ने विदेश और आठ ने देश में यात्रा की

अस्पताल में भर्ती लोगों में से ठीक होने के बाद सात को छुट्टी दे दी गयी जबकि दो वेन्टिलेटर पर हैं और बाकी 71 की हालत स्थिर है। संक्रमितों में से 33 लोगों ने विदेश और आठ ने देश में यात्रा की है जबकि 46 स्थानीय हैं। पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस से संक्रमित 13 नये मामले सामने आये हैं। इन नए मामलों में आठ अहमदाबाद में, दो-दो सूरत और पोरबंदर तथा एक पंचमहाल में हैं। अहमदाबाद में अबतक सर्वाधिक 31 मामले, सूरत में 12, गांधीनगर में 11, राजकोट में दस, वडोदरा में नौ, भावनगर में छह, पोरबंदर में तीन, गिर-सोमनाथ में दो तथा पंचमहाल, महेसाणा और कच्छ में एक-एक मामले सामने आये हैं।

4 हफ्ते में 'निर्णायक मोड़' पर पहुंचेगा कोरोना वायरसः शीर्ष चीनी वैज्ञानिक

- **डॉक्टर झोंग नानशान कोरोना से जंग के लिए चीन की सरकार की ओर से तैनात किए गए हैं**
- **उन्होंने यह भी कहा कि चीन में अब किलर कोरोना वायरस का दूसरा चरण शुरू नहीं होगा**

पेइचिंग। चीन के शीर्ष वैज्ञानिक ने दावा किया है कि इस महीने के आखिर तक कोरोना वायरस दुनिया में 'निर्णायक मोड़' तक पहुंच सकता है। कोरोना से जंग के लिए चीन की सरकार की ओर से तैनात किए गए डॉक्टर झोंग नानशान ने कहा कि चीन में कोरोना वायरस का दूसरा चरण शुरू नहीं होगा। उन्होंने कहा कि चीन ने बहुत प्रभावी निगरानी प्रणाली विकसित की है, इससे खतरा टल गया है।

डॉक्टर झोंग ने एक टीवी चैनल से बातचीत में कहा, 'कोरोना वायरस बहुत तेजी से संक्रमित करने वाला है और इसमें मरने वालों की तादाद बहुत ज्यादा है। इससे निपटने के लिए दो तरीके हैं। एक इसके संक्रमण की दर को एकदम कम से कम कर दो और फिर इसे फैलने से रोक दो ताकि बचाव के लिए ज्यादा समय मिल सके।' उन्होंने कहा कि कोरोना से निपटने का दूसरा तरीका यह है कि इसके संक्रमण में देरी कर दो और कुछ तरीके अपनाकर इसके मरीजों की संख्या को कम कर दो। चूंकि और ज्यादा देशों ने कड़े कदम उठाए हैं, मेरा अनुमान है कि अप्रैल के अंत तक नए मामलों की संख्या कम होनी शुरू हो जाएगी।' उन्होंने उन आरोपों को खारिज कर दिया जिसमें कहा जा रहा था कि साइलेंट कैरियर की वजह से चीन में कोरोना फिर से पैर पसार सकता है।

इस देश में 'कोरोना वायरस' का नाम लेना है जुर्म, पुलिस करती है गिरफ्तार

नई दिल्ली। आज के वक्त में कोविड-19 महामारी ने ऐसा हाहाकार मचा दिया है कि पूरी दुनिया में सिर्फकोरोना वायरस की ही चर्चा है। डर से ही सही मगर दुनिया के करीब 200 देशों के लोगों के जुबान पर इस खतरनाक कोरोना वायरस का नाम है, मगर एक देश ऐसा भी है जो कोरोना वायरस शब्द न सुनना चाहता है और न ही अपने किसी नागरिकों को बोलने की इजाजत देता है। दरअसल, तुर्कमेनिस्तान की सरकार ने 'कोरोना वयारस' शब्द पर बैन लगा दिया है। इतना ही नहीं, इस देश में मास्क लगाने पर भी बैन लगा दिया गया है। तुर्कमेनिस्तान की सरकार ने कथित तौर पर स्थानीय मीडिया या स्वास्थ्य सूचना ब्रोशर में भी 'कोरोना वायरस' शब्द को प्रतिबंधित कर दिया गया है। इंडिपेंडेंट न्यूज ने तुर्कमेनिस्तान क्रॉनिकल के हवाले से बताया है कि वायरल डिजीज के रोकथाम को लेकर सूचना वाले हेल्थ मिनिस्ट्री के ब्रॉशर में भी कोरोना वायरस का उल्लेख नहीं किया जा रहा है। वहीं, पुलिस इस महामारी की चर्चा करने पर भी लोगों को हिरासत में ले रही है। रेडियो अजाटलिक के रिपोर्ट के मुताबिक, सादे कपड़ों में पुलिस के विशेष एजेंट लोगों के बीच में मौजूद हैं, जो छूप-छूपकर उनकी बातें सुनते हैं ताकि कोरोना वायरस को लेकर बात करने वाले की पहचान की जा सके। कोरोना वायरस को लेकर लाख इनकार के बाद भी तुर्कमेनिस्तान की सरकार वायरस के प्रसार को रोकने के लिए कई उपाय कर रही है।

वॉट्सएप ग्रुप के एडमिन ने कोरोना पीड़ित का नाम और पता किया उजागर, गिरफ्तार

बेगूसराय (ए.)। बिहार के बेगूसराय जिले में कोरोना वायरस के पीड़ित का नाम पता सोशल मीडिया पर सार्वजनिक करने पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। एसपी अवकाश कुमार के आदेश पर वॉट्सएप ग्रुप के एडमिन भवेश कुमार भारतीय, पुलिस पब्लिक मैत्री ग्रुप के सुबोध कुमार और दलित जागरण मंच के एडमिन ओम प्रकाश रजक पर नगर थाना में मामला दर्ज किया गया है। दरअसल बेगूसराय में बुधवार को जांच के बाद एक मरीज कोरोना पॉजिटिव पाया गया था। इसे लेकर एसपी अवकाश कुमार के आदेश पर न्यूज़ टीवी बिहार के ग्रुप एडमिन भवेश कुमार भारतीय, पुलिस पब्लिक मैत्री संघ ग्रुप के एडमिन संतोष कुमार और दलित जागरण मंच वॉट्सएप ग्रुप के एडमिन ओमप्रकाश के खिलाफनगर थाना में विभिन्न धाराओं के अंतर्गत मामला दर्ज कराया गया है। डीएसपी कुंदन कुमार सिंह ने कहा कि सरकार का सख्त निर्देश है कि कोरोना वायरस से पीड़ित मरीज की डिटेल सार्वजनिक नहीं की जाएगी।

एम्स के डॉक्टर में भी मिला कोरोना वायरस, परिवार के सदस्यों की भी होगी जांच

नई दिल्ली (ए.)। दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के फिजियोलॉजी विभाग के एक रेजिडेंट डॉक्टर में कोविड-19 वायरस की पुष्टि हुई है। एम्स के सूत्रों के अनुसार कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए डॉक्टर को आगे की जांच और कई अन्य टेस्ट के लिए एक निजी वार्ड में भर्ती कराया गया है। उनके परिवार की भी जांच होगी। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने गुरुवार को बताया कि राजधानी में कोविड-19 वायरस से संक्रमित और संदिग्ध मरीज मिलाकर कुल 700 लोग दिल्ली के विभिन्न अस्पतालों में भर्ती हैं। सत्येंद्र जैन ने कहा कि दिल्ली में बुधवार शाम तक कोरोना वायरस के 152 पॉजिटिव केस हैं। इसमें से 53 केस मरकज के हैं। दिल्ली में कल 32 लोगों का आंकड़ा बढ़ा है, जिसमें 29 लोग

निजामुद्दीन में तबलीगी जमात कार्यक्रम में शामिल हुए थे। दिल्ली में अभी 700 के करीब कोरोना पॉजिटिव और संदिग्ध मामले हैं। आज भी काफी लोगों की रिपोर्ट आएगी, जिसके बाद मामले और बढ़ने की आशंका है। इनमें मरकज के लोग ही ज्यादा हैं। ज्ञात हो कि देश और दिल्ली में तेजी से पैर पसार रहे कोरोना वायरस ने अब डॉक्टरों को भी अपनी चपेट में लेना शुरू कर दिया है। बुधवार को दिल्ली राज्य कैंसर संस्थान की एक डॉक्टर में कोविड-19 वायरस की पुष्टि होने के बाद सफदरजंग अस्पताल के दो रेजिडेंट डॉक्टर भी कोविड-19 वायरस से संक्रमित पाए गए थे। सफदरजंग अस्पताल के कोविड-19 वायरस से संक्रमित पाए गए दोनों डॉक्टरों में एक पुरुष डॉक्टर है जो कोविड-19 यूनिट में तैनात है और एक महिला डॉक्टर है जो क्लास की तीसरी साल की बायोकेमिस्ट्री विभाग की छात्रा है। अधिकारियों के अनुसार उसने विदेश की यात्रा की है। दिल्ली राज्य कैंसर संस्थान को एक डॉक्टर के कोरोना वायरस से संक्रमित पाए जाने के बाद सैनेटाइजेशन के लिए एक दिन के लिए बंद कर दिया गया था।

तबलीकियों की गलती की सजा लोगों को भुगतने नहीं देंगे : योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि तबलीगियों की गलतियों का खामियाजा पुलिस कर्मियों, स्वास्थ्य कर्मियों और प्रदेश वासियों को नहीं भुगतने देंगे। सार्वजनिक स्थलों पर एक साथ नमाज ना पढ़ने दी जाए। जो लोग लाकडाउन का उल्लंघन कर ऐसा करने की कोशिश करते हैं, उनके खिलाफकड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए।

मुख्यमंत्री ने गुरुवार को अपने आवास पर टीम 11 के साथ मीटिंग में यह बात कही। योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि क्वारंटीन सेंटरों में भी अच्छी व्यवस्था हो, भोजन इत्यादि का बेहतर प्रबंध हो। साथ ही सुरक्षा की पूरी व्यवस्था हो ताकि कोई मरीज भाग ना सकें, ऐसा होने पर डीएम और एसपी सीधे तौर पर जवाबदेह होंगे।

उन्होंने कहा कि तबलीगी जमात से लौटे हर व्यक्ति को हर हाल में ढूंढ निकाला जाए। उसकी पूरी निगरानी हो। जो विदेशी हैं उनके पासपोर्ट जब्त कर जांच हो। कानून तोड़ा है तो एनडीआरएफ एक्ट के तहत कार्रवाई हो। जिन्होंने छुपाया है या अवैध ढंग से शरण दी है उनके खिलाफ भी मुकदमा दर्ज कर सख्त कार्रवाई की जाए।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग | **कोरोना पर पीएम से मीटिंग के बाद अरुणाचल के सीएम बोले**

मानव जाति के दुश्मन को हराने के लिए एकजुट होकर लड़ना होगा

नई दिल्ली (ए.)। देश मे लगातार पैर पसार रहे कोरोना वायरस संक्रमण के खिलाफ रणनीति बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को राज्यों के मुख्यमंत्रियों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बात की। इस बैठक के बाद अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने ट्वीट करके बताया कि बैठक में पीएम मोदी ने कहा है कि अभी युद्ध शुरू हुआ है। 24 घंटे में हमें सतर्क रहना चाहिए और एकजुट होकर हमें कोविड 19 के प्रकोप को हराने के लिए लड़ना होगा। एक और ट्वीट में बताया पीएम ने कहा कि यह एक ऐसी लड़ाई है जिसे हम में से प्रत्येक को लड़नी चाहिए। यह एक युद्ध

है जिसे केवल स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं, पुलिसकर्मियों या सरकार पर नहीं छोड़ा जा सकता है। यह समय अलग-अलग विचारधाराओं के लोगों को मानव जाति के दुश्मन को हराने के लिए एकजुट होकर लड़ना होगा।

अभी तक 150 लोग ठीक हो चुके

भारत में कोविड-19 मामलों की संख्या बुधवार को बढ़कर 1965 तक पहुंच गई, जबकि मरने वालों की संख्या बढ़कर 50 हो गई। कोरोना वायरस के मामलों में इजाफे के लिहाज से एक दिन में अब तक की सबसे अधिक बढ़ोतरी दर्ज की गई है और 437 मामले दर्ज किये गए। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह जानकारी दी। स्वास्थ्य मंत्रालय के लेटेस्ट आंकड़ों के मुताबिक, कोविड-19 के 1764 रोगियों का इलाज चल रहा है, जबकि 150 लोग ठीक हो चुके हैं।

अरुणाचल के सीएम मे एक ट्वीट कर कहा था कि 15 अप्रैल को लॉकडाउन समाप्त होगा, लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि आप सड़कों पर आवाजाही के लिए स्वतंत्र हैं। कोविड 19 से लड़ने का एकमात्र तरीका लॉकडाउन और सामाजिक दूरी है। हालांकि यह ट्वीट बाद में उन्होंने डिलीट कर दिया था और सफाई ट्वीट किया है कि स्टाफ ने हिन्दी समझने में दिक्कत के कारण ऐसा कर दिया है। उन्होंने बताया कि बैठक में पीएम मोदी ने कहा कि 21 दिनों का लॉकडाउन बेकार नहीं जाना चाहिए। लॉकडाउन के बाद भी, कोरोना रोकथाम सुरक्षा उपायों का पालन करें जैसे कि मास्क पहनना, स्वच्छता, सामाजिक दूसरी बनाए रखना आदि। जिम्मेदार होना ही हमें बचाएगा।

देश को एकजुट होकर इसका सामना करने की जरूरत

देश में कोरोना वायरस की स्थिति पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए हुई इस बैठक में पीएम मोदी के साथ गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी मौजूद दिखे। बताया जा रहा है कि इस बैठक में कोरोना संकट के उपजे मौजूदा स्थिति, विभिन्न राज्यों में फंसे प्रवासी मजदूरों के लिए चलाए जा रहे राहत कार्यों के साथ-साथ तबलीगी जमात के लोगों के विभिन्न राज्यों में जाने से उत्पन्न खतरे पर भी चर्चा हुई है। लॉकडाउन के बाद देश के मुख्यमंत्रियों के साथ प्रधानमंत्री की यह पहली बैठक है। इससे पहले 22 मार्च को लगाए गए जनता कर्फ्यू से दो दिन पहले 20 मार्च को प्रधानमंत्री मोदी ने राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की थी। उस समय उन्होंने कोरोना के वैश्विक खतरे के प्रति मुख्यमंत्रियों को आगाह करते हुए पूरे देश को एकजुट होकर इसका सामना करने की जरूरत पर जोर दिया था।

न्यूज गैलरी

फर्जी आईडी बनाकर युवती को दे रहा मानसिक प्रताड़ना, मामला दर्ज

रायपुर। सोशल मीडिया पर आये दिन युवतियों का फर्जी आईडी बनाकर मानसिक प्रताड़ना देने की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही है। कहीं कहीं तो लड़कियों को फेसबुक में डाली गई फर्जी जानकारी के आधार पर ब्लेकमेल करने /वायरल करने की धमकियां भी दी जाती है। सिविल लाइन थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार लोधी पारा निवासी युवती को अज्ञात मोबाइल धारक द्वारा फेसबुक पर फर्जी आईडी बनाकर इंस्टाग्राम बनाकर फोन अपलोड कर बिना प्रार्थियां की अनुमति के मानसिक प्रताड़ना दी गई। उक्त मामले में सिविल लाइन थाने में आईपीसी की धारा 509 के तहत मामला कायम कर पतासाजी शुरू कर दी है।

सफाई कर्मी से हुआ अभद्र व्यवहार, मामला दर्ज

रायपुर। कोरोना वायरस के चलते लगे लाक डाउन में संक्रमण को रोकने के लिए सफाईकर्मी दिन रात समर्पित भाव से सेवा दे रहे हैं। वहीं शहर में कुछ लोग ऐसे भी है जो सफाई कर्मियों का सम्मान करने के बजाय उनसे अभद्र व्यवहार कर रहे हैं। मौदहापारा से मिली जानकारी के अनुसार सावन पात्रे आयु 34 वर्ष पिता स्व. नंदकुमार पात्रे निवासी स्वीपर कालोनी मौदहापारा से आरोपी ऋषभ रक्सेल, विनय रक्सेल, अन्नु रक्सेल एवं उसके साथियों द्वारा सुबह ब्लीचिंग पावर छोड़ने गया था उसे आरोपी ने यहां क्या करने आए हो कहकर गाली गलौज किया एवं जान से मारने की धमकी दी। उक्त मामले में मौदहापारा थाने ने आरोपियों के खिलाफ आईपीसी की धारा 294, 506, 323 एवं 34 के तहत मामला कायम किया है।

पहली मंजिल से कुदा जुआरी घायल, 13 गिरफ्तार

रायपुर। लॉकडाउन के दौरान शहर के शंकर नगर स्थित एक मकान में जुआ खेल रहे लोगों को पकड़ने पहुंची पुलिस को देखकर एक युवक पहली मंजिल से कुदकर भागने के प्रयास में घायल हो गया। पुलिस ने इस कार्यवाही में 13 लोगों को गिरफ्तार किया है। जिनके पास से 11 लाख 11 हजार 800 रुपए बरामद किया गया है।

युवती की रास्ता रोककर पिटाई, जुर्म दर्ज

रायपुर। धरसींवा थाने से मिली जानकारी के अनुसार कुमारी संध्या शिवारे पिता उत्तम शिवारे निवासी ग्राम धनेली धरसींवा आरोपी साबिर खान पिता गफ्फार खान निवासी धनेली ने रास्ता रोककर अनावश्यक गालीगलौज करते हुए उसकी जमकर पिटाई की। उक्त मामले धरसींवा थाने ने आरोपी के खिलाफ आईपीसी की धारा 294, 323 के तहत मामला दर्ज किया है।

1.85 लाख जरूरतमंदों को मिल रहा निःशुल्क भोजन

रायपुर (नव प्रदेश)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देशन पर राज्य भर में एक लाख 84 हजार 712 गरीबों, मजदूरों एवं निराश्रितों को निःशुल्क भोजन का प्रबंध जिलों में स्थानीय प्रशासन एवं स्वयंसेवी संस्थाओं की सहयोग से किया जा रहा हैं। गौरतलब है कि कोरोन वायरस के संक्रमण से उत्पन्न लॉकडाउन की वजह से जरूरतमंद गरीबों, मजदूरों एवं निराश्रितों के समक्ष रोजी-रोटी का संकट को देखते हुए शासन-प्रशासन द्वारा राज्य के सभी जिलों में निःशुल्क भोजन एवं राशन उपलब्ध कराए जाने की व्यवस्था की गई है। इस कार्य में स्थानीय स्वयंसेवी संस्थाएं एवं दानदाता भी अपनी ओर से हरसंभव सहयोग कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के मंशानुरूप राज्य के सभी जिलों में गरीबों, मजदूरों, निराश्रितों एवं जरूतमंद लोगों के भोजन एवं आवास का प्रबंध किया गया है। कैम्प में रह रहे लोगों के लिए जिसमें छत्तीसगढ़ राज्य के अलावा दूसरे राज्यों के भी श्रमिक शामिल हैं, उन्हें जिला प्रशासन द्वारा भोजन, चाय नाश्ता एवं चिकित्सा सुविधा निःशुल्क मुहैया करायी जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार आज एक अप्रैल को राज्य के 28 जिलों में एक लाख 84 हजार 712 लोगों को निःशुल्क भोजन एवं राशन का वितरण किया गया। स्वयंसेवी संस्थाओं के सहयोग से अब तक दो लाख एक हजार 298 लोगों को आवश्यक मदद एवं मास्क आदि का वितरण किया गया है। रायपुर जिले में सर्वाधिक एक लाख 3 हजार 606 लोगों को निःशुल्क भोजन एवं राशन प्रदाय किए जाने के साथ ही उन्हें कोरोना संक्रामक बीमारी से सुरक्षित रखने के लिए मास्क एवं अन्य सामाग्री का वितरण किया गया है। इसी तरह सुकमा जिले में 4077, राजनांदगांव में 98,893, रायगढ़ में 46,232, बस्तर में 13,648, कांकेर में 2749, बीजापुर में 570, जशपुर में 1720, कोरिया में 4908, सूरजपुर में 5146, बालोद में 13,557, कबीरधाम में 973, बलौदाबाजार में 7900, धमतरी में 5740, दुर्ग में 5530, महासमुंद में 2347, बलरामपुर में 2782, कोरबा में 14,803, सरगुजा में 1122, जांजगीरचांपा में 1052, बिलासपुर में 5395, कोण्डागांव में 2924, दंतेवाड़ा में 17,519, बेमेतरा में 2445, गरियाबंद में 5268, नारायणपुर में 636, मुंगेली में 11, 437 तथा गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही में 1529 जरूरतमंदों को निःशुल्क भोजन, राशन एवं अन्य सहायता उपलब्ध करायी गई हैं।

14 हजार भिखारियों, निराश्रित, तृतीय लिंग समुदाय और जरूरतमंद व्यक्तियों को मिला निःशुल्क भोजन

प्रदेश में लॉकडाउन के दौरान कोई व्यक्ति भूखा न रहे इसके लिए राज्य सरकार ने व्यापक प्रबंध किए हैं। सभी जिलों में भिखारियों, निराश्रित और जरूरतमंद व्यक्तियों का चिन्हांकन कर उन्हें गर्म भोजन तथा सूखा राशन प्रदान किया जा रहा है। समाज कल्याण विभाग द्वारा 14 हजार 608 निराश्रित, भिक्षुक, तृतीय लिंग समुदाय और जरूरतमंद व्यक्तियों का चिन्हान्कन किया गया है। मानव सेवा के इस काम में विभाग के साथ जिला प्रशासन, पुलिस साहित विभिन्न समाजसेवी संस्थाएं भी लगी हुई है। जरूरतमंदों तक भोजन पहुंचाने की राज्य स्तर पर निरन्तर ऑनलाईन मॉनिटरिंग की जा रही है।

लॉक डाउन में सख्ती बरतने कलेक्टर एसपी सड़कों पर

■ बेवजह घूमने वालों को पुलिसवालों ने भेजा घर

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने लॉकडाउन का शहर और उसके आसपास क्षेत्रों में कितना पालन हो रहा है, इसे देखने के लिए कलेक्टर और एसएसपी रोजाना सड़कों पर निकल रहे है। इस दौरान लॉकडाउन का उल्लंघन करने वालों पर कड़ाई बरतने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए है।

बीते दिन कलेक्टर डॉ.एस भारतीदासन व एसएसपी आरिफ शेख ने पुलिस व प्रशासन के अधिकारियों के साथ तेलीबांधा, सिविल लाइन, लाभांडी और राजेंद्रनगर पुलिस थाना क्षेत्र का निरीक्षण किया। एसएसपी ने अफसरों को गली-मोहल्लों के अलावा मुख्य सड़कों पर बेवजह घूमने वालों पर कार्रवाई करने को कहा है।

लॉकडाउन में पुलिस की ढ़िलाई का फायदा उठाकर दोपहिया व चार पहिया वाहनों से लोग बेवजह सड़क पर घूमने से बाज नहीं आ रहे है। हालांकि चौक-चौराहों पर बेरीकेट्स लगाकर पुलिस के जवान आने-जाने वालों को रोककर पूछताछ करने के बाद जरूरी होने पर ही जाने दे रहे है। बुधवार दोपहर दो से तीन बजे के बीच संतोषीनगर ओवरब्रिज, टिकरापारा, कालीबाड़ी चौक, कोतवाली चौक, जय स्तंभ चौक,शास्त्री चौक पर तैनात पुलिसकर्मियों ने सड़क पर घूमने वालों पर सख्ती दिखाई। कई ऐसे दोपहिया चालकों को घूमते रोका जो पूछने पर यह नहीं बता पाए कि घर से निकले क्यों थे। वहीं कुछ लोगों ने अस्पताल जाने, दवा, राशन दुकान, सब्जी और पेट्रोल लेने के लिए जाने का बहाना बनाया। लेकिन पुलिस कर्मियों ने उनकी एक नहीं सुनी। सभी को घर वापस लौटा दिया।

सेनेटाइज घर पहुंच सब्जी वाहन सेवा की शुरूआत

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। लॉकडाउन के दौरान रायपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के लोगों को ना केवल कोरोना वायरस से सुरक्षित रखने बल्कि घर बैठे वाजिब दामों पर सब्जियां उपलब्ध कराने के लिए विधायक विकास उपाध्याय ने सेनेटाइज युक्त घर पहुंच सब्जी वाहन सेवा की शुरूआत की है।

सेनेटाइजयुक्त सब्जी वाहन सुविधा आज क्षेत्र के एकता नगर,जनता कालोनी,बम्लेश्वरी नगर,मुर्राभट्ठी,विकास नगर,अशोक नगर,प्रीतम नगर,परशुराम चौक,कोटा,कोटा कालोनी,टीचर्स कालोनी,भवानी नगर,गुढ़ियारी,पड़ाव,साहू पारा,मंगल बाजार,समता कालोनी,चोबे कालोनी,अग्रसेन चौक,खमतराई,शिवानंद नगर, श्रीनगर, दीनदयाल उपाध्याय नगर, गोल चौक, टाटीबंध, हीरापुर एवं समस्त वार्ड व मोहल्ले में घर-घर पहुचें और उनके जरूरत के अनुसार वाजिम दामों पर उपलब्ध कराये गये।

श्री उपाध्याय ने कहा कि कोरोना वायरस जैसे महामारी बीमारी के बावजूद लॉकडाउन के दौरान आम जनों को सब्जी भाजी खरीदने के लिए घरों से बाहर निकलना पड़ रहा था। इसके कारण कोरोना से बचने किये जा रहे उपायों में फर्क पड़ रहा था। साथ ही बाहर में लोगों को सब्जियां भी महंगे दामों पर खरीदना पड़ रहा है। इसे देखते हुए उन्होंने सोशल डिस्टेंस को बनाए रखने अब लॉकडाउन खत्म होने तक घर पहुंच सब्जी सुविधा की शुरूआत क्षेत्र में की है। उन्होंने कहा कि आम जनता ने अपने धैर्य का अच्छा परिचय दिया जिसके लिए मैं सभी को धन्यवाद देता हूं।

घरों से ही करें नमाज अदा राज्य वक्फ बोर्ड की अपील

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष सलाम रिजवी ने समस्त मुस्लिम समाज से अपील की है अपने घरों में ही नमाज अदा करें। आने वाली बड़ी रात (शबे बारात) में भी यह आदेश लागू रहेगा। कब्रस्तान और दरगाहों में भीड़ इकट्ठा न हों इस संबंध में उचित कदम उठाए। मस्जिद, दरगाह, कब्रस्तानों में अनावश्यक प्रवेश की इजाजत न दी जाए। कोविड-19 (कोरोना वायरस) से बचने के लिए अपने-अपने घरों में रहकर फातेहा व इसाले सवाब किया जा सकता है। श्री रिजवी ने कहा है कि शबे बारात के दिन बाद नमाज ए मगरिब रोजी में बरकत, उम्र की दराजी व दाफ ए बला के लिए जो नाफिल नमाजें छःरकात पढ़ी जाती है। उसे अपने घरों में अदा करें और सूरह यासीन की तिलावत खुद करें। उन्होंने कहा है कि ऐसे अवसर पर अपने घर से निकलकर भीड़ में जाना और संक्रमण को घर लाना आपके परिवार के सदस्यों के लिए घातक हो सकता है। अतः जागरूक बनें, शासन के दिशा-निर्देशों का पालन कर अपनी जिम्मेदारी निभाएं।

छत्तीसगढ़ राज्य वक्फ बोर्ड के सचिव द्वारा सभी मुतवल्ली, सभी प्रशासक मस्जिद, मदरसा, दरगाह, कब्रस्तान को निर्देशित किया है कि वर्तमान में कोविड-19 (कोरोना वायरस) के संक्रमण की रोकथाम के लिए बोर्ड अध्यक्ष की अपील पर अमल किया जाए। कब्रस्तान और दरगाहों में भीड़ इकट्ठा न हो इस संबंध में उचित कदम उठाएं। मस्जिद, दरगाह, कब्रिस्तान में अनावश्यक प्रवेश की इजाजत न दी जाए। आम जमातियों को अपने-अपने घरों में नमाजों एवं मगफिरत की दुआ करने की सलाह दें।

राज्य के आठ अस्पतालों में कोविड-19 के उपचार की सुविधा मुहैया

■ **34 अस्पतालों में आइसोलेशन सेंटर, संक्रमण रोकने 74 क्वारेंटाइन-सेंटर्स**

■ **अब तक संकलित 919 सैंपलों में से 858 की जांच, 61 सैंपलों की रिपोर्ट का इंतजार**

रायपुर (नव प्रदेश)। छत्तीसगढ़ के अब आठ सरकारी अस्पतालों में कोविड-19 के इलाज की व्यवस्था की गई है। इसके उपचार के लिए एम्स रायपुर में अभी 200 बिस्तर तैयार हैं। इसे बढ़ाकर 500 बिस्तर करने की तैयारी है। पं. जवाहर लाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय, रायपुर में 400 बिस्तर और माना सिविल अस्पताल में 100 बिस्तर की व्यवस्था है। शासकीय मेडिकल कॉलेजों बिलासपुर, जगदलपुर, राजनांदगांव, अंबिकापुर और रायगढ़ में कोविड-19 के इलाज के लिए कुल एक हजार बिस्तर आरक्षित किए गए हैं।

रायपुर के रिम्स अस्पताल को भी कोविड-19 के इलाज के लिए विकसित किया जा रहा है। यहां 500 लोगों के उपचार की व्यवस्था रहेगी। स्वास्थ्य मंत्री श्री टी.एस. सिंहदेव रोजाना कोरोना वायरस के नियंत्रण एवं रोकथाम की व्यवस्था की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दे रहे हैं। वे केन्द्र सरकार के मंत्रियों और अधिकारियों से भी लगातार बात कर राज्य के लिए अधिक से अधिक संसाधन जुटाने की कोशिश कर रहे हैं। प्रदेश के सभी सांसदों और विधायकों से भी उन्होंने मदद की अपील की है। उन्होंने आज केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. हर्ष वर्धन को पत्र लिखकर रैपिड एंटी-बॉडी डिटेक्शन किट के उपयोग और खरीदी के संबंध में आई.सी.एम.आर. से दिशा-निर्देश जारी करवाने तथा छत्तीसगढ़ के दो और केन्द्रों में कोरोना वायरस टेस्ट की अनुमति देने का अनुरोध किया है।

प्रदेश में 34 आइसोलेशन सेंटर्स भी स्थापित किए गए हैं। सभी 26 जिला अस्पतालों, छह सरकारी मेडिकल कॉलेजों, सिविल अस्पताल माना और एम्स में ये सेंटर स्थापित हैं। कोरोना वायरस का संक्रमण रोकने प्रदेश भर में 74 क्वारेंटाइन सेंटर्स बनाए गए हैं, जहां एक हजार 249 लोगों को रखने की व्यवस्था है। वर्तमान में इन सेंटर्स पर 167 लोगों को रखा गया है। स्वास्थ्य विभाग और पुलिस की टीम द्वारा होम-क्वारेंटाइन के साथ ही इन क्वारेंटाइन सेंटर्स में रह रहे लोगों पर नजर रखी जा रही है।

कोरोना इफेक्ट एम्स में टेलीमेडिसिन ओपीडी का शुभारंभ, कई रोगियों ने लॉकडाउन के बीच लिया चिकित्सा परामर्श

अब ऑन लाइन पढ़ेंगे एम्स के मेडिकल छात्र

■ **गंभीर मरीजों को इमरजेंसी में संपर्क करने की सलाह दी गई**

■ **मेडिकल छात्रों को ई-लर्निंग, ऑन लाइन लेक्चर दे रहे शिक्षक**

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में गुरुवार से दस विभागों की टेलीमेडिसिन सेवाएं प्रारंभ हो गई। इस दौरान इन विभागों के नंबरों पर लगातार कॉल आते रहे जिनके माध्यम से रोगी और उनके परिजन उपचार के बारे में जानकारी ले रहे थे। दो घंटे की दो पालियों में चिकित्सकों ने दस विभागों से संबंधित 92 कॉल का जवाब दिया। इसके साथ ही लॉकडाउन के बीच अध्यापन की चुनौती का हल ढूंढते हुए एम्स के चिकित्सा शिक्षकों ने अब ई-लर्निंग के माध्यम से छात्रों के साथ सीधा संवाद शुरू कर दिया है जिसमें स्काइप और जूम के माध्यम से शिक्षक छात्रों की क्लास ले रहे हैं।

टेलीमेडिसिन सेवाओं का प्रातः प्रथम पाली में निदेशक प्रो. (डॉ.) नितिन एम. नागरकर ने उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने चिकित्सकों को इस पहल के लिए बधाई दी। उनका कहना था कि इस सेवा के माध्यम से लॉकडाउन के दौरान हजारों मरीजों को राहत दी जा सकेगी। इस अवसर पर डीन प्रो. एस.पी. धनेरिया, उप-निदेशक (प्रशासन) नीरेश शर्मा और डॉ. एकता खंडेलवाल भी उपस्थित थी। पहली पाली में प्रातः 9.30 से 11.30 बजे तक दंत, ईएनटी, जनरल मेडिसिन, जनरल सर्जरी और गाइनी एंड ऑब्स्टेट्रिक्स के चिकित्सक उपलब्ध रहे जबकि दूसरी पाली में प्रातः 11.30 बजे से दोपहर 1.30 बजे तक बाल रोग, नेत्र रोग, हड्डी रोग और त्वचा रोग के चिकित्सक उपलब्ध रहे। लॉकडाउन की वजह से मानसिक परेशानियों के चलते राय देने के लिए मनोचिकित्सा के लिए विशेषज्ञ प्रातः नौ बजे से शाम पांच बजे तक परामर्श दिया। इस दौरान रोगियों ने मोबाइल के माध्यम से इनसे राय ली। कई रोगियों ने अपनी परामर्श बुकलेट को व्हाट्सअप के माध्यम से चिकित्सकों को भेजकर उन्हें वर्तमान स्थिति से अवगत कराते हुए अगले कुछ दिनों के लिए दवाएं देने का अनुरोध किया।

कई गंभीर रोगियों की स्थिति को देखते हुए उन्हें तुरंत ट्रामा एंड इमरजेंसी में संपर्क करने के लिए भी सलाह दी गई। दूसरी ओर लॉकडाउन के बीच एमबीबीएस छात्रों को अध्यापन में सहायता देने के उद्देश्य से एम्स मेडिकल कॉलेज की ओर से ई-क्लासेज की व्यवस्था की गई है। इसमें शिक्षक ब्रॉडबैंड के माध्यम से छात्रों के साथ जुड़कर उन्हें ऑनलाइन लेक्चर दे रहे हैं। ई-लर्निंग का शुभारंभ प्रो. नागरकर ने गुरुवार को किया। नई अध्यापन व्यवस्था लॉकडाउन तक जारी रहेगी। इस दौरान सभी शिक्षक अपने लेक्चर स्काइप या जूम के माध्यम से लेंगे। इस अवसर पर ईएनटी की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. रूपा मेहता ने लेक्चर लिया। प्रो. धनेरिया का कहना है कि इसके माध्यम से छात्रों को निरंतर अध्ययन में शिक्षकों का मार्गदर्शन मिलता रहेगा।

विद्युत कर्मी देंगे मुख्यमंत्री राहत कोष में तीन करोड़ की सहायता राशि

रायपुर (नव प्रदेश)। नोबेल कोरोना वायरस के संक्रमण की रोकथाम एवं आपदाग्रस्त लोगों की सहायतार्थ छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज के अधिकारियों कर्मचारियों द्वारा मुख्यमंत्री राहत कोष में एक दिन के मूल वेतन के बराबर की राशि का आर्थिक सहयोग प्रदान करने का निर्णय लिया गया है। उक्त जानकारी पावर कंपनी के अतिरिक्त महाप्रबंधक जनसंपर्क विजय मिश्रा ने दी।

उन्होंने बताया कि पावर होल्डिंग कंपनी के कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) एचके पांडेय की ओर से जारी परिपत्र में बताया गया है कि पावर कंपनीज के सभी अधिकारियों-कर्मचारियों के माह अप्रैल 2020 के वेतन से एक दिन के मूल वेतन के बराबर की राशि की कटौती की जाएगी। सभी पावर कंपनीज यथा पावर जेनरेशन, ट्रांसमिशन, डिस्ट्रीब्यूशन, ट्रेडिंग एवं होल्डिंग कंपनी के अधिकारियों-कर्मचारियों के वेतन कटौती से प्राप्त सहयोग राशि को होल्डिंग कंपनी द्वारा एकजाई करके मुख्यमंत्री राहत कोष में जमा किया जाएगा।

एजीएम मिश्रा ने बताया की पावर कंपनी जीके लगभग साढे 16 हजार अधिकारियों कर्मचारियों की ओर से मुख्यमंत्री राहत कोष को दी जाने वाली राशि तीन करोड़ के करीब होगी। पावर कंपनी के अधिकारियों कर्मचारियों की ओर से दी जाने वाली सहायता राशि को आयकर अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार आयकर में छूट संबंधी कार्यवाही आगामी वित्तीय वर्ष की आयकर की गणना के समय की जावेगी । आगे उन्होंने बताया कि जनहित में विद्युत कर्मी विद्युत आपूर्ति को सतत बनाए रखने के लिए सेवारत हैं।

कंपनी के डॉक्टरों विद्युत कर्मियों को बचाने में जुटे

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज के करीब 17000 अधिकारियों कर्मचारियों और सेवानिवृत्त कर्मियों के साथ ही सभी विद्युत कर्मियों के परिवारजनों को कोविड-19 से बचाने के लिए पावर कंपनी के डॉक्टरों ने अपना पावर दिखाया है। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस ने शारीरिक और मानसिक दोनों तरह के जख्म दिए हैं। इस बीमारी की वजह से संशय में डूबा हर व्यक्ति एक-एक पल गिन गिन कर काट रहा है। वही प्रदेशभर के डॉक्टर्स और पैरामेडिकल स्टाफनिडर निस्वार्थ जन मन की सेवा में जुटा है। पावर कंपनी के डगनिया, गुढ़ियारी रायपुर, बिलासपुर, भिलाई 3, कोरबा पूर्व, कोरबा पश्चिम, मड़वा एवं जगदलपुर में संचालित पावर कंपनी के चिकित्सालयों एवं औषधालयों में मरीजों हेतु बाह्य रोगी सेवाएं (ओपीडी) को प्रातः 9:00 से दोपहर 1:00 बजे तक संचालित किए जा रहे हैं। चिकित्सालयों में भीड़ कम करने के लिए चिकित्सकों ने सलाह दी है कि आवश्यकता अनुसार टेलीफोन पर भी विद्युत कर्मी चिकित्सा परामर्श ले सकते हैं।

संपादकीय

नर पिशाचों पर कड़ी कार्रवाई हो

सारी दुनिया को दहलाने वाले जान लेना कोरोना वायरस के संक्रमण से भारत काफी हद तक बचा हुआ था। लेकिन जमायतियों ने पूरे देश में कोरोना वायरस के संक्रमण को फैला कर भारत के लिए नई मुसिबत खड़ी कर दी है। ये मानवता के दुश्मन दरअसल नर पिशाच है और ऐसे लोगों के खिलाफ सरकार को कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने से नहीं हिचकना चाहिए। देश की राजधानी नई दिल्ली के निजामुद्दीन में पिछले एक जनवरी से लगातार विदेशों से बड़ी संख्या में कथित धर्म प्रचारकों का जमावड़ा लगा रहा और इनमें से अनेक कोरोना संक्रमित पाए गए है। सरकारी आदेश की धज्जियां उड़ाकर वहां हजारों की संख्या में ये लोग जमा थे और अब ये देश के कोने-कोने में फैल गए है। इन संक्रमित लोगों में से कई लोगों की मौत भी हो गई है। इसके बावजूद ये खुद सामने आकर अपने आप को चिकित्सीय परिक्षण के लिए पेश नहीं कर रहे हैं। केन्द्रीय गृहमंत्रालय की एक रिपोर्ट के मुताबिक हालहिं में वहां लगभग चार हाजर लोग जमा थे। जिसमें दो हजार से अधिक विदेशी नागरिक थे। और अब ये सभी गधे के सिर से सिंघ की तरह गायब हो गए है। ऐसे लोगों की पहचान करने और उन्हें अस्पताल पहुंचाने में चिकित्साकर्मियों और पुलिस कर्मियों को भारी मसक्कत करनी पड़ रही है। इन नर पिशाचों के इरादे कितने खतरनाक है। इसका अंदजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि जब इन्हें निजामुद्दीन में पकड़ कर बसों से अस्पताल ले जाया जा रहा था तो ये पुलिस वालों पर थूक रहे थे और अपने चेहरे से मास्क हटाकर सड़कों पर भी थूक रहे थे। इंदौर में तो इन संक्रमित लोगों ने पुलिस बल पर पत्थरबाजी भी की। जो डॉ. अपनी जान पर खेलकर इनका उपचार कर रहे है उन पर भी ये लोग थूक रहे हैं और डॉक्टरों के निर्देशों का पालन करने के लिए तैयार नहीं है। इन्हें जहां एकांतवास पर रखा गया है। वहां भी ये सारे नियम कायदों की धज्जियां उड़ा रहे हैं। समझ में नहीं आता कि ये लोग आखिर चाहते क्या है। इनकी इस घिनौनी हरकतों को देखकर यह संदेह हो रहा है कि कही भारत में कोरोना का संक्रमण फैलाने की आईएसआईएस जैसे आतंकी संगठन ने कोई साजिश तो नहीं रची है। इस दृष्टि से भी इस सारे प्रकरण की उच्च स्तरीय जांच निहायत जरूरी है। अभी तक सैकड़ों की संख्या में जमायती देश के विभिन्न हिस्सों में छिपे हुए है और न जाने कितने लोगों को कोरोना वायरस से संक्रमित कर रहे हैं। सरकार को चाहिए कि जो लोग इनकी पकड़ में आए है उनसे कड़ाई पूर्वक पूछताछ करें और देश के विभिन्न हिस्सों में फैले ऐसे लोगों को गिरफ्तार करे और इन नर पिशाचों के खिलाफ देशद्रोह का मुकदमा दर्ज करे। अन्यथा इन नर पिशाचों के कारण देश में कोरोना वायरस के संक्रमण का खतरा और बढ़ जाएगा और ऐसी स्थिति में सरकार के लिए कोरोना के कहर से लोगों को बचाना असंभव की हद तक कठिन हो जाएगा। जब से इन जमातियों के देश भर में फैलने की खबर सामने आई है। तब से देश में कोरोना संक्रमित लोगों की संख्या में भारी वृद्धि हो रही है और यह आगे और बढ़ सकती है। इसके पहले की स्थिति और बिगड़े इन नर पिशाचों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होना आवश्यक है।

अज्ञानता से गहराता कोरोना संकट

डॉ रामेश्वर मिश्र

> इस जमात से निकले लोगों ने देश के 19 राज्यों में शिरकत की है जहाँ इन्हे चिन्हित करके इनका स्वास्थ्य परीक्षण करना एवं इनके द्वारा सम्पर्क में आये लोगों की पहचान करना एक दुरूह कार्य होगा। देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में तो इस जमात से निकलकर अनेक जमाती तकरीबन हर जिलों में प्रवेश कर गए, ऐसे में यदि इनको चिन्हित कर भी लिया जाय तो भी इनके सम्पर्क में आये लोगों को त्वरित चिन्हित करना एवं उस समाज को पूर्णतः आइसोलेट करना एक गंभीर विषय को दर्शाता है। ऐसे तथ्यों के अंतर्निरीक्षण से यह स्पष्ट होता है कि ऐसे मूढ़ अज्ञानी लोगों ने ही कोरोना के प्रसार को भारत में अधिक बढ़ा दिया है। ऐसे लोगों को समय रहते चिन्हित करना चाहिए था और इस तरह के आयोजनों पर पूर्णतः प्रतिबन्ध लगाना चाहिए था, सरकार को ऐसे आयोजकों और सहभागियों को चिन्हित करके उनके विरुद्ध कड़ी से कड़ी कार्यवाही करनी चाहिए जिससे ऐसे लोग जो न तो अपनी, न अपने समाज की और न ही अपने देश की सुरक्षा के प्रति गंभीर हैं, उनको सबक मिल सके और इस गंभीर कोरोना संकट को गहराने से रोका जा सके।

वर्तमान समय में पूरा विश्व एक भयंकर महामारी से लड़ रहा है। इस गंभीर समस्या को नियंत्रित करने में हर बड़े देश असफल रहे, यह हमारे देश का सौभाग्य है कि कोरोना से उपजी महामारी को भारत पहुँचने में लगभग तीन माह लगे, ऐसे में हमारे सामने पहले से जूझ रहे चीन, इटली, फ्रांस, इराक और अमेरिका सरीखे देशों से बहुत कुछ सीखने और सबक लेने का अवसर था जिसका सरकार द्वारा गंभीरता से पालन भी किया गया लेकिन कोरोना को पूर्णतया नियंत्रित करने के हमारे प्रयासों में कुछ कमी रह गयी जिससे यह बीमारी धीरे-धीरे भारत के हर राज्यों में अपना पैर पसारने में सफल रही।

सरकार ने कुछ देरी से ही सही लेकिन अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए जिससे यह गंभीर समस्या नियंत्रित हो सकती थी परन्तु अज्ञानता की समस्या हमारे लिए गंभीर चुनौती का विषय बन गयी। लॉकडाउन कोरोना को नियंत्रित करने का एक सार्थक निर्णय था जिसे सम्पूर्ण देश में 25 मार्च से लागू कर दिया गया और इस गंभीर समस्या से निपटने के लिए माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा 10 दिन के भीतर तीन बार अपनी बात कहने के लिए जनता से मुखातिब होना पड़ा। प्रधानमंत्री जी के बार-बार अपील करने और मीडिया साथियों के जागरूकता अभियानों के बाद भी लॉकडाउन की सफलता लगभग 75 फीसदी तक ही रह गयी जिसके बाद सरकार द्वारा 29 मार्च से लॉकडाउन तोड़ने वाले लोगों से सख्ती से निपटने का निर्णय लिया गया जो कि वर्तमान समय का एक मात्र रास्ता रह गया था और प्रशासन द्वारा इसका कड़ाई से पालन भी किया जाने लगा।

इन गतिविधियों के बीच बीते 31 मार्च को दिल्ली के निजामुद्दीन क्षेत्र में मरकत जमात का जिक्र चर्चा का विषय बन गया और वहाँ की एकत्रित भीड़ द्वारा की गयी गतिविधियों ने अनायास ही सबका ध्यान अपनी ओर आकृष्ट कर लिया। हमारे मंत्री, प्रशासनिक अधिकारी लगातार लॉकडाउन की सफलता का दम भरते रहे और एक छोटे से स्थान में 2300 से अधिक लोगों का जमावड़ा लॉकडाउन की प्रासंगिकता को ही हास्यपद बना दिया। ऐसे क्षेत्र का पर्दाफाश होने पर सरकार हरकत में आयी उसके बाद तो कई ऐसे स्थान जिसमे उत्तरी दिल्ली स्थित गुरुद्वारा मजनू का टीला, रांची स्थित बड़ी मस्जिद, अजमेर की दरगाह का खुलासा हुआ जहाँ कई विदेशी नागरिकों के साथ एक बड़ी भीड़ एकत्रित हुई थी।

यहाँ सरकार की लापरवाही उतना गंभीर विषय नही है जितना लोगों में व्याप्त अज्ञानता है। इन एकत्रित लोगों को यह नही मालूम है कि ये किससे छिप रहें है, किसको धोखा दे रहे हैं और किसका हित कर रहे हैं। इन लोगों द्वारा सरकार के लगातार निवेदनों और मीडिया द्वारा प्रसारित जानकारियों को नजर अंदाज किया जाता रहा जिसके लिए इनकी अज्ञानता जिम्मेदार है। इन लोगों को देखकर मुंशी प्रेम चंद्र जी का कथन सत्य ही प्रतीत होता है कि सोते हुए व्यक्ति को तो जगाया जा सकता है परन्तु जागते हुए को नही। ये ऐसे लोग हैं जिनका न कोई धर्म है, न इनका कोई परिवार है, न इनका कोई समाज है और न ही कोई देश। ये ऐसी भीड़ का स्वरुप मात्र हैं जिनकी मानवीय नैतिकता पूर्णतः खत्म हो चुकी है क्योंकि इनके पास ज्ञान का सर्वथा आभाव है, ऐसे में जमात के प्रमुख मौलाना साद का गैर जिम्मेदाराना वकतव्य जिसमे उन्होंने कहा कि मस्जिद में आने से कोई मरता है क्या ? यदि हाँ तो यह इसके लिए श्रेष्ठतम स्थान होगी। इतनी बड़ी संस्था का संचालन कर रहे मौलाना में ज्ञान का सर्वथा अभाव देखा गया नही तो उनको ज्ञात होना चाहिए था कि मस्जिद, मन्दिर, गुरूद्वारे आदि पवित्र स्थानों में आने से नही वरन कोरोना वायरस के संक्रमण से मौत का खतरा है और ऐसे स्थानों पर भीड़ अधिक होने पर अधिक लोगों के संक्रमित होने का खतरा भी अधिक होता है। तब्लीगी जमात मरकज का विश्व के कई देशों में सम्पर्क है ऐसे में मौलाना साद ने उन देशों से भी सबक नही लिया जहाँ कोरोना वायरस के खतरे को देखते हुए विश्व के कई इस्लामिक देशों ने मस्जिदों में लोगों के एकत्रित होने पर पाबन्दी लगा दी। यह उन लोगों द्वारा अपने लोगों की सुरक्षा को सुनिश्चित करने की एक सार्थक पहल थी। वर्तमान स्थिति को देखते हुए यह सुनिश्चित हो गया कि भारत में कोरोना वायरस से ज्यादा खतरा अज्ञानता रुपी वायरस से है। अज्ञानता कुछ नही है सिर्फ ज्ञान से मुख मोड़ लेना है। शैक्षणिक डिग्रियों से अज्ञानी होने का यहाँ कोई सरोकार नही है। किसी विशेष कार्यों के निमित्त अपने को लोगों की बातों से, आने वाले विचारों से, शासन-प्रशासन के निर्देशों एवं नियमों से, तत्कालीन प्रमुख प्रसंगों से खुद को अलग कर लेना मात्र ही अज्ञानता है जिसके बीते कुछ दिनों में अनेकों महत्वपूर्ण उदाहरण अलग-अलग राज्यों में देखने को मिल रहे हैं।

ऐसे ही लोगों के लिए अज्ञानी, मूढ़ शब्द ठीक और सटीक बैठता है। इस जमात से निकले लोगों ने देश के 19 राज्यों में शिरकत की है जहाँ इन्हे चिन्हित करके इनका स्वास्थ्य परीक्षण करना एवं इनके द्वारा सम्पर्क में आये लोगों की पहचान करना एक दुरूह कार्य होगा। देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में तो इस जमात से निकलकर अनेक जमाती तकरीबन हर जिलों में प्रवेश कर गए, ऐसे में यदि इनको चिन्हित कर भी लिया जाय तो भी इनके सम्पर्क में आये लोगों को त्वरित चिन्हित करना एवं उस समाज को पूर्णतः आइसोलेट करना एक गंभीर विषय को दर्शाता है। ऐसे तथ्यों के अंतर्निरीक्षण से यह स्पष्ट होता है कि ऐसे मूढ़ अज्ञानी लोगों ने ही कोरोना के प्रसार को भारत में अधिक बढ़ा दिया है। ऐसे लोगों को समय रहते चिन्हित करना चाहिए था और इस तरह के आयोजनों पर पूर्णतः प्रतिबन्ध लगाना चाहिए था, सरकार को ऐसे आयोजकों और सहभागियों को चिन्हित करके उनके विरुद्ध कड़ी से कड़ी कार्यवाही करनी चाहिए जिससे ऐसे लोग जो न तो अपनी, न अपने समाज की और न ही अपने देश की सुरक्षा के प्रति गंभीर हैं, उनको सबक मिल सके और इस गंभीर कोरोना संकट को गहराने से रोका जा सके।

विचार

कोरोनाः मुसलमानों से दुश्मनी

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

हमें संतोष था कि भारत में कोरोना ने इतना वीभत्स रुप धारण नहीं किया था, जितना उसने चीन, इटली, स्पेन और अमेरिका जैसे देशों में कर लिया है लेकिन निजामुद्दीन के मरकज़े-तबलीग ने भारत में भी खतरे की घंटियां बजवा दी हैं। 13 मार्च से अब तक चल रहे इस इस्लामी अधिवेशन में देश के कोने-कोने से और 16 देशों से लोग आए हुए थे। इनकी संख्या तीन हजार से ज्यादा थी। इनमें से सैकड़ों लोग कोरोना से पीड़ित हैं और लगभग दर्जन भर लोगों का इंतकाल हो चुका है। दिल्ली सरकार और केंद्र सरकार के सारे प्रतिबंधों की अवहेलना इस मरकजे-तबलीग ने की है। ऐसा करके इस मरकज़ ने कानून का उल्लंघन तो किया ही, कोरोना को लाखों लोगों तक पहुंचाने का आपराधिक दरवाजा भी खोल दिया। इस मरकज़ ने किसके साथ दुश्मनी निभाई ? सबसे ज्यादा अपने ही मुसलमान भाइयों के साथ ! मरनेवाले सब लोग कौन हैं ? सब पीड़ित लोग कौन हैं ? ज्यादातर मुसलमान हैं। यह कोरोना अब किन लोगों के बीच सबसे ज्यादा फैलेगा ? उनके बीच जिनसे इन तबलीगी लोगों का संपर्क होगा। उनके परिजनों, रिश्तेदारों, दोस्तों में यह सबसे ज्यादा फैलेगा। ऐसा नहीं है कि इस खबर को अंदाज इस संगठन के मुखिया को नहीं था। उन्हें था। उन्होंने याने मौलाना मुहम्मद साद ने अपनी तकरीरों में कहा है कि मुसलमानों तुम मस्जिदों में जाना बंद मत करो। अगर वहां मर भी गए तो इससे उम्दा मौत तुम्हें कहां मिलेगी। उन्होंने यह भी कहा कि यह कोरोना मुसलमानों को डराने और मस्जिदों को बंद करवाने के लिए ही फैलाया जा रहा है। वे भूल गए कि भारत के सारे मंदिरों, गुरुद्वारों, गिरजों और मस्जिदें पर लोगों ने अपने आप तालाबंदी कर रखी है। मौलाना साद की इस आपराधिक गैर-जिम्मेदारी के अनदेखी करनेवाली दिल्ली पुलिस भी दंड की पात्र है। अपने-अपने गांवों की तरफ कूच करनेवाले भूखे-प्यासे मजदूरों की बेरहमी से पिटाई करनेवाली यह दिल्ली पुलिस कितनी बेशर्मी से इस जमावड़े को बर्दाश्त करती रही। मजहब के नाम पर इंसानों की बलि चढ़वाने से मजहब तो बदनाम होता ही है, लोगों की ईश्वर-अल्लाह में से आस्था भी डगमगाने लगती है।

महामारी से लडने के नाम पर पुलिस स्टेट में तब्दील होता देश!

अनिल जैन

> उत्तर प्रदेश की तरह ही कर्नाटक में भी पहले नागरिकता संशोधन विरोधी कानून को दबाने और अब कोरोना से लोगों की जान बचाने के नाम पर लॉकडाउन लागू होने के पहले से पुलिस लोगों की बेरहमी से पिटाई कर रही है। आवश्यक कार्य से बाहर निकले लोगों से बगैर कोई पूछताछ करे ही लाठियां बरसाई जा रही है। यही हाल गुजरात का है। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार ने भी कहा है कि पुलिस को पूरी छूट है कि वह हर कीमत पर लोगों को काबू में करे। इसी से मिलती-जुलती बात तमिलनाडु के स्वास्थ्य मंत्री सी. विजय भास्कर ने कही है। देश के बाकी राज्यों में पुलिस राज की कहानी भी लगभग ऐसी ही है। एक आपदा से निबटने के नाम पर पुलिस की ज्यादतियों को यह मंजर भी किसी आपदा से कम नहीं है। यह पूरा सूरत-ए-हाल हमारी सरकारों, खासकर केंद्र सरकार के नाकारापन और दिमागी दिवालिएपन का परिचायक है, जिसे छुपाने के लिए लॉकडाउन के बहाने देश को पुलिस स्टेट बनाया जा रहा है।

अगर कोई लोकतांत्रिक देश अचानक पुलिस स्टेट में बदल जाए तो क्या-क्या होता है, यह इन दिनों भारत में देखा जा सकता है। भारत में कोरोना वायरस की वैश्विक महामारी से बचाव के लिए लॉकडाउन यानी देशबंदी लागू है। सडकों पर या तो सिर्फ पुलिस दिख रही है या फिर पुलिस के हाथों बेदर्दी से पिट रहे गरीब लोग। पिटने वाले लोगों में महानगरों और बडे शहरों से अपने घर-गांव की ओर पलायन कर रहे मजदूर और उनके परिजन भी हैं और अपने परिवार की जरूरत का सामान खरीदने के लिए घरों से निकलने वाले लोग भी। यह सब तब हो रहा है जब न तो देश में किसी तरह का भी आपातकाल लागू नहीं है- न तो आंतरिक या बाहरी और न ही आर्थिक या मेडिकल। फिर भी देश के पुलिस स्टेट बनने जैसे नजारे देखने को मिल रहे हैं।

24 मार्च की रात को आठ बजे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किए गए लॉकडाउन के ऐलान के अगले दिन से ही दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र आदि तमाम राज्यों से जिस तरह के वीडियो आ रहे हैं, वे दिल दहलाने, रोंगटे खडे करने और आंखें नम कर देने वाले हैं। इन वीडियो में बताया जा रहा है कि महानगरों और बडे शहरों में काम करने वाले प्रवासी मजदूर किस तरह बदहवास होकर अपने परिवार के साथ सुदूर प्रदेशों में अपने घर-गांव लौट रहे हैं। चूंकि लॉकडाउन के चलते नागरिक परिवहन सेवाएं पूरी तरह बंद हैं, लिहाजा वे लोग पैदल ही भूखे-प्यासे चले जा रहे हैं। बच्चे थकान के कारण रो रहे हैं, उनके पैर सूज गए हैं लेकिन मां-बाप उन्हें लगभग घसीटते हुए चले जा रहे हैं।

इन्हीं वीडियो में कई वीडियो ऐसे भी जिनमें शहरों से पलायन करते इन मजदूरों पर पुलिस बेरहमी से लाठियां बरसा रही हैं। इस मामले में पुलिस बच्चों, महिलाओं, बुजुर्गों, अपाहिजों आदि किसी का लिहाज नहीं कर रही है। सरकार ने लॉकडाउन के दौरान दवाई, फल, दूध, राशन आदि आवश्यक जीवनोपयगी वस्तुओं की दुकानों को खुली रखने की छूट दी है, लेकिन दिल्ली में ही कई इलाकों में ये दुकानों भी पुलिस की मर्जी से ही खुल पा रही हैं। कहने की जरूरत नहीं कि इन दुकानदारों से दुकानें खुली रखने का अघोषित 'अनुमति शुल्क' ठीक उसी तरह वसूला जा रहा है, जैसे अवैध शराब के कारोबारियों और अन्य गैरकानूनी काम करने वालों से पुलिस वसूली करती है।

इस बात पर कोई बहस नहीं हो सकती कि कोरोना वायरस के संक्रमण फैलने से रोकने के लिए लोगों का घरों में रहना जरूरी है। लोगों के आपस में मेल मुलाकात बंद करने को इससे बचाव का बडा तरीका माना जा रहा है, जिसे दुनिया के दूसरे देश पहले से ही अपना रहे हैं। लोग खुद भी डरे हुए हैं। वे कई गुना ज्यादा कीमत पर मास्क और सैनिटाइजर खरीद कर उसका उपयोग कर रहे हैं। अपना काम-धंधा बंद कर खुद को घरों में बंद किए हुए हैं। लाखों लोगों की नौकरियां खतरे में हैं। जरूरी सामान की किल्लत और अपने तथा परिवार के किसी सदस्य के बीमार हो जाने की आशंका अलग से परेशानी का सबब बनी हुई है। ऊपर से पुलिस की लाठी और गालियां हैं।

पुलिस ने जिस तरह से लॉकडाउन को मुकम्मल लागू कराने का जिम्मा अपने हाथ में लिया है, उससे लोग शारीरिक और मानसिक रूप से तो प्रताडित हो ही रहे हैं, आर्थिक नुकसान भी बडे पैमाने पर हो रहा है। पुलिस ने अपनी मनमानी करते हुए जगह-जगह पर जरूरी सामान से भरी गाडियों को रोक दिया है। पुलिस दुकानदारों को तो परेशान कर रही रही है, रेहडी-पटरी पर फल और सब्जी बेचने वाले तथा घर-घर जाकर दूध-सब्जी आदि की आपूर्ति करने वाले भी उसकी ज्यादती के शिकार हो रहे हैं। मारपीट करके उनका सामान नष्ट किया जा रहा है। लॉकडाउन शुरू होने से अब तक कई जगह से हजारों लीटर दूध और हजारों किलो सब्जियां बर्बाद होने की खबरें आई हैं।

कुल मिलाकर लोग कोरोना वायरस और पुलिस, दोनों से समान रूप से खौफजदा हैं। लॉकडाउन में पुलिस की ज्यादतियों के बीच ही तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने सीधी चेतावनी दी है कि अगर किसी ने लॉकडाउन का उल्लंघन किया तो पुलिस को उसे देखते ही गोली मारने के आदेश भी दिए जा सकते हैं। सोचिए कि यह मुख्यमंत्री किस मानसिकता का है। चंद्रशेखर राव संघ परिवार या किसी कांग्रेसी नेता के परिवार से निकले मुख्यमंत्री नहीं हैं। वे एक लंबे जनांदोलन और लोकतांत्रिक संघर्ष से निकले राजनेता हैं, लेकिन उनके लिए लोकतंत्र और नागरिकों के बुनियादी अधिकारों के लिए कोई मायने नहीं हैं। वे लॉकडाउन की स्थिति में लोगों की बुनियादी जरुरतों को पूरा करने के बजाय पुलिस की गोली से उनकी जान लेने के इरादे का इजहार कर रहे हैं।

उत्तर प्रदेश के बरेली जिला मुख्यालय में तो अपने घरों को लौटते मजदूरों और उनके बच्चों पर पुलिस और प्रशासन के कारिंदों ने कीटनाशक का छिडकाव किया। कीटनाशक आंखों में जाने से कई मजदूर, बच्चे और महिलाएं मारे जलन के बुरी-तरह बिलबिला उठे। जाहिर है कि मुंह, आंख, कान के साथ ही नाक के जरिए कीटनाशक उनके शरीर के अंदर तक गया है। सवाल है कि जैसा सुलूक पुलिस और प्रशासन के कारिंदों ने इन मजदूरों के साथ किया, वैसा ही सुलूक क्या वे उन लोगों के साथ करने की हिमाकत कर सकते हैं, जो हवाई जहाजों में बैठकर कोरोना संक्रमण को विदेशों से अपने साथ भारत में लाए हैं? **(संवाद)**

पाठकों की बात | पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

आज यादों ने करवटें ली हैं आँखे नम

आज यादों ने करवटें ली हैं आँखे नम हैं दिल में दर्द बेहिसाब हैं क्या... बताऊँ निर्मोही तेरे साथ बिताए हूऐ पल आज भी परछाई की तरह मेरे सामने से गुज़र जाते है कमबखूत अल्फ़ाज मेरे और ख्याल तुम्हारे। **बेबी सिंह**

जीतेगा देश वर्तमान समस्याओं से

जीतेगा देश वर्तमान समस्याओं से हारेगा कोरोना हमारी सुरक्षाओं से दूर रहें, आप घातक अफ्वाहों से विचलित न हो कर्तव्य की राहों से हमसे है ये देश और देश से हैं हम भटके न देशप्रेम की भावनाओं से।
परमेश्वर वैष्णव

ख़ास पाती | नैना है बैचेन राम में कैसे लागें

नैना है बैचेन राम में कैसे लागें। समय मिला है किन्तु दुखी है खुद वह मन से कैसे पकड़ूँ हाथ संक्रिमित है वह तन से हाथ हुए बेहाल काम में कैसे लागें।। भरे उबासी दिवस टहलता रहता खाली अधनीदी -सी रात भटकती डाली-डाली मौन हुआ वाचाल धाम में कैसे लागें ।। जीवन करता खेल जीव बेबस हो झाँके गली-मुहल्ला सभी थिगड़ियाँ तन पर टाँके साँसें भरती आस ,राम में कैसे लागें।। **कल्पना मनोरमा**

जो लोग ये पूछते कहते हैं कि

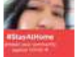

जो लोग ये पूछते /कहते हैं कि भगवान होते हैं या नहीं.... तो.... जैसे वायरस दिखता नहीं होता है और आपके शरीर में आकर जीवित हो उठता है... वैसे ही भगवान भी होते हैं.. दिखाई नहीं देते। भगवान से मिलने के लिए साफदिल और पूरा समर्पण चाहिए तब वो खुद ही आकर हमारे दिल मे बस जाते हैं.... !!!!!
डॉ. अर्चना खण्डेलवाल

जो तुमने सिखाया था वही गा रहे

जो तुमने सिखाया था वही गा रहे हैं हम यानी तुम्हारा तुमको ही लौटा रहे हैं हम क्यूँ रोज रोज हमको डराते हो मौत से दर अस्ल पहले दिन से ही घबरा रहे हैं हम हक़ और हूकूक क्या है अजी छोडिये जनाब ये सारे लफ्ज़ बोल के पछता रहे हैं हम मुर्दा दिलों के बीच में जीना है इस लिये अपना ही खून पी के जीये जा रहे हैं हम बीमार लोग ज़हन से हैं या कि बदन से। क्या खुद से ये सवाल पूछ पा रहे हैं हम जिस दौर में सच बोलने वाला कोई नहीं उस दौर में सच बोल के बतला रहे हैं हम। **राजीव कुमार**

सुना है मुफलिसी में लोग कहते

सुना है मुफलिसी में लोग कहते हैं कहाँ आसान है बे ईमान हो जाना तड़प कर भी किसी को और तड़पाये बड़ा मुमकिन लगे शैतान हो जाना कभी झांको जरा झुक कर खुदी दिल मे लगे कुंदन नही आसान हो जाना। **मधुलिका शुक्ला**

एहसासों के परिंदे भरते उड़ान शहर

एहसासों के परिंदे भरते उड़ान शहर में अब हर कोई अनजान जा रहे सड़क पर देख रहे इंसान किस बात का अहम ,अभिमान नम्रता से बात करो रखो ध्यान शायद! हर कोई है पल भर मेहमान। **प्रवीण माटी**

जितने भी दरवाज़े, दरीचे, रौशनदान

जितने भी दरवाज़े, दरीचे, रौशनदान सब बंद कर दो अपने महल के, आस हवा के झोंके का मथेगा, उत्ताप विरह का डसेगा, उग आयेंगी हज़ारों अँधेरी सूराख दीवारों पर, अंदर से झांकेंगी सौ-सौ आँखें, कुछ ज़्यादा ही नीला आकाश, बिना नागा आयेगा, आँसूओं से लबालब भरेगा महल का कोना-कोना, मरो, मरो, मरो- बार-बार मरो जैसे मरते आये हो, इस बार डूब कर नहीं, तैर कर मरो। **शेष अमित**

तिश्नगी दिल की अब रुलाती है याद

तिश्नगी दिल की अब रुलाती है याद बेहद ही उसकी आती है वो तो मिलकर भी दूर है मुझसे ख़्वाब में मेरे मुस्कुराती है इश्क़ का एतराफ़कर लेती बात को वो तो बस घुमाती है उसके ख़त का किताब में मिलनाआँख फिर मेरी डबडबाती है वो जो मिलने कभी भी आ जाए खुद को मुझमें ही छोड़ जाती है। **मित्र ग़ाज़ियाबादी**

QUIZ TIME

1) चंडीगढ़ का वास्तुविद् ले कोर्बुजिया किस देश का राष्ट्रिक था? (पुर्तगाल / फ्रांस)

2) किस स्थान पर भारतीय विरासत की लघुचित्रकारी का विकास हुआ है?
(क) गुलेर (ख) मेवाड़
(ग) किशनगढ़ (घ) बूँदी

3) भारत में सबसे पहले निर्मित रंगीन चलचित्र फिल्म कौन-सा है?

4) युद्ध संबंधी नृत्य मेघालय का बंबू नृत्य है। (सही / गलत)

5) महिला का नाम बताए जिनकी गिनती दुनिया के जाने-माने वायरोलॉजिस्ट में थी।

Ramaquiz

उत्तरमाला-(1) फ्रांस (2) किशनगढ़ (3) आन (4) गलत, [illegible] (5) गीता रामजी

आज का इतिहास

नई दिल्ली (वार्ता)। भारतीय एवं विश्व इतिहास में 03 अप्रैल की प्रमुख घटनाएं इस प्रकार है.. 1680 - मराठा शासक शिवाजी का महाराष्ट्र के रायगढ़ किले में निधन। 1856 - यूनान के रोडोस द्वीप समूह में चर्च में हुए धमाके में चार हजार लोगों की मौत। 1903 - समाज सुधारक एवं स्वतंत्रता सेनानी कमलादेवी चट्टोपाध्याय का जन्म। 1914 - भारत के प्रथम फील्ड मार्शल एस एच एफ जे मानेकशॉ का अमृतसर में जन्म। 1933 - विश्व की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट के ऊपर से पहली बार विमान ने उड़ान भरी। 1949 - अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस और कनाडा ने उत्तरी अटलांटिक संधि पर हस्ताक्षर किए । 1984 - राकेश शर्मा अंतरिक्ष में जाने वाले प्रथम भारतीय अंतरिक्ष यात्री बने।

चेम्बर के अध्यक्ष-उपाध्यक्ष ने पुलिस जवानों को बांटा बिस्किट और पानी बोतल

■ **चार पहिया वाहन भी सौंपी पुलिस को सर्चिंग आवाजाही के लिए**

नवप्रदेश संवाददाता

गरियाबंद। बिते दो दिनो से चेम्बर ऑफकामर्स के जिलाध्यक्ष प्रकाश रोहरा और उपाध्यक्ष विनय दासवानी लाकडाउन के दौरान तिरंगा चैक सहित विभिन्न चैक चैराहो और मुख्य मार्गो में तैनात पुलिस के जवानो को निशुल्क बिस्किट और पानी बोतल विवरण कर सहयोग प्रदान कर रहे है। यह इसलिए कि ड्युटी में तैनात पुलिसकर्मी भी दिनभर भुखे प्यासे ना रहे। इस संबंध में जिलाध्यक्ष प्रकाश रोहरा व उपाध्यक्ष विनय दासवानी ने बताया कि कोरोना वायरस के संक्रमण को बढ़ने से रोकने के लिए लाकडाउन किया

गया है। इस दौरान स्वास्थ्य और पुलिस विभाग की भूमिका अंति महत्वपूर्ण हो गई है। दोनो हमारी सुरक्षा के लिए दिनरात सक्रिय है। इस दौरान विभिन्न चैक चैराओ और मुख्य मार्गो में लाकडाउन का पालन कराने, बाहरी लोगो की जांच करने तथा सुरक्षागत कारणो से पुलिस जवान घंटो खड़े रहते है। इस दौरान कई बार उन्हे भुखा प्यासा भी रहना पड़ता है। जिसे देखते हुए हमने तय किया है कि ऐसे सभी जवानो का जो हमारी सुरक्षा के लिए स्वंय इस चुनौतीपूर्ण स्थिति में अपनी सेवा दे रहे है उन सभी का जवानो का सम्मान करते हुए उन्हे बिस्किट और पानी बोतल का वितरण करें। इसके पीछे स्वास्थ्य विभाग द्वारा कोरोना वायरस से बचने के लिए जारी महत्वपूर्ण निर्देश जिसमें कहा गया है कि कोई भी व्यक्ति ज्यादा समय तक भुखा ना रहे और गला भी ना सुखे। इस कारण से भी हम जवानो के लिए ये समान वितरण कर रहे है। उन्होने कहा कि ऐसे संकट के समय में हमे मिलजुल कर परिस्थियो का सामना करने की जरूरत हैं ताकि महामारी से बचा जा सके। चेम्बर पदाधिकारियो की इस पहल का पुलिस के जवानो ने भी स्वागत किया और इस आत्मीय सहयोग को लेकर प्रशंसा भी जाहिर की है।

ज्ञात हो कि चेम्बर ऑफ कामर्स ने इसके पहले लाकडाउन के दौरान पुलिस सर्चिंग के लिए अपनी चार पहिया वाहन ईको क्रमांक सीजी 23 जे 8900 को भी सात दिन के लिए पुलिस विभाग को दिया गया है ताकि शांति और सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस प्रशासन को आवाजाही करने में सहुलियत मिले।

■ न्यूज गैलरी

पुराने समय के अनुसार ही होगा बैंक में काम काज

भाटापारा। बैंको में आज से पूर्व समय के अनुसार ही काम काज होगा,उक्ताशय का आदेश मिलने के बाद बैंक प्रबंधको ने अपना काम चालू कर दिया। बैंकों में आज से सामान्य रूप से पूरे समय काम-काज होने लगे हैं। जिले की सभी बैंक पूर्व की तरह सवेरे 10 से शाम 4 बजे तक खुलेंगे और ग्राहकों के सभी काम होंगे। उपभोक्ताओं और ग्राहकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पूरे समय बैंकों को खुला रखने का आदेश केंद्रीय वित्त मंत्रालय द्वारा दिया गया है। इससे पहले बैंकों को सवेरे 10 से दोपहर 2 बजे तक खोलने और ग्रामीण क्षेत्र की शाखाओं को एक दिन के अंतराल पर खोलने कहा गया था। उक्त आदेश को वापस ले लिया गया है। लेकिन बैंक परिसर में सोशल डिस्टेंसिंग के नियमों का कड़ाई से पालन किया जाता रहेगा।

जनपद अध्यक्ष ने बांटा मास्क

भाटापारा। जनपद पंचायत की नव निर्वाचित अध्यक्ष श्रीमती संगीता मनोहर साहू द्वारा भाटापारा

जनपद क्षेत्र के ग्राम पंचायतों में मास्क का वितरण किया गया,साथ ही साथ ग्राम के गणमान्य नागरिकों को कोरोना संक्रमण से सुरक्षित रहने के उपायों से अवगत भी कराया।लोगो को उन्होंने बताया कि ज्यादा से ज्यादा अपने आप को सामाजिक दूरियाँ बना कर रखना है ताकि इस संक्रमक से निजात मिल सके। उन्होंने कहा की कांग्रेस की राज्य सरकार हो या केंद्र सरकार हो पूर्ण तालाबंदी का निर्णय लिया गया है,जिसका हम सब को पालन करना चाहिए,इसी के साथ जनपद अध्यक्ष श्रीमती संगीता मनोहर साहू ने ग्रामीणों से आग्रह किया कि ज्यादा से ज्यादा समय अपने घरों में रहे अकारण घर से बाहर न निकले घर पर रहें सुरक्षित रहे,अपने स्वास्थ्य का अपने परिवार के स्वास्थ्य का और अपने पड़ोसियों के स्वास्थ्य का ध्यान रखना हमारा हमारी जिम्मेदारी नही बल्कि हमारा कर्तव्य है।

छाया पार्षद गोपाल शर्मा ने घर को बनाया रसोई शाला

भाटापारा । जैसा नाम,,और वैसा ही काम,,,नगर के छाया पार्षद गोपाल शर्मा अपने नाम के अनुरूप कोरोना वायरस के चलते अपने घरो में रह रहे गरीब तबके लोगो को दोनों समय का खाना अपने साथियो के घर घर पहुचा कर दे रहे है,, जिसके लिए उन्होंने घर को सार्वजनिक रूप से रसोई घर का दर्जा देते हुए अपने घर से रसोई बनवा कर जन सेवा में लगे हुए है। कोरोना वायरस की रोकथाम के लिए माध्यम और गरीब तबके लोगो को उनके जीवन यापन में कोई कठनाई ना आये इस उद्देश्य को लेकर छाया पार्षद गोपाल शर्मा ने अपने घर को सार्वजनिक रूप से रसोई घर बना दिया है जहाँ उनके घर से रसोई बन के उन लोगो के हाथो में पहुचाई जा रही है जो कोरोना वायरस के चलते अपने घरो में सुरक्षित रह रहे है और उनके खाने पीने की व्यवस्था का जिम्मे गोपाल शर्मा की टीम कर रही है। टीम के सदस्य दोनों टाइम का भोजन सम्बंधित लोगो को घरो तक पहुँचा रहे है।ऐसा करने से टीम के लोगो को मन में शांति मिलती है और उनका पूरा प्रयास रहता है की लाक डाउन के चलते काम काज से वंचित लोग कभी भूखे ना सोये और जिनको जितने भोजन की जरूरत होती है उतना भोजन का पैकेट उन घरो तक पहुँचा दिया है।

उज्जवला योजना अंतर्गत 03 माह तक नि:शुल्क मिलेगा सिलेंडर

कवर्धा। भारत सरकार ने उज्जवला योजना के उपभोक्ताओ के लिए अगले तीन महीनो के लिए मुत रिफ्लि की घोशणा की है, अर्थात् अप्रैल 2020 से जून 2020 तक। सभी आठ करोड प्रधान मंत्री उज्जवला योजनालाभार्थी 14.2 किलोग्राम के एलपीजी सिलेंडर मुत प्राप्त करने के हकदार होंगे। कवर्धा जिले मे उज्जवला के कुल ग्राहक 82679 है। उज्जवला लाभार्थियो के लिंक किए गए बैंक खाते मे अप्रैल 2020 की रिफ्लि लागत का पूर्ण मूल्य अग्रिम रूप से हस्तांतरित करने का निर्णय लिया गया है। एक उज्जवला ग्राहक प्रति माह एक सिलेंडर का हकदार होगा। लाभार्थी रिफ्लि प्राप्त होने के 15 दिनो के बाद ही अगर रिफ्लि बुक कर सकता है। हर उज्जवला ग्राहक का मोबाइल नंबर गैस एजेंसी के सिस्टम मे अपडेट होना जरूरी है। घर बैठे रिफ्लि की बुकिंग आई.वी.आर.एस या पंजीकृत मोबाइल नंबर के माध्यम से

की जानी चाहिए। इसके अतिरिक्त उज्जवला ग्राहक अपनी बुकिंग ऑनलाईन से भी कर सकता है। अतः बुकिंग के लिए एजेंसी पर नही जाने की अपील की जाती है।

सभी वितरको के पास पर्याप्त स्टॉक मौजूद है अतः गैस सप्लाई की कोई भी किल्लत नही है। सभी ग्राहको से अनुरोध है कि डिजिटल पेमेंट करे। एलपीजी इमरजेंसी नंबर 1906 पूरी तरह से चालू है।

इंडियन ऑयल के चैनल पार्टनर के कर्मचारी जैसे एलपीजी शोरूम कर्मचारी, गोडउनकीपर, एलपीजी मैकेनिक और एलपीजी डिलीवरी बॉय, रिटेल आउटलेट कस्टमर अटेंडेट, ट्रक ड्राइवर जिनमे बल्क/पैक ट्रांसपोर्टर्स शामिल है, ग्राहक और साथी नागरिको को ईधन की डिलीवरी सुनिश्चित करने के लिए अपनी जान जोखिम मे डाल रहे है। इन कठिन समय में प्रदान की गई सेवाओ की मान्यता मे एक सद्भावना के संकेत के रूप मे उपरोक्त् व्यक्तियो की कोविड-19 के कारण के मामले मे 5 लाख की अनुग्रह राशि की घोशणा की गई है। मृतक के परिजनो को राशि का भुगतान किया जाएगा।

नक्सल व अपराधिक घटनाओं की रोकथाम प्राथमिकता होगी: पटेल

गरियाबंद । नवनियुक्त पुलिस अधीक्षक भोजराज पटेल ने आज गरियाबंद के पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि गरियाबंद जिला में प्रमुख रुप से नक्सल एवं कानून व्यवस्था की स्थितियों पर वे विशेष ध्यान रखेंगे । उनका प्रयास होगा कि नक्सलियों का यहां से समूल नष्ट किया जाए साथ ही अपराधिक

गतिविधियों पर कड़ाई से अंकुश लगाया जा सके , वहीं उन्होंने यह भी कहा पूर्व पुलिस अधीक्षक ने जो व कानून व्यवस्था के लिए स्थिति बनाई हुई थी उसका भी वे यथावत बनाये रखेंगे इस अवसर पर उन्होंने अनेक अंतरग विषयों पर चर्चा की साथ ही अपने बीते जीवन को भी लेकर पत्रकारों के साथ अपना जीवन के क्षणों को साझा किया । नए पुलिस अधीक्षक भोज राम पटेल मूलतः रायगढ़ के तारापुर के रहने वाले हैं तथा वे 2005 से 2012 तक शिक्षाकर्मी वर्ग 2 के रूप में कार्य किया साथ ही 2013 बैच के आईपीएस अफसर हैं । जिसके बाद उन्होंने हैदराबाद में ट्रेनिंग लेकर राज्यपाल के प्रमुख सुरक्षा अधिकारी के रूप में रहने के बाद पहली पदस्थापना कांकेर पुलिस अधीक्षक के रूप में पदस्थ रहे और कांकेर के बाद वे गरियाबंद पुलिस अधीक्षक के रूप में पदस्थ हुए हैं । उन्होंने इस अवसर पर कहा कि उनका सौभाग्य है कि छत्तीसगढ़ के कुंभ नगरी के पुलिस अधीक्षक के रुप मे कार्य कर रहे है ।और यहां के लोग साधारण व साफदिल के है इनके बीच उन्हें काम करने का अवसर मिलेगा यह उनके लिए गौरव की बात होगी ।इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हमें कानूनों के साथ रहना है लेकिन कानून को हाथ में नहीं लेना है लाकडाऊन को लेकर उन्होंने कहा कि यह कोरोना वायरस से लड़ने का सर्वोत्तम उपाय है ।

सिकासार और अतरमरा में रूके मजदूरों का स्वास्थ्य परीक्षण कराने के निर्देश

गरियाबंद। नोवल कोरोना (कोविड-19) के संक्रमण से रोकथाम एवं बचाव हेतु अन्य राज्यों से आने वाले इंटरस्टेट माइग्रेन्टस के संबंध में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा दिये गये निर्देश 21 मार्च 2020 के अनुपालन में गरियाबंद अनुविभाग अंतर्गत अन्य राज्यों से आये व्यक्तियों का होम आईसोलेशन / क्वारेंटाइन में रखने की प्रभावी व्यवस्था की गई हैं। जिसक तहत अन्य राज्यों से आये व्यक्तियों का चिन्हांकन /पहचान कर स्वास्थ्य विभाग के द्वारा प्रारंभिक स्वास्थ्य परीक्षण किया जाकर होम आईसोलेशन /क्वारेंटाइन में रखा गया है। प्रोटोकाल नियमों का पालन किये जाने हेतु आपके स्तर से भी 05 सदस्यीय टीम के द्वारा निगरानी रखी जा रही है। अनुविभागीय अधिकारी श्री जे.आर. चौरसिया ने बताया कि गरियाबंद अंतर्गत सिकासार बांध के तटबंध निर्माण कार्य में बाहर से मजदूर कार्यरत थे जो वर्तमान में सिकासार रेस्ट हाउस परिसर में अस्थायी शिविर में निवासरत है। जिनकी संख्या लगभग 150 है। इसी तरह जनपद पंचायत छुरा अंतर्गत ग्राम अतरमरा में तमिलनाडू से बोर खनन मशीन के साथ कार्य करने वाले मजदूर अस्थायी शिविर बनाकर रह रहे है।

आचार संहिता में कैसे मिली राशि आहरण करने की अनुमति?

देवभोग। 20 प्रतिशत कमीशन का चढ़ावा चढ़ाने के बाद आदर्श आचार संहिता के दौरान नियमों को दरकिनार कर सरपंच सचिव द्वारा राशि निकालने की बात सामने आई है। तभी शायद अधिकारी ने जमीनी हकीकत जाने बगैर लाखों रुपए निकालने का अनुमति दे दिया जबकि ना कार्य शुरू हुआ रहा और ना ग्रामीणों ने मांग रखी थी फि्र भी 16 पंचायत के सरपंच सचिव को बिना डीएससी प्रक्रिया पूरा किये 14वें वित्त की राशि आहरण करने की अनुमति जनपद सीईओ द्वारा दे दी गई। ग्राम पंचायत करचिया की उपसरपंच चेतन नायक ने बताया कि प्रभार देते समय सचिव सरपंच से 14वें वित राशि का हिसाब किताब मांगा गया तो बैठक में सचिव सरपंच ने राशि कमीशन के तौर पर सीईओ को देने की बात कही तब कहीं। आचार संहिता के दौरान राशि आहरण करने की अनुमति मिलना बताया

जिस पर निर्वाचित सरपंच पंचों ने विरोध करते हुए कहा कि किस नियम के तहत 20% राशि दिया गया । चेतन नायक ने यह भी कहा कि बिना काम हुए पहली बार इस तरह ऑनलाइन प्रक्रिया में राशि जारी करते देखा गया है। इसी तरह कई महीनों पहले कुमड़ई खुर्द पंचायत के आश्रित ग्राम भैंरीगुड़ा मार्ग पर मुरमीकरण क्या रहा। जिसका एक लाख करीब सीधा फ़र्म वेंडर के खाते में ट्रांसफ़र कर दिया गया इसी तरह लाटापारा, मुडागांव, बरबेहली,डोहेल डूमरपीटा, सितलीजोर, जैसे पंचायत में बड़ी बड़ी रकम आचार संहिता के दौरान निकाला गया लेकिन जमीनी स्तर पर काम बिल्कुल भी नहीं हो पाया क्योंकि कमीशन का चढ़ावा शुरुआत से ही इतने अधिक प्रतिशत में हो गया तो बचत राशि में किस तरह काम कराने की बात कुछ पूर्व सरपंच और सचिव दबी जुबान में कह रहे हैं ! उल्लेखनीय की त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव मैं आचार संहिता लगने के करीब 5 दिन पहले पंचायतों में 14वें विंत मद के तहत सरकार द्वारा लाखों रुपए आवंटित किया गया जिसे एक्शन प्लान मैं लिए गए कार्यों को जिओ ट्रैकिंग कर डीएससी के माध्यम से ऑनलाइन प्रक्रिया के साथ कार्य करवाने और राशि निकालने का प्रावधान है लेकिन पूर्व 16 ग्राम पंचायत के सरपंचों ने अंतिम समय देख आदर्श आचार संहिता के दौरान भी लाखों रुपये वेंडर का बिल लगाकर निकाल लिया जिसकी चर्चा इन पंचायत में नए सरपंचों को प्रभार देने की समय जमकर हुआ हंगामा के बीच 14वें वित्त राशि को व्यारा- नियारा करने करते हुए अधिकारी पर भी कमीशन का चढ़ावा चढ़ाने का आरोप लगाया जा रहा है । और कमीशन चढ़ाने का आरोप कहीं ना कहीं सत्य की ओर इशारा कर रहा है ! क्योंकि तमाम नियमों को दरकिनार करते आदर्श आचार संहिता में राशि आहरण करने की अनुमति किस तरह दिया गया

> राशि निकाली और काम नहीं हुआ है तो कार्यवाही किया जाएगा और कमीशन लेने का आरोप निराधार है।
>
> **एमएल मंडावी,** सीईओ जनपद देवभोग
>
> हमने आचार संहिता लगने की दो-तीन दिन पहले बिल जमा कर दिया था ऑनलाइन राशि जारी करने के लिए सीईओ साहब द्वारा अनुमति दिया जाता है अब आदर्श आचार संहिता के दौरान कैसे दिया गया मैं नहीं जानता मैं।
>
> **श्याम कश्यप,** ग्राम पंचायत सचिव लाटापारा
>
> हमने मुरमीकरण किया था जिसे लेकर बार-बार पैसा मांगा जा रहा था इसलिए 1लाख का बिल देकर वेंडर के खाते में राशि ट्रांसफ़र कर दिया।
>
> **अनंतराम नागेश,** ग्राम पंचायत सचिव कुमडई खुर्द

बेजुबान पशुओं की चिंता करना भी हमारा फर्ज : गफ्फु मेमन

नवप्रदेश संवाददाता

गरियाबंद। कोरोना वायरस के चलते लागु लाकडाउन के बीच कई गरीब परिवार दो वक्त की रोटी और राशन पानी के लिए मजबुर है और उनकी मदद के लिए शासन प्रशासन से लेकर समाज के कई लोगो आगे आए है परंतु दूसरी ओर गली मोहल्लो में हमारे आसपास रहने वाले बेजुबान पशुओ की चिंता करने वाला शायद कोई नही है और ना ही अब तक किसी भी नजर बेजुबान पशुओ की तरफ गई कि लाकडाउन के दौरान इन्हे कही से भी कुछ खाने को मिल रहा है यहां नही? ये बेजुबान पशु भूखे प्यासे ही इधर उधर खाने की तलाश कर रहे है। इस बात को समझते हुए और पशुओ की चिंता नगर पालिका अध्यक्ष गफ्फुमेमन ने एक और

अभिनव पहल करते हुए रविवार रात से इन आवारा पशुओ के लिए खाने का इंजताम करना शुरू किया है। उन्होने रविवार रात को विभिन्न गली मोहल्लो में घुमकर आवारा गाय बैल और कुत्तो को बिस्किट खिलाए और पका हुआ चावंल खिलाया। इसके साथ ही उन्होने नगर वासियो और पालिका के जनप्रतिनिधियों से भी अपील करते हुए कहा कि जरूरतमंदो लोगो के साथ साथ बेजुबान पशुओ का भी सहारा बने। बेजुबान पशुओ की चिंता करना भी हमारा फ़र्ज है। लाकडाउन के दौरान लोगो के लिए भोजन की व्यवस्था हो रही है परंतु ये पशु तो अपनी भुख मिटाने किसी से कुछ भी नही सकते है।

कोविड-19 को रोकने एनटीपीसी सीपत द्वारा किये जा रहे विभिन्न उपाय

बिलासपुर। कोरोना वायरस ''कोविड-19'' को वैश्विक महामारी घोषित करने पश्चात् पुरे राष्ट्र में लाकडाउन कर दिया गया है। चूंकि बिजली एक अति आवश्यक सेवाओं में से एक है, इसीलिए इन विकट परिस्थियों में भी एनटीपीसी देश की बड़ती ऊर्जा जरूरतों को पुरा करने बिना किसी अवरोध के निरंतर विद्युत का उत्पादन कर रहा है, ताकि लोग आराम से अपने घरों में समय बिता सकें। विद्युत उत्पादन के साथ ही एनटीपीसी सीपत द्वारा जिला प्रसाशन बिलासपुर को 25 लाख रूपये का सहयोग राशि प्रदान किया गया है, जिससे कोविड-19 से लड़ने मास्क, सेनिटाइजर एवं अन्य स्वास्थ्य उपकरण उपलब्ध हो सके। साथ ही मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जनपद पंचायत मस्तुरी को आसपास के एनटीपीसी प्रभावित गांवों में लोगों को हाथ धोने के लिए साबून एवं सेनिटाइजर वितरित करने 2 लाख रूपये प्रदान किये गये हैं। इसी प्रकार संगवारी महिला समिति, एनटीपीसी सीपत द्वारा समाज कल्याण कार्य के अंतर्गत रेडक्रास सोसायटी बिलासपुर को 50 हजार रूपये कोविड-19 को रोकने हेतु उपकरण खरीदी हेतु सहयोग प्रदान किये गये हैं। इन सबके अलावा एनटीपीसी द्वारा पीएम केयर फंड में 257.5 करोड रुपया सहयता प्रदान किया गया है। इसमे कर्मचारियों का एक दिन का वेतन के रुप में रु. 7.5 करोड भी सम्मिलित है। इस के अलावा देश भर में विभिन्न परियोजना के माध्यम से 31 मार्च तक 11 करोड रुपया करोना के रोकथाम के लिए खर्चा किया गया है।

C.G. Rajya Beej Evam Krishi Vikas Nigam Ltd., Telibandha, G.E. Road, Raipur (C.G.)

Phone No. 0771-4212203/15/12/24/ website http://agriportal.cg.nic.in/beejnigam

NOTICE FOR INVIRING RCO (ONLINE)

S.No./HO./BKVN/RCO-41/2019-20/12650 Date 31.03.2020

शुद्धि-पत्र

समस्त निविदाकारों को सूचित किया जाता है कि पूर्व प्रकाशित RCO-41 धान, कोदो, रागी, अरहर, उड़द मूंग, सोयाबीन, तिल, रामतिल के आधार एवं प्रमाणित बीज एवं हरी खाद-सन ढेंचा बीज वर्ष 2020-21 में निविदा भरने की अंतिम तिथि 15.04.2020 तक बढ़ाया गया है। जिसे बीज निगम की Website : http://agriportal.cg.nic.in/beejnigam पर भी देखा जा सकता है।

सं.-25093/2 **प्रबंध संचालक**

गंडई नगर पंचायत द्वारा भोजन व सूखे अनाज का नि:शुल्क वितरण

■ **पैगम्बर बनकर सामने आ रहे लोग**

गंडई पंडरिया। कोरोना नियंत्रण व रोकथाम हेतु शासन के निर्देशानुसार दिव्यांग, बीमार, बेघर, राहगीर व जरूरतमंद परिवार को निशुल्क भोजन पैकेट दिया जा रहा है । गंडई नगर के 15 वार्डों में ऐसे लोगों की कुल संख्या 27 है। भोजन पकाने व पैकेट बनाने का कार्य मां शारदा महिला स्व सहायता समूह गंडई द्वारा किया जा रहा है । भोजन निर्माण स्थल शासकीय प्राथमिक शाला गंडई में बनाया है । महिला स्व सहायता समूह द्वारा निश्चित समय में भोजन का पैकेट तैयार कर दिया जाता है, इसके अलावा राहगीर व अन्य लोगों के लिए अतिरिक्त भोजन को नगर पंचायत के कर्मचारी के सुपुर्द कर दिया जाता है । इसके पश्चात समूह का कार्य पूर्ण हो जाता है ।

भोजन वितरण व निगरानी का कार्य नगर पंचायत कर्मी शिव सिंह ठाकुर, सुनील ठाकुर वन विभाग, युगल ताम्रकार ठेका श्रमिक आदि द्वारा किया जाता है । मिली जानकारी के अनुसार 2 अप्रैल को 60 पैकेट भोजन तैयार किया गया व वितरण किया गया ।

सूखा अनाज भी 29मार्च से वितरित किया जा रहा है । अब तक 103 किलो चाँवल व 8 किलो 8 किलो आटावितरित किया गया है ।

छत?तीसगढ़ शासन द्वारा भी प्रदेश में लॉकडाउन के दौरान भिखारियों और निराश्रित व्यक्तियों को भोजन प्रदान करने का आदे जारी किया गया है। जारी आदेश के अनुसार जिले में प्रतिष्ठित स्वैच्छिक संस्थाएं, तथा अन्य समाज सेवी संगठनों से सम्पर्क कर निराश्रित व्यक्तियों एवं भिखारियों के लिए पका हुआ भोजन तैयार कर उसको पृथक-पृथक पैकेट बनाकर वितरित करें।

भोजन वितरण के समय यथा संभव डोर-टू-डोर जाकर भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है । किसी भी हालत में एक स्थान पर पांच से अधिक व्यक्ति एकत्रित न हो पाएं। भोजन वितरण के समय आपस में एक मीटर की दूरी बनाएं रखें तथा जिला प्रशासन एवं विश्व स्वास्थ्य संगठन के द्वारा समय-समय पर जारी निर्देशों का पालन सुनिश्चित करें ।

आदेश में यह भी कहा गया है कि भोजन वितरण के समय आवश्यकता अनुसार पुलिस स्टाफ को भी साथ में रखे, ताकि भोजन वितरण का कार्य सुचारू रूप से हो सके। भोजन वितरण का कार्य लॉकडाउन जब तक रहेगा या अन्य कोई निर्देश जारी होने तक जारी रखना सुनिश्चित करें। भोजन वितरण के उपयोग में लाए जाने वाले वाहनों में एवं भोजन वितरण के लिए प्राधिकृत व्यक्ति स्वयं सेनेटाइज्ड हो तथा प्रत्येक बार हाथ-पांव को साबुन से धोवें और एक समय में अधिक भीड़ एक जगह न हो।

कार्यालय नगर पालिका परिषद सक्ती, जिला-जांजगीर चाम्पा (छ.ग.)

क्रमांक/01/लो.नि.वि./न.पा./2020 सक्ती, दिनांक 1/4/2020

निविदा स्थगन सूचना

नगर पालिका परिषद सक्ती द्वारा इस कार्यालयीन पत्र क्रमांक 1243 दिनांक 06.03.2020 द्वारा वित्तीय वर्ष 2020-21 के लिए स्वच्छता सामग्री, नलजल सामग्री, जे.सी.बी. किराया, सबमर्सिबल पंप मरम्मत कार्य, बाईडिंग बुसिंग एवं लेथवर्क कार्य, मुद्रण फोटो कापी एवं अन्य कार्य तथा विद्युत सामग्री प्रदाय कार्य के लिए मैनुअल निविदा पद्धति वार्षिक निविदा आमंत्रित की गई थी, जिसे अपरिहार्य कारणों से आगामी आदेश पर्यन्त स्थगित किया जाता है। मैनुअल निविदा पद्धति सूचना पृथक से जारी किया जावेगा।

सूचना जानें।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद सक्ती

न्यूज गैलरी

पत्नी को जलाने का प्रयास, गिरफ्तार

महासमुंद। चरित्र शंका पर पत्नी को जलाने का प्रयास का मामला सामने आया है। मरणासन्न स्थिति में महिला ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि उसकी पति ने ही हत्या की नीयत से मिट्टी तेल उड़ेलकर आग के हवाले कर दिया। महिला की गंभीर अवस्था को देखते हुए पुलिस ने रायपुर रेफर कर दिया है। मामला सांकरा थाना क्षेत्र के ग्राम सावित्रीपुर का है। मंगलवार अपरान्ह पौन चार बजे बजे डायल 112 में कुछ लोगों ने सूचना दी कि सावित्रीपुर में महिला जल गई है। सूचना पर पुलिस गांव पहुंची और अग्निदग्धा सुनीता बिसरा (27) को उपचार के लिए पिथौरा सरकारी अस्पताल ले आई। पुलिस ने घायल महिला की मरणासन्न अवस्था में बयान लिया। महिला ने बताया कि मंगलवार को पौने चार बजे वह घर पर थी, तभी उसके पति राहुल बिसरा (30) ने चरित्र पर शंका करते हुए विवाद किया और मिट्टी छिड़ककर आग लगा दी। पुलिस ने राहुल को धारा 307 के तहत गिरफ्तार कर रिमांड पर जेल भेज दिया।

एम्बुलेंस के पहुंचने से पहले महिला का हो चुका था प्रसव

महासमुंद। एक महिला की प्रसव पीड़ा सूचना के बाद गांवों का रास्ता ब्लॉक होने से एम्बुलेंस पहुंचने में देर हो गई पर मितानिन की सूझबूझ से नवजात को जिंदगी मिल गई। बीती रात वन ग्राम लोहारडीह में रेवती बरिहा पति जनक बरिहा को प्रसव पीड़ा होने से ग्राम के मितानिन ने सूझबूझ से काम लिया। गर्भवती की सात माह की अवधि होने के कारण उहा-पोह की स्थिति निर्मित हो गई। दर्द को देखते हुए मितानिन ने परिवार के सदस्यों के साथ स्थिति को संभालने की कोशिश की। बीपीएम ने 108 वाहन को भेजा। लेकिन गांवों का रास्ता ब्लॉक होने से एम्बुलेंस पहुंचने में देर हो गई हालांकि योगेश्वर चन्द्राकर ने ग्रामीणों की मदद से एम्बुलेंस जाने रास्ता बनाया। एम्बुलेंस पहुंची तब तक महिला का प्रसव हो चुका था। गाड़ी पहुंचने से जच्चा-बच्चा को जिला अस्पताल भेजा जा गया। योगेश्वर चन्द्राकर ने अपील की है कि रात में ग्रामीणजन अवरोधक हटा दें, जिससे अति आवश्यक वाहन निकल सकें।

10 लीटर महुआ शराब बरामद

महासमुंद। कोमाखान पुलिस ने बुधवार को कसेकेरा में छापामार कार्रवाई कर दो लोगों से 10 लीटर शराब बरामद की है। अवैध शराब बिक्री की सूचना मिलने पर थाना प्रभारी कोमाखान शरद ताम्रकार ने टीम के साथ छापामार कार्रवाई के दौरान कसेकेरा निवासी सुकलाल निषाद पिता दुर्जन निषाद (55), लालचंद निषाद पिता सुकलाल निषाद (25) से 5-5 लीटर के 2 पीले रंग की जरकीन में 10 लीटर हाथ भट्ठी निर्मित महुआ शराब कीमती करीब 1000 रुपए जब्त की। आरोपियों को धारा-34(2) आबकारी अधिनियम के तहत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड में भेजा गया है।

40 बोरी तम्बाखू के साथ दो पकड़ाए

महासमुंद। बसना पुलिस ने बुधवार को साल्हेझरिया नाकाबंदी पॉइंट में एक बोलेरो वाहन क्रमांक CG 18 L 1195 में सवार महेंद्र बंजारे पिता भुवन बंजारे (28) एवं धर्मेंद्र यादव पिता रामजी यादव (30) साकिन भाटापारा जिला बलौदाबाजार के कब्जे से 40 बोरी राजा छाप तम्बाखू कीमती 136000 को बरामद कर कृषि उपज मंडी बसना को कार्रवाई हेतु सुपुर्द किया गया। उपरोक्त कार्रवाई में थाना प्रभारी बसना वीणा यादव, उपनिरीक्षक लक्ष्मीनारायण साव, प्रधान आरक्षक राजेश सिकरवार, आरक्षक सिरति भोई, कमलेश ध्रुव, कौशल ध्रुव का योगदान रहा।

तीन मामले में 40 लीटर शराब बरामद, 6 गिरफ्तार

महासमुंद। पुलिस ने अलग-अलग प्रकरणों में कुल 40 लीटर महुआ शराब जब्त कर आरोपियों के खिलाफ आबकारी अधिनियम 34 (2) के तहत कार्रवाई की। पुलिस के मुताबिक ग्राम कोकोभाटा में धर्मसिंह ध्रुव पिता सुदर्शन (39), रमेश गिरी पिता अहिलाल गिरी (39) ठाकुरदिया से शराब लेकर कोकोभाटा की तरफ जा रहे थे। ग्रामीणों की सूचना पर दो जरकिन से कुल 10 लीटर महुआ शराब जब्त की गई। वहीं ग्राम सुखीपाली में 20 लीटर महुआ शराब के साथ तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया। दूतो बरिहा पिता भीम बरिहा (58), रोहित बूढ़े पिता ठंडा राम बूढ़े (41), अशोक भोई पिता परदेसी भोई (24) छीन पेड़ के नीचे अवैध रूप से शराब विक्रय कर रहे थे। ग्रामीणों की सूचना पर रेड की कार्रवाई की गई जिनके संयुक्त कब्जे से 20 लीटर महुआ शराब जब्त कर आबकारी अधिनियम के तहत कोमल पटेल पिता नहर पटेल (23) अवैध शराब बिक्री करते हुए रंगे हाथों पकड़ा। उक्त आरोपी के पास से 10 लीटर महुआ शराब जब्त की गई। सभी 6 आरोपियों को न्यायिक रिमाण्ड पर भेज दिया गया है।

आधुनिक मशीन से सात वार्डो को किया गया सेनेटाइज

महासमुंद। कोरोना वायरस की महामारी से बचाव व रोकथाम के लिए अब शहर में आधुनिक मशीन से सेनेटाइज किया जा रहा है। विधायक विनोद सेवनलाल चंद्राकर की पहल से यह मुमकिन हो सका है। विधायक चंद्राकर ने कोरोना वायरस की गंभीरता को देखते हुए अपनी विधायक निधि से राशि देने की अनुशंसा की। बाद इसके दस नग आधुनिक मशीन नगरपालिका को मुहैया कराई गई है। बता दें कि पिछले दिनों विधायक चंद्राकर ने कोरोना वायरस की महामारी से बचाव व रोकथाम के लिए मशीन खरीदने अपनी निधि से राशि देने की अनुशंसा की थी। जिस पर दस नग मोटरयुक्त ट्यूस्टर मशीन खरीदी की गई। विधायक चंद्राकर व नगरपालिका अध्यक्ष प्रकाश चंद्राकर की मौजूदगी में नगर पालिका के कर्मचारियों को इस आधुनिक मशीन के साथ शहर के वार्डो में सेनेटाइज के लिए रवाना किया गया। नगरपालिका के इंजीनियर अमन चंद्राकर ने बताया कि विधायक चंद्राकर की विधायक निधि से यह मशीन खरीदी की गई है। बुधवार को पहले दिन वार्ड एक से सात वार्डो में सेनेटाइज किया गया। इसके पहले फायरब्रिगेड के माध्यम से वार्डो में सेनेटाइज किया जाता रहा है।

धमतरी और कुरूद में दुकानदारों पर हुई कार्यवाही

■ **अधिक कीमत पर खाद्य सामग्री बेचने पर हुआ जुर्माना**

धमतरी। कोरोना वायरस के संक्रमण के लिए समुचित सुरक्षात्मक उपायों का पालन करने के लिए लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है ।इसी सिलसिले में बुधवार को धमतरी के किराना दुकान ,एक मेडिकल स्टोर और कुरूद के दो डेली नीड्स दुकान पर कार्रवाई हुई ।

कलेक्टर रजत बंसल के निर्देशानुसार जिला मुख्यालय में संचालित किराना दुकानों में आवश्यक वस्तुओं का मूल्य नियंत्रण मुनाफाखोरी को रोकने एवं किराना दुकानदारों को कोरोना वायरस के संक्रमण के रोकथाम के लिए समुचित

सुरक्षात्मक उपायों का पालन कराने के लिए गठित दल द्वारा किराना दुकानों की जांच की गई। जांच दल में खाद्य, नापतोल,नगर निगम ,खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग के अधिकारी शामिल हैं ।जिनके द्वारा नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत 12 किराना दुकानों का निरीक्षण किया गया ।

इसमें से देवांश किराना दुकान कर्मा चौक ,कान्हा किराना दुकान कर्मा चौक, रामू नाग किराना दुकान लालबगीचा,दिलीप किराना हटकेशर,नंदनी किराना स्टोर रामबाग और मयंक किराना कर्मा चौक धमतरी के दुकानों में आलू, प्याज ,शक्कर एवं आवश्यक खाद्य सामग्री का अधिक मूल्य पर विक्रय किए जाने के कारण खाद्य औषधि प्रशासन विभाग द्वारा प्रकरण दर्ज कर नियमानुसार कार्यवाही की गई ।इसके साथ ही नगर निगम के अधिकारी द्वारा शहर के एक मेडिकल स्टोर में सोशल डिस्टेंसिंग का पालन नहीं करने पर 3000 जुर्माना कर कुल 14000 रु वसूली की कार्यवाही की गई ।सभी दुकानदारों को सही मूल्य पर सामग्री विक्रय करने और उपभोक्ताओं की जानकारी के लिए दैनिक उपभोग की वस्तुओं का मूल्य प्रदर्शित करने के लिए समझाइश दी गई।

शहर के चारों दिशाएं सील, जवान तैनात

धमतरी। कोरोना वायरस संक्रमण से बचाव के लिएग अब जिला प्रशासन, नगर निगम, स्वास्थ्य, रेडक्रॉस एवं अन्य विभागों के साथ पुलिस विभाग ने कमर कस लिया है ।जिले के लगभग हर क्षेत्र में पुलिस ने तंबू लगाकर 24 घंटे जवानों की तैनाती शुरू कर दी है ।कोरोना वायरस के संक्रमण से धमतरी जिला को सुरक्षित रखने जिला प्रशासन के साथ लगभग सभी विभाग अपने दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं ।लेकिन कहीं न कहीं कुछ लोगों की लापरवाही भी सामने आती है ।

पुलिस विभाग लगातार लोगों को समझाइश देने का प्रयास कर रही है ।अब शहर सहित थाना क्षेत्रों में पुलिस ने तंबू लगा दिया है जहां पर 24 घंटे जवान नजर आने लगे हैं ।धमतरी शहर में अंबेडकर चौक, रत्नाबांधा चौक, मकई चौक, सिहावा चौक अर्जुनी मोड़ सीमावर्ती में श्यामतराई नाका,आमदी, केरेगांव थाना में बनरौद

तिराहा बीरेझर में कचना मोड़ कोडापार ,भखारा में सिलघट मोड़ ,सिहावामें टांगापानी और बेलरगांव, बोराई में अंतर राज्य सीमा में तंबू लगाए गए हैं।

तंबू में दो बेड,दो गद्दे, सैनिटाइजर,हैंडवाश पानी के साथ यदि वहां बिजली उपलब्ध है तो पंखा और कूलर भी रखे गए हैं। एक तंबू में एक प्रधान आरक्षक,2 आरक्षक की ड्यूटी 8 घंटे की शिफ्ट में लगाई गई है ।इसके साथ थाना प्रभारी नियमित पेट्रोलिंग कर रहे हैं।

एएसपी मनीषा ठाकुर ने बताया कि पुलिस अधीक्षक बीपी राजभानु के मार्गदर्शन में तंबू में तैनात जवान लगातार निगरानी कर रहे हैं ।इसके अलावा एक विशेष वाहन तैयार किया गया है जिसमें पैरामेडिकल विशेषज्ञ दिनेश्वरी नेताम थर्मल स्केनर के साथ सभी पॉइंट में पहुंचकर रजिस्टर मेंटेन कर रही है ।इनके वाहन में राशन भी उपलब्ध होता है यदि कहीं जरूरतमंद मिल जाए तो उसे प्रदाय किया जाता है ।ड्यूटी पर तैनात जवानों के परिवार वालों के लिए व्हाट्सएप नंबर जारी किया गया है जिसमें वह आर्डर कर किराना सामान मंगा सकते हैं ।

निजामुद्दीन से लौटे युवक की जांच, नहीं मिला लक्षण

महासमुंद। स्वास्थ्य विभाग और पुलिस का मैदानी अमले ने निजामुद्दीन से लौटे नयापारा निवासी युवक को ढूंढ निकाला। युवक को आइसोलेशन में गया रखा है। इसी तरह जिले की एक महिला को भी आइसोलेशन में रखा गया है जो कुछ दिन पहले निजामुद्दीन से लौटी हैं। राहत की बात यह है कि अभी तक इन दोनों की स्क्रीनिंग और स्वास्थ्य जांच में कोरोना के कोई लक्षण सामने नहीं आए हैं। उन्हें एहतियात के तौर पर स्वास्थ्य अमला ने अलग से अपनी निगरानी में रखा है। इन्हें आगामी 28 दिनों तक आइसोलशन में रखा जाएगा। नोडल अधिकारी अनिरूद्ध कसार ने बताया कि बुधवार सुबह पुलिस ने युवक को अस्पताल प्रबंधन को सौंपा। युवक की मेडिकल जांच की गई। उनमें कोरोना के कोई लक्षण नहीं मिले हैं। उनके रक्त जांच की जाएगी। बता दें कि मंगलवार सुबह से पुलिस और स्वास्थ्य अमला इस युवक की तलाश में जुटी थी। इस बीच पिरदा से युवक को ढूंढ निकाला गया।

सूची के 4 लोग अभी बाहर

जानकारी के मुताबिक सरकार ने जिले के स्वास्थ्य अमला को कुल 6 लोगों की सूची दी है। इनमें उनके ट्रैवेलिंग की जानकारी नहीं है लेकिन, आइसोलेशन में रखने के निर्देश हैं। इनमें दो लोग को जो जिले में पहुंच चुके हैं उन्हे निगरानी में रखा गया है। वहीं चार लोग जिले के बाहर हैं। जिले में कुल 180 संदिग्ध मरीजों को होम आइसोलेशन में रखा गया है। जिनमें से कुल 16 प्रकरणों में सभी निगेटिव प्राप्त हुए हैं। कोरोना वायरस संक्रमण नियंत्रण दल के जिला नोडल अधिकारी डॉ अनिरुद्ध कसार के मुताबिक होम आइसोलेशन के 16 नमूनों को जांच के लिए राजधानी भेजा गया, जिनमें सभी का विवरण नकारात्मक प्राप्त हुआ है। वहीं, विदेश यात्रा कर वापस लौटे 35 प्रकरणों के संदर्भ में डॉ मुकंद राव ने बताया कि सभी की निगरानी डॉ छत्रपाल चंद्राकर के नेतृत्व में होम आइसोलशन पर की जा रही है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में रखे गए एक ही परिवार के 9 लोग: इधर, तुमगांव सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में भी एक परिवार के 9 लोगों को सुरक्षा के मद्देनजर चिकित्सकों की निगरानी में रखा गया है। मंगलवार को स्वास्थ्य और पुलिस विभाग को दिल्ली से जिस युवक के लौटने की खबर मिलने के बाद उसकी तलाश में लगाया गया था यह वही युवक है। बताया जाता है कि युवक परिवार 9 सदस्यों के साथ बीते 12 मार्च को रायपुर से अजमेर शरीफ के दर्शन के लिए दिल्ली गया था। दर्शन के बाद वह 18 मार्च को वापस लौट गया। जानकारी के बाद युवक की तलाश अलग-अलग टीम कर रही थी। रात में ही युवक परिवार सहित पिरदा में मिला।

पदम कोठारी की सेवादारी को मिली सराहना

■ **सीएम व जिला आपदा कोष में दिया स्वयं योगदान**

राजनांदगांव। कोरोना वायरस के चलते देश के साथ प्रदेश में भी लॉक डाउन की स्थिति है। ऐसे में प्रदेश की गरीब निर्धन जनता की सहायता के लिए लोग सामने आ रहे हैं। इस मामले में भाजपा के नेता और नामी लोग पीएम फंड में अपनी सहायता राशि भेज रहे हैं, तो सीएम राहत कोष तथा जिला राहत कोष में भी अपना-अपना योगदान देकर मदद कर रहे हैं। कहते हैं कि नेताओं

में बहुत कम अपनी जेब से शासन या प्रशासन को ऐसी आपदा के समय मदद करते हैं, परंतु राजनादगांव के मामले में ऐसा नहीं हुआ। सरल व किसान परिवार से जुड़े हर समय लोगों की मदद करने वाले पदम कोठारी हाल ही में जिला कांग्रेस अध्यक्ष ग्रामीण के रूप में प्रदेश कांग्रेस द्वारा नियुक्त किए गए हैं, उनके द्वारा इस बड़ी आपदा के समय मुख्यमंत्री राहत कोष में व्यक्तिगत रूप से 51 हजार रुपये तथा जिला प्रशासन के राहत कोष में 15000 रुपये ननिहाल परिवार के सहयोग से प्रदान किया गया, उनकी इस दानशीलता को लेकर कांग्रेस के नेताओं जनप्रतिनिधियों सहित जिले के विभिन्न पार्टियों से सम्बद्ध जनप्रतिनिधि व नेताओं के लिए प्रेरणा का संदेश है। इस महामारी में हर नागरिक का यह कर्तव्य है कि किसी न किसी रूप में वह चाहे जिस रुप में अपना योगदान दे।

शादी में आई महिला से दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार,मगरलोड पुलिस की कार्रवाई

धमतरी। मगरलोड में एक शादी समारोह शामिल होने आई महिला से दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है.पीड़िता की शिकायत के बाद मगरलोड पुलिस ने आरोपी को कुछ ही घंटों में गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मगरलोड निवासी घसिया राम सेन के यंहा 12 मार्च को शादी थी.जिसमे शामिल होने पीड़िता आई थी.शादी सम्पन्न होने के बाद पीड़िता अपने बच्चो के साथ सो रही थी.उसी दौरान आरोपी गजानंद सेन वँहा आया

और महिला को डरा धमका कर जबरदस्ती उनके साथ दुष्कर्म किया. जिसकी शिकायत पीड़ित ने मगरलोड थाना में 31 मार्च को किया था.वही पुलिस मामला दर्ज कर आरोपी की पतासाजी कर रही थी.जांच में पता चला कि आरोपी गजानंद अपने ग्राम छाटा जिला रायपुर में है जिसके बाद पुलिस ने टीम भेजकर आरोपी को गिरफ्तार कर मगरलोड थाना लाया.जंहा पूछताछ करने पर आरोपी ने अपना गुनाह कबूल कर लिया.फिलहाल मगरलोड पुलिस ने आरोपी जेल भेज दिया है.

पेट दर्द से परेशान नाबालिग युवती ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

धमतरी। कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत सोरिद वार्ड निवासी एक नाबालिग युवती ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली.घटना की जानकारी लगते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुँची और शव को फांसी से उतार कर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा. पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सोरिद वार्ड निवासी निधि कामड़े 17 वर्ष एक साल से पेट दर्द से परेशान थी.बहुत इलाज कराने के बाद भी पेट दर्द ठीक नही हो रहा था.जिसके चलते बीती रात मृतिका ने अपने अपने कमरे में स्कार्प को फाँसी का फंदा बनाकर झूल गई.सुबह जब दरवाजा काफी खटखटाने के बाद दरवाजा नही खोला तो परिजनों ने खिड़की से झांक कर देखा तो उनकी बेटी फाँसी पर लटका हुआ था.जिसके बाद परिजनों ने इसकी सूचना कोतवाली पुलिस को दी मौके पर पहुँची पुलिस ने दरवाजा तोड़कर कमरे के अंदर गया.फिलहाल कोतवाली पुलिस मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई में जुट गई

पेयजल संकट से उबरने के लिए चेयरमैन सतीश उतरे अधिकारियों के साथ

राजनांदगांव। नगर निगम द्वारा शहर की प्यास बुझाने के उद्देश्य से जल विभाग के चेयरमैन सतीश मसीह मटिया मोती बांध का पानी छोड़ने की तैयारी के लिए निगम टीम के साथ दोपहर 12 बजे पहुंचे। आज के समय में मटिया मोती जलाशय में पानी 1600 फीट पानी उपलब्ध है। निगम टीम के द्वारा जल विभाग के चेयरमैन सतीश मसीह 40 किलोमीटर दूर तय कर मटिया मोती बांध पहुंचे। मटियामोती बांध से राजनांदगांव नगर निगम को 200 उबजि एमसीएफ्टी पानी लेना है, जिसमें 1 अप्रैल को समय 12 बजे जल विभाग के चेयरमैन सतीश मसीह के द्वारा चाबी घुमाकर 9 राउंड बांध को खोला गया। निगम के जानकारों के अनुसार केनाल के माध्यम लगभग 5 दिनों में पानी शिवनाथ नदी में पहुंचेगा।

सिंधी समाज राजनांदगांव का जिला प्रशासन को सहयोग

राजनांदगांव। सिंधी समाज राजनांदगांव ने कोरोना वायरस संकट के इस दौर में मानव सेवा ही माधव सेवा के भाव को आगे रखते हुये स्वफूर्त होकर जरूरत मन्दो के सहायतार्थ 111000 रूपये का ड्राफ्ट जिला कलेक्टर राजनन्दगांव को सौंपा। 100 कट्टा रामभोग चांवल और 15 किग्रा के 20 डब्बे सोया बीन तेल के गांधी सभा ग्रह पहुंच कर निगम कमिशनर को सुपर्द किया। लीलाराम भोजवानी, सुरेश डुलानी, मुखी मन्नुमल मोटलानी, आवतराम तेजवानी, ब्रम्हानंद बजाज, रूपचंद भीमनानी, अर्जुन गंगवानी, लोकचंद लहरवानी व अमर लालवानी उपस्थित रहे। समाज के सभी वरिष्ठ जनों का भरपूर सहयोग इस पुनीत कार्य के लिये मिला व संपूर्ण सिंधी समाज राजनांदगांव ने मुक्त हस्त से सहयोग किया।

रेडक्रास सोसायटी की बैठक संपन्न

राजनांदगांव। कलेक्टर एवं अध्यक्ष भारतीय रेडक्रास सोसायटी राजनांदगांव के निर्देशानुसार नोवेल कोरोना वायरस (कोविड-19) के संक्रमण एवं महामारी के विस्तार को रोकने के लिए भारतीय रेडक्रास सोयायटी की कार्यकारिणी एवं वालेंटियर्स की बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा रेडक्रास सोयायटी राजनांदगांव के सचिव डॉ. मिथलेश चौधरी ने बताया कि नोवेल कोरोना वायरस (कोविड-19) के संक्रमण को देखते हुए रेडक्रास एवं स्वास्थ्य विभाग की पूरी टीम जिला प्रशासन के साथ काम कर ही है। उन्होंने कहा कि नोवेल कोरोना वायरस के संक्रमण की रोकथाम के लिए लोगों को जागरूकता करने के लिए रेडक्रास के वालेंटियर एवं सदस्यों को आगे आकर प्रयास करना बहुत जरूरी है। लोगों में आपस में दूरी रखने, बार-बार साबुन से हाथों को धोने, मास्क लगाने, बार-बार मुंह-आंख-नाक में हाथ न लगाने के लिए प्रेरित करना है। साथ ही मोहल्ले एवं घर के आस-पास समूह बनाकर न खड़े होने, नागरिकों को घर पर ही रहने कहा गया।

कलेक्टर बंसल ने किसान बाजार और श्यामतराई थोक मंडी का किया निरीक्षण

धमतरी। कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव के लिए लॉकडाउन के मद्देनजर कलेक्टर श्री रजत बंसल ने आज पुरानी मंडी स्थित किसान बाजार और श्यामतराई थोक मंडी का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान कलेक्टर ने किसानों से सब्जी के दाम और आवक की जानकारी ली। यहां 05 पंजीकृत किसानों द्वारा सब्जी विक्रय किया जा रहा था तथा 250 से 300 ग्राहक सब्जी खरीदने पहुंचे थे। इतनी बड़ी तादाद के बावजदू किसान बाजार में सोशल डिस्टेंसिंग का पालन होते देख कलेक्टर ने काफी प्रसन्नता जताई। ज्ञात हो कि किसान बाजार से ही नगरपालिक निगम के वार्डों में सब्जी वाहनों के जरिए घर-घर विक्रय करने ले जाई जा रही है। कलेक्टर के निरीक्षण के दौरान उक्त वाहनों में भी सब्जी लोड की जा रही थी। बताया गया है कि जिन वार्डों में सब्जी की ज्यादा मांग है, आज उन वार्डों में वाहनों से सब्जी विक्रय किया जाएगा।

मिटाई भूख... 100 अग्रसेन अन्नपूर्णा पैकेट का हुए वितरण

अग्रवाल समाज द्वारा 500 राशन किट का निर्माण

राजनांदगांव। अग्रवाल सभा राजनांदगांव द्वारा कॅरोना वाइरस आपदा से निपटने के लिये अग्रसेन अन्नपूर्णा पैकेट 500 किट राशन का बनाया गया। साथ ही रेडी फूड के तहत 200 किट में पोहा, मुरमुरा, चना, नमक की एवं 200 किट में शक्कर, चाय, पत्ती, दूध पावडर, टोस्ट का किट बना जा कर वितरण किया जाना है। समाज द्वारा लगभग 100 राशन किट का वितरण किया जा चुका है।

श्री अग्रसेन अन्नपूर्णा पैकेट प्रभारी शिवराज अग्रवाल ने बताया

कि विश्व में फैली महामारी करोना के कारण भारत देश में लगे लाक डाउन से निम्न तबके के लोगों को भोजन पानी की व्यवस्था में तकलीफ आ रही को समझ कर स्थानीय अग्रवाल समाज ने इस समस्या को दूर करने का बीड़ा उठाया। और एक व्यक्ति के 20 दिन का सूखा राशन जिसमें दाल, चावल, सोयाबडी, चना, आलू, हल्दी, मिर्च, धनिया मसाले, तेल, साबुन इत्यादि का अग्रसेन अन्नपूर्णा पैकेट बना वितरण का जिम्मा लिया। इस कार्य में समाज के कोषाध्यक्ष विमल अग्रवाल, विवेक अग्रवाल, पवन लोहिया, लोकेश अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, लक्ष्मण लोहिया, श्याम सुंदर अग्रवाल, अजय लोहिया, अग्रवाल नवयुवक मंडल के कृष्णा लोहिया, निकुंज अग्रवाल, प्रतीक अग्रवाल, शुभम लोहिया, पंकज लोहिया मैनेजर मोहन यादव व दिनेश शर्मा का विशेष सहयोग मिल रहा है।

■ न्यूज गैलरी

व्यक्तिगत दूरियां बना, डब्लूएचओ के निर्देशों का पालन करते कर रहें मनरेगा का कार्य

कोंडागॉव। जिले में कोरोना के चलते सोसल डिस्टेन्स मेंटेन करते शासकीय कार्य करते देखा जा सकता है।बड़े कनेरा के किसान खेतेबाई के जमीन पर मनरेंगा से निजी डाबरी निर्माण का कार्य प्रारंभ करवाया गया है। जिसमे जनपद पंचायत कोंडागांव के तकनीक सहायक वीरेंद्र कुमार साहू द्वारा अपने व्यय से मजदुरो को मास्क वितरण कर राज्य शासन द्वारा प्राप्त कारोना वायरस के दिशा निर्देश के सम्बन्ध अवगत करवाते सावधानी से कार्य करने का सुझाव दिया गया । वहीं मजदुरो को कार्यस्थल पर हेण्डवास की व्यवस्था करवाई गई है ,जिससे वे हाथो को स्वक्ष रख सकें।वही सोसल डिस्टेन्स को ध्यान मे रख कर काम करने कि संजाइस बार बार दी जा रही है ।वहीं ग्राम पंचायत के सचिव सरपंच सभी मनरेगा से कार्यरत मजदूरो को सावधान रहने और सावधानी पूर्वक कार्य करने की सलाह दे रहे हैं।

जरूरतमंदो को मुफ्त में सब्जियां बांट रहा कोंडागांव का किसान

कोंडागॉव। कोंडागॉव से लगे ग्राम कुसमा के किसान धसराज टंडन जो पेशे से पत्रकार भी है। जिन्होंने अपने 3 एकड़ खेत में ड्रिप पद्धति से टमाटर लगाया है। किसान ने कोरोना वायरस को देखते हुए जरूरत मंदो व गरीब परिवारों के लोग जो बाजार नहीं जा पा रहे हैं या जिनके पास पैसों का आभाव है। उन परिवारों को उनके और उनके बड़े भाई लखमु राम टंडन एवं कुसमा से महेश विश्वकर्मा जगीन डाहरे एवं वीरेंद्र बंजारे फूलचंद महिलांगे एवं अन्य साथियों के सहयोग से जरूरत के हिसाब से प्रत्येक परिवारों को एक 1-2 किलो टमाटर मुफ्त दे रहे है। जिसमें अभी तक ग्राम कुसमा के 200 परिवारों को टमाटर बांट चुके है।वही ग्राम संबलपुर व नगर कोंडागॉव के वार्डो के साथ ही क्षेत्रीय अन्य परिवारों को भी मुफ्त सेवा दे रहे हैं । इसके अलावा वे लोगो को कोरोना वायरस से सतर्क कर सोसल डिस्टेंस की सलाह देते घरों में रहने की अपील भी कर रहे हैं।

मास्क, डिटर्जेंट पावडर, साबुन वितरित कर किया गया

सक्ति । नगर पालिका परिषद शक्ति वार्ड नंबर 6 की पार्षद श्रीमती रजनी संजय रामचंद्र के द्वारा वार्ड नंबर

6 में घर घर जाकर कोरोना वायरस महामारी न फैले इसलिये वार्ड नं 6 के नागरिकों व आम लोगों को जो लोग मास्क नहीं पहन रहे थे उन्हें मास्क, डिटर्जेंट पावडर, साबुन वितरित कर प्रेरित किया गया और घर से बाहर ना निकलने की अपील की।

घर बैठे बच्चे सीख रहे कला, स्कूलों की छुट्टी के बाद बच्चे अपना समय लगा रहे सीखने में

सक्ति। एक और जहां पूरे देश में कोरोनावायरस के संक्रमण से लाग डाउन की स्थिति में स्कूलों की छुट्टियां कर दी गई हैं, तथा राज्य सरकारों ने अनेकों कक्षाओं में बिना परीक्षाओं के ही जनरल प्रमोशन दिए जाने की घोषणा की है, तो वहीं स्कूल के बच्चे भी घर बैठे इन दिनों मोबाइल पर यूट्यूब के माध्यम से विभिन्न प्रकार की कला सीख रहे हैं, ऐसे ही शक्ति नगर की कक्षा दसवीं में गुंजन इंग्लिश मीडियम में अध्ययनरत उन्नति गोयल स्नेहा भी घर पर ही अनुपयोगी पेपरों से विभिन्न प्रकार के सुंदर चीजें बना रही हैं, उन्नति गोयल स्नेहा ने अनुपयोगी पेपरों से मेहनत कर एक ऐसा पाट तैयार किया तथा यह पाट काफी सुंदर एवं मजबूत भी है, तथा पेपर को काट- काटकर उसे पूरा आकृति देकर इस पाट का निर्माण किया गया है, उन्नति गोयल ने बताया कि वह अपने घर पर ही बच्चों के साथ दिनभर ऐसे ज्ञानवर्धक चीजों में अपना समय व्यतीत कर रही हैं,तथा खाली समय का सदुपयोग हो इस हेतु प्रयासरत हैं।

भाजपा ने लॉक डाउन में जरूरतमंदों हेतु प्रभारियों की नियुक्ति की

कांकेर। भाजपा जिलाध्यक्ष हलधर साहू ने कोरोना संकट के कारण लॉक डाउन को देखते हुए भाजपा मण्डल स्तर पर प्रभारियों की नियुक्ति की है जो भाजपा मंडल अध्यक्षो से समन्वय बनाकर मण्डल क्षेत्र के भाजपा पदाधिकारी, भाजपा के जनप्रतिनिधियों, कार्यकर्ताओ से धनराशि एकत्रित कर प्रधानमंत्री केअर फण्ड में जमा कराएंगे । साथ ही उन्होंने सभी मण्डल अध्यक्षो से उनके क्षेत्र में फंसे हुए मजदूर परिवार व जरूरतमंद परिवारों की जानकारी जिला भाजपा संगठन तक पहुंचाने के निर्देश दिए है।

गांव में भी लॉकडाउन फिर भी जंगल में जारी है पेड़ों की कटाई

नवप्रदेश संवाददाता

बैकुंठपुर। गांव में भी कोरोना संक्रमण के खतरे को लेकर ग्रामीण जागरूक हैं और घरों से बाहर नहीं निकल रहे हैं। किन्तु महिलाओं का समय नहीं गुजर रहा है तो वे जंगल जा रही हैं और वहां से लकड़ियां काटकर ला रही हैं। लॉक डाउन के इस समय पर जंगल की कटाई ने जोर पकड़ लिया है, क्योंकि मौजूदा स्थिति में उन्हें कार्रवाई का भय नहीं है। हालांकि पुलिस व वन विभाग की पेट्रोलिंग पार्टी गांव पहुंच रही है पर गांव की सड़कों का मुआयना कर वापस लौट जा रही है।वही वन विभाग के मैदानी कर्मचारी भी लॉक डाउन में अपने घरों में आ गए है जिसका ही परिणाम है कि ग्रामीण जंगलो की और रुख कर छोटे बड़े पेड़ो को काटकर ग्रामो में ला रहे जिससे अब जंगलो में ठूंठ की संख्या बढ़ रही हैं जब कि शासन ने वन कर्मियों को जंगल मे निगरानी के सख्त निर्देश दिये हैं फिर भी जिले के कुछ वन छेत्रो में इन निर्देशों का पालन नही हो रहा आखिर इसका जिम्मेदार कौन !

कोरिया जिले के कोरिया वन मंडल बैकुंठपुर मनेन्द्रगढ़ अंतर्गत आने वाले सोनहत , खड़गवां व बिहारपुर गांव में भी लोग लॉक डाउन नजर आए लेकिन जंगल के रास्तों पर चलह-पहल देखी गई। सोनहत व खड़गवां के जंगल से महिलाएं लकड़ी काटकर जंगल से गांव आती हुई दिखाई पड़ी। गांव के कुछ जागरूक ग्रामीणों ने बताया कि यह हाल एक नहीं अधिकांश गांव की है। इस वर्ष बार-बार बारिश हो रही है। जिससे भोजन इंधन के लिए भी लकड़ियां नहीं जुटा पा रही थी वही लॉक डाउन में मजदूरी नही करने के कारण उज्वला योजना के तहत मिले गैश सिलेंडर में गैस भरवाने में भी असमर्थता जाहिर की वही लॉक डाउन बढ़ने की आशंका के साथ ही बारिश की आशंका को देखते हुए लोग अपने घरों में इंधन के लिए लकड़ियों की व्यवस्था कर रहे हैं। ग्रामीण यह मानकर चल रहे हैं कि जंगल में कोरोना के संक्रमण का कोई खतरा नहीं है।

जंगल में भी संक्रमण का खतरा

कोरिया जिले के लगभग सभी गांव से कई लोग ऐसे हैं जो कि दूसरे राज्यों में जाकर काम करते हैं। लगभग सभी गांव में इन दिनों बाहर से लोग अपने ग्राम में पहुंचे हुए हैं। कुछ तो प्रशासन की लिस्ट में हैं और कईयों के पहुंचने की खबर प्रशासन को नहीं हो पाई है। वही ग्रामों में पहुँचे लोग सबसे पहले अपने गांव व गांव से सटे जंगल की ओर रूख करते हैं। ऐसे में जंगल में भी यह संभावना बनी हुई है कि यहां कोरोना संक्रमण हो सकता है। यदि किसी गांव में कोई कोरोना संक्रमित हाल फिलहाल में पहुंचा होगा और उसने जंगल में भ्रमण कर पेड़ पौधों को छुआ होगा तो जंगल में भी कोरोना की मौजूदगी की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है। हालांकि अबतक कोरिया जिले में एक भी कोरोना संदिग्ध नहीं मिले हैं फिर भी सावधानी बरतने की जरूरत है ।

जंगलो में नजर आ रहे ठूठ

हाल ही में जहा सोनहत में साल के बड़े बड़े वृक्ष को काटकर धरासाई लकड़ी को दूसरे विभाग से मिली जानकारी पर जप्त किया गया जिसे विभाग अपनी कामयाबी बता रहा जब कि अंदरूनी छेत्रो में अब भी लकड़ी से पटरा निकालने का काम गुजरते हुए देखा जा सकता हैं वही दूसरी और खड़गवां छेत्र के अमरपुर से चिरमिरी मार्ग में टेगनी घाट के लछ्मण झरिया नामक स्थान के पास बड़े हो रहे पेड़ो को ठूठ में बदल दिया गया जिसकी संख्या सैकड़ो में है जब कि मुख्य मार्ग लगा हुआ है वही वहा के कुछ जागरूक ग्रामीणों ने बताया कि यह हाल एक नहीं अधिकांश गांव की है। लोग अपने घरों में इंधन के लिए लकड़ियों की व्यवस्था कर रहे हैं। ग्रामीण यह मानकर चल रहे हैं कि जंगल में कोरोना के संक्रमण नही है वही वन विभाग के कर्मचारी भी लॉक डाउन से ग्राम में नही आ रहे जिस कारण ग्रामीण बिना भय के जंगलों की और रुख किये हैं ।

जिला अस्पताल में इलाज नहीं मिलने से युवक की मौत

- परिजनों ने लगाया अस्पताल प्रबंधन पर आरोप
- कोरोना वायरस से तो नहीं, अन्य बिमारी से हो रही मौतें

कोण्डागांव। जिला अस्पताल कोण्डागांव में अव्यवस्था का ऐसा आलम है कि यहां कोरोना वायरस से तो नहीं, बल्कि लोगों को अन्य बिमारियों से ही मौत के मुंह में जाने को मजबुर होना पड रहा है। वर्तमान समय में कोण्डागांव जिला सहित पूरे बस्तर संभाग में निवासरत समस्त जन बडे ही भाग्यषाली हैं कि यह क्षेत्र कोरोना वायरस कोविड 19 से अब तक अछूता है और कोरोना से ग्रस्त एक भी मरीज अब तक सामने नहीं आया है। जबकि वहीं केंद्र व राज्य सरकार के आदेशो /निर्देशो का पालन बस्तर संभाग के कोण्डागांव सहित समस्त जिलों के जिला व पुलिस प्रशासन वर्तमान में जारी धारा 144 के तहत लॉक डाउन का सख्ती से पालन करते हुए, सामाजिक दुरी बनाए रखने का हर संभव प्रयास करते नजर आ रहे हैं। लेकिन इन सबके बीच जिले भर में निवासरत जनों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं देने हेतु बनाए गए, जिला अस्पताल कोण्डागांव में रविवार 29 मार्च का घटित एक ऐसा मामला प्रकाश में आया है, जिसमें एक गंभीरतम मरीज को ईलाज हेतु ले जाए जाने पर उसके चिकित्सकीय परीक्षण हेतु कोई आपातकालीन चिकित्सक मौके पर मौजुद नहीं था, बल्कि अस्पताल स्टॉफ ने कहा कि मरीज को भर्ती कर दो, डॉक्टर देख लेंगे। लेकिन मरीज की नाजुक हालत को देखते हुए मरीज का मित्र, मरीज को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कोण्डागांव में लेकर पहुंचा, जहां चिकित्सक द्वारा मरीज पंकज भागवत का स्वास्थ्य परीक्षण कर उसे आवश्यक दवाएं देकर सलाह दी गई कि यहां सुविधा नहीं है और मरीज की हालत नाजुक है, इसलिए मरीज का ईलाज जिला अस्पताल में ले जाकर कराएं। उक्त सलाह पर जब मरीज को दुबारा जिला अस्पताल ले जाया गया, पुनःजिला अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टर ने मरीज की जांचकर बताया कि मरीज की मौत हो चुकी है।जिस पर मरीज के परिचितों ने मृतक के शव को ले जाकर उसका अंतिम क्रियाकर्म कर दिया गया। इस मामले में बड़ा सवाल यह है कि जिला अस्पताल पहुंचते ही मरीज को आपातकालीन चिकित्सा सुविधा क्यों उपलब्ध नहीं हुआ ?

पीसीसी चिफ़ व कलेक्टर के सामने कलई खोली मृतक के मित्र ने अस्पताल प्रबंधन की

उक्त सभी बातें मीडिया के सामने विगत दिनों प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कोरोना सतर्क हेल्थ डेस्क परिसर में बैठक के दौरान मृतक के मित्र द्वारा जिला अस्पताल में घटित घटना से पीसीसी चिफ़ मोहन मरकाम व कलेक्टर कोण्डागांव को अवगत कराए जाने के दौरान सार्वजनिक हुई थी। कुल मिलाकर यह मान भी लें कि कोरोना वायरस कोविड 19 एक भयानक बिमारी है और जिसने पूरे विश्व के लोगों को भयभीत कर दिया है, जिससे बचने के लिए देश व राज्य सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदमों के विरुद्ध कुछ कहना ठीक नहीं है, लेकिन कोण्डागांव जिले में उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं की जो स्थितियां देखने को मिल रही है,वह चिंताजनक है। कोण्डागांव जिलावासियों को जिला अस्पताल जैसे अस्पताल में भी सभी आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं नहीं होने से छोटी-छोटी बिमारियों से ही मौत का सामना करने को बाध्य होना पड़ रहा है।

कटघोरा की दो मस्जिदों में 25 फरवरी और दो मार्च को आए 30 अन्य जमाती भी प्रशासन की निगरानी में

कोरबा। कटघोरा के पूछापारा की मक्का मस्जिद और पुरानी बस्ती की जामा मस्जिद में भी 30 मुस्लिम धर्मावलंबियों की पहचान प्रशासन ने की है। इनमें से मक्का मस्जिद पूछापारा में 14 लोग रूके हैं जोकि पिछली 25 फरवरी को कटघोरा पहुंचें हैं। इसी तरह कामठी महाराष्ट्र से 16 लोग दो मार्च को पुरानी बस्ती की जामा मस्जिद कटघोरा पहुंचें हैं। मक्का मस्जिद में रूके 14 लोगों में से 13 मुस्तफाबाद दिल्ली के रहवासी हैं जबकि एक झारखंड के गढ़वा जिले के मखातू का निवासी है। लगभग एक माह से अधिक समय पहले आये इन लोगों को भी प्रशासन ने एतिहातन मस्जिदों में ही आइसोलेशन में रखा है। जिला प्रशासन की मेडिकल टीम ने 29 मार्च को इनका स्वास्थ्य परीक्षण किया है और यह सभी लोग पूरी तरह से स्वस्थ्य हैं। इसी तरह कटघोरा की जामा मस्जिद में कामठी महाराष्ट्र के 16 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण दो बार 24 एवं 26 मार्च को मेडिकल टीम द्वारा किया जा चुका है। जिला प्रशासन द्वारा इन सभी लोगों पर कड़ी निगाह रखी जा रही है। सभी को मस्जिद से बाहर नहीं निकलने, भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर नहीं जाने और मस्जिद में रहने के दौरान आपस में एक-एक मीटर की दूरी बनाये रखने की हिदायत भी दी गई है। सभी लोगों को सर्दी, खांसी, बुखार जैसी परेशानी होने पर तत्काल कटघोरा के स्वास्थ्य केंद्र और जिला प्रशासन को सूचित करने के निर्देश दिये गये हैं।

कोरोना आपदा से निपटने जिला एनएसयूआई मदद टीम का गठन

कांकेर। छत्तीसगढ़ एनएसयूआई प्रदेश अध्यक्ष आकाश शर्मा जी के निर्देश अनुशार कांकेर जिला एनएसयूआई प्रदेश महासचिव चमन साहू प्रदेश सचिव रूहाब मेमन जिला अध्यक्ष महेन्द्र नायक द्वारा आमजनता को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से टीम तैयार की गई है जो आम जनता की मदद करेंगे आप सभीएनएसयूआई के साथी धारा 144 का विशेष ध्यान देकर जनसेवा करें।आप सभी सेनिटाईज रहे और मास्क और हैंड ग्लब्स जरूर पहने।

बेवरती सरपंच के नेतृत्व में ग्रामीणों ने किया मुख्यमंत्री सहायता कोष में 51 हजार दान

कांकेर। ग्राम पंचायत बेवरती के ग्रामवासियों द्वारा मुख्यमंत्री सहायता कोष में 51 हजार रूपये का दान किया गया है। नोवल कोरोना वायरस महामारी एवं लॉकडाउन में फंसे जरूरतमंद परिवारों के लिए ग्राम बेवरती के गणमान्य नागरियों द्वारा आज मुख्यमंत्री सहायता कोष में 51 हजार रूपये की दान की नगद राशि जिला कार्यालय में पहुंचकर कलेक्टर चौहान को सौपा।

आइएएस मो. कैसर बने विद्युत होल्डिंग कंपनी के एमडी

कोरबा । विद्युत होल्डिंग कंपनी के प्रबंध निदेशक का अतिरिक्त पदभार आइएएस मो. कैसर अब्दुलहक संभालेंगे। मो. कैसर वर्तमान में विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध निदेशक एवं निदेशक पद का दायित्व संभाल रहे हैं।

विद्युत होल्डिंग कंपनी के एमडी व डायरेक्टर का पद लंबे अरसे से रिक्त पड़ा हुआ था। इन दोनों पद का अतिरिक्त दायित्व चेयरमैन शैलेन्द्र शुक्ला संभाल रहे थे। पिछले माह शुक्ला ने विद्युत कंपनी से इस्तीफा दे दिया था। इससे कंपनी चेयरमैन, एमडी तथा डायरेक्टर का पद रिक्त हो गया था। राज्य शासन के ऊर्जा विभाग ने एक आदेश जारी कर चेयरमैन पद की जिम्मेदारी आइएएस सुब्रत साहू को सौंपी, उन्होंने कंपनी में अपना पदभार संभाल लिया। विद्युत कंपनी में होल्डिंग कंपनी को सबसे अहम माना जाता है। इसलिए प्रबंध निदेशक पद को लेकर कई अफसरों द्वारा लंबे अरसे से दावेदारी जताई जा रही थी। राज्य शासन के ऊर्जा विभाग के अपर मुख्य सचिव सुब्रत साहू ने सर्कुलर जारी कर आखिरकार इस पद का दायित्व विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध निदेशक तथा आइएएस मो. कैसर अब्दुलहक को सौंपा है। मो. कैसर होल्डिंग कंपनी में डायरेक्टर पद की भी जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। यहां यह बताना लाजिमी होगा कि मो. कैसर कोरबा में कलेक्टर पद का दायित्व भी संभाल चुके हैं।

जरूरतमंदों की सूची उपलब्ध कराएं पार्षद: आयुक्त

नवप्रदेश संवाददाता

कोरबा। नोवल कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव व नियंत्रण के लिए किए गए लॉकडाउन के दौरान जरूरतमंदों को सहायता पहुंचाने, आवश्यकतानुसार मास्क व सैनिटाइजर का वितरण करने जैसे कार्यो में पार्षदों का पूरा सहयोग मिल रहा है, लेकिन अभी और अधिक सहायता अपेक्षित है।

निगम के अधिकारी कर्मचारी सुबह से देर रात्रि तक अपने-अपने कार्यक्षेत्रों में डटे रहकर इस कठिन समय में भी अपना दायित्व निर्वहन पूरी निष्ठा के साथ कर रह हैं। अपने-अपने वार्डो के सभी जरूरतमंदों तक सहायता पहुंचाने उनकी सूची पार्षद तैयार करें, ताकि उन तक सहायता पहुंच सकें।

उक्त बातें आयुक्त राहुल देव ने बुधवार को पार्षदों के साथ संपन्न बैठक के दौरान कही। उन्होंने नोवल कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव व नियंत्रण हेतु निगम द्वारा किए जा रहे कार्यो की जानकारी देने के साथ-साथ जरूरतमंद लोगों को भोजन सामग्री या बना हुआ भोजन का वितरण किए जाने एवं इस दिशा में स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा दिए जा रहे योगदान की चर्चा की। आयुक्त देव ने पार्षदों को बताया कि निगम द्वारा अभी तक 50000 मास्क व 700 लीटर सैनिटाइजर का वितरण आप लोगों के माध्यम से ही कराया जा चुका है। आगे जैसी भी व्यवस्था बनती जाएगी, यह कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि निगम अपने संपूर्ण संसाधनों के साथ बचाव, नियंत्रण व सहायता कार्य में लगा हुआ है, इसमें आप लोगों के और अधिक सहयोग की आवश्यकता है। इस अवसर पर पार्षदों ने अनेक सुझाव भी आयुक्त देव के समक्ष रखें, जिस पर उन्होने आवश्यकतानुसार अमल करने तथा जिला प्रशासन से संबंधित सुझावों को वहां रखने का आश्वासन दिया।

जिनके राशन कार्ड नहीं उन्हें चिन्हित करें

आयुक्त देव ने कहा कि निगम के सभी वार्डो में समान रूप से सहायता पहुंचाने, मास्क व सैनिटाइजर का वितरण करनने क्रमशः वार्डो में सैनिटाइजेशन का कार्य करने आदि कार्य किए जा रहे हैं, जरूरतमंदों को खाद्य सामग्री किट अथवा बना हुआ भोजन प्रतिदिन उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होने पार्षदों से कहा कि वे अपने वार्ड के वास्तविक जरूरतमंद जिनके पास राशन कार्ड नहीं है, राशन नहीं है और राशन खरीदने के लिए पैसे नहीं है, की सूची बनाकर संबंधित जोन कमिश्नर को उपलब्ध करा दें, निगम ऐसे जरूरतमंद परिवारों को जिला प्रशासन एवं स्वयंसेवी संस्थाओं के सहयोग से राशन सामग्री उपलब्ध कराएगा।

फॉलोअप 30 मार्च को कोरोना की त्रासदी के बावजूद जमाखोरी व कालाबाजारी की खबर हमने प्रमुखता से उठाई थी

विक्रेताओं को दुकान के सामने मूल्य तालिका व निर्धारित दाम पर सामान बेचने के निर्देश

नवप्रदेश संवाददाता

कांकेर। नोवेल कोरोना वायरस कोविड19 के संक्रमण से बचाव एवं नियंत्रण के लिए लॉकडाउन के दौरान जिले में अति आवश्यक सेवाओं से जुड़े प्रतिष्ठानों को निर्धारित समय तक खोलने और निर्धारित तय दाम पर बेचने कलेक्टर काँकेर द्वारा कहा गया है। बता दे की हमने 30 मार्च 2020 को कोरोना वायरस के बावजूद निर्धारित दर से अधिक पर खाद्य सामाग्री बेचने की खबर को बड़ी ही प्रमुखता से प्रकाशित किया गया था। खबर प्रकाशन के बाद काँकेर कलेक्टर ने किराना दुकानों में जमाखोरी व अधिक दाम में बेचने वालो के खिलाफ इस संकट की घड़ी में कालाबाजारी करने वालो पर कड़ी कार्यवाही की चेतावनी भी दिया गया था। जमाखोरी और कालाबाज़ारी की लगातार मिल रही शिकायत के बाद 1 अप्रैल को पत्र जारी कर

नवप्रदेश में प्रकाशित खबर

सख्त निर्देश के बाद भी नहीं थम रही कालाबाजारी

उपभोक्ताओं को वाजिब मूल्य पर सामाग्री उपलब्ध कराना सुनिश्चित करने के लिए कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी के.एल. चौहान द्वारा जिले के सभी थोक एवं खुदरा सामाग्री विक्रेताओं को अपने दुकान के सामने दीवार पर या किसी स्थाई बोर्ड पर संलग्न प्रारूप अनुसार प्रतिदिन की मूल्य तालिका प्रदर्शित करने के लिए निर्देशित किया गया है। उन्होंने कहा कि यदि मूल्य तालिका अपडेट नहीं है अथवा नहीं लगी है तो उक्त दुकान को नहीं खोला जाना चाहिए। समस्त दुकानदार, व्यापारीगण यह सुनिश्चित करेंगे कि किसी सामाग्री को प्रतिदिन अपडेट मूल्य तालिका में अंकित मूल्य से या एमआरपी से ज्यादा मूल्य पर विक्रय नहीं करेंगे तथा जहां तक संभव हो ग्राहकों को होम डिलिवरी की सुविधा उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे।

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री चौहान ने कहा है कि समस्त दुकानदार एवं व्यापारीगण उक्त आदेश का अनिवार्यतः पालन करेंगे। इस आदेश का उल्लंघन करने पर ग्राहकों द्वारा जिला कार्यालय के कंट्रोल रूम नम्बर 07868-241249 में शिकायत दर्ज कराई जा सकती है, जिसके आधार पर संबंधित दुकानदार एवं व्यापारी के विरूद्ध दण्डात्मक कार्यवाही की जाएगी। यह आदेश तत्काल प्रभावशील हो गया है।

कलेक्टर श्री चौहान ने उपभोक्ताओं से कहा है कि दुकानदार एवं व्यापारी द्वारा मूल्य तालिका में अंकित मूल्य से या अंकित एमआरपी से अधिक मूल्य पर सामान बेचने पर इसकी शिकायत कलेक्टर कार्यालय कांकेर उक्त कंट्रोल रूम नम्बर पर दर्ज करा सकते हैं।

नवरात्रि में मंदिरों से नदारद श्रद्धालु, अष्टमी में भी सन्नाटा

■ 100 की अवधि में इस बार पहली बार ऐसा अवसर आया है जब मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ नही रही।

मुंगेली। नवरात्रि पर्व इस बार मंदिरों मे श्रद्धालु की भीड़ नही दिखी जानकार लोगो का कहना है कि 100 की अवधि में इस बार पहली बार ऐसा अवसर आया है जब मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ नही रही। श्रद्धालु ज्योति कलश भी नही जलाये। यहा तक की अष्टमी के दिन मंदिरों में भारी भीड़ लगती थी और भीड़ को नियत्रित करने में मंदिर के कर्मचारी, ट्रस्टी व पुलिस की मद्द लेनी पड़ती थी लेकिन इस बार ऐसा दृश्य देखने में नही आया जो कि कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए प्रशासन ने अपील की थी जिस पर हिन्दु अनुयायी-श्रद्धालुओं ने राष्ट्रीय आपदा में खुले दिल से सहयोग कर अपनी धार्मिक व वैचारिक उदारता के परिचत देते हुए लोगो ने ज्योति कलश नही जलवाएं और पूजा-पाठ घर पर ही करते रहे।

नवरात्रि पर्व पर इस बार महामाई मंदिर सोनारपारा, शक्तिमांई मंदिर, कालीमाई मंदिर खर्रीपारा, , बड़की माई महामाया मंदिर दाऊपारा सहित नगर व ग्रामीण क्षेत्रों के मंदिरों में सन्नाटा पसरा

रहा। मंदिर में पुजारी व ट्रस्टी पूजा अर्चना करते रहे और इसमें सोशल डिस्टेंस का ध्यान रखा गया, इसके साथ ही यदा-कदा विशेष श्रद्धालु मंदिर जाकर दर्शन भी किए, मंदिर के पूजारी उन्हें दर्शन के बाद तुरंत जाने के लिए कहते रहे और श्रद्धालु उसका पालन किये। अष्टमी के दिन प्रसाद चढ़ाने की परम्परा रही है जो इस बार भीड़ विहिन दिखाई दी एस.डी.एम. चित्रकांत चार्ली ठाकुर, तहसीलदार अमित सिन्हा मंदिरों में भीड़ न बढ़े व सोशल डिस्टेंस इसके लिए मंदिरों का जायदा लेकर निर्देश देते रहे कि किसी भी सूरत में भीड़ न बढ़े और जिसके चलते श्रद्धालु एक-एक कर प्रवेश करते रहे और पहली बार श्रद्धालुओं को अष्टमी में भीड़ में लाइन नही लगाना पड़ा।

पिछले बार नवरात्रि में 3675 ज्योति कलश जले थे जो इस बार नही जले प्रत्येक मंदिर में एक माई ज्योति कलश जलाया गया था, अपवादिक रूप से एक-दो मंदिरों में दो और तीन ज्योति कलश जले।

मुंगेली क्षेत्र में आस्था व मनोकामना के 3675 ज्योति कलश श्रद्धालुओं ने जलवाये है। सबसे अधिक ज्योति कलश मॉ अष्टभुर्जी देवी हथनीकलॉ में 1066 ज्योति कलश जिसमें 902 तेल व 164 घी के, महामाई मंदिर सोनारपारा में 579 ज्योति कलश तेल 474 व घी 105, शक्तिमांई मंदिर में 470 ज्योति कलश जिसमे घी 78 एवं तेल 392, कालीमाई मंदिर खर्रीपारा में 252ज्योति कलश जिसमें तेल 201, जवारा 51, बड़की माई महामाया मंदिर दाऊपारा में 371 ज्योति कलश तेल 283 व घी 35 व जेवारा 53, कालीमाई मंदिर गीधा में 267 ज्योति कलश तेल 237 व घी 25, गीधा महामाया में 81 तेल 51 जवारा 30, जवारा 5, महामाया मंदिर मल्हापारा में 136 ज्योति कलश तेल 86, जवारा 50, शारदा मंदिर में 46 ज्योति कलश तेल 44 घी 2, महामाई मंदिर करही में 46 ज्योति कलश तेल 44 व घी 2, जय मॉ दुर्गे मंदिर मुंगेली में 56 ज्योति कलश जिसमें तेल 54 घी 2, निरजाम बुढ़ीमाता मंदिर में 185 तेल, जोगीपुर महामाया में 97 तेल, परमेश्वरी अगारमोति माता घी 23, ज्योति कलश प्रज्जवलित किये गये है।

कोरोना वायरस से निपटने के लिए कमिश्नर बंजारे ने की तैयारियों की समीक्षा

मुंगेली। बिलासपुर राजस्व संभाग के कमिश्नर बी.एल बंजारे एवं आई जी. दीपांशु काबरा ने आज यहां स्थानीय विश्राम भवन में कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर नोवेल कोरोना वायरस से निपटने के लिए की गई तैयारियों, और लॉकडाउन की अवधि में निर्धन, बेघर, निराश्रित और मजदूरों के दो वक्त की भोजन और राशन की उपलब्धता की समीक्षा की ।

बैठक में कमिश्नर श्री बंजारे ने कहा कि नोवेल कोरोना वायरस से संक्रमण से निपटना एक चुनौती पूर्ण कार्य है। इस चुनौती को स्वीकार कर मुश्तैदी से कार्य करना होगा। इस अवसर पर उन्होने निर्धन, बेघर, निराश्रित और मजदूरों को दो वक्त की भोजन और राशन उपलब्ध कराने के निर्देश दिये । बैठक में उन्होने मुंगेली जिले से रोजी-रोटी के लिए अन्य राज्य जाने वाले लोगों के बारे में भी जानकारी प्राप्त की और अन्य राज्यों के जिला प्रशासन के अधिकारियों से संपर्क स्थापित कर उन्हे भोजन, दवाई, राशन आदि उपलब्ध कराने के निर्देश दिये । इसी क्रम में उन्होने विदेशों से आने वाले लोगों और होम आईसोलेशन की स्थापना के संबंध में जानकारी प्राप्त की, बैठक में नोवेल कोरोना वायरस की संक्रमण से बचाव के लिए आई जी. दीपांशु काबरा ने कहा कि जो व्यक्ति जहां है उन्हे वही रहने के लिए समझाईश दी जाए। बेवजह घर से निकलने और घुमने वालों, सार्वजनिक स्थानों पर मिटिंग करने वालो के प्रति सख्ती बरतने के निर्देश दिये , बैठक में उन्होने जिले के सीमाओ पर बनाये गये चेक पोस्टों की जानकारी प्राप्त की । उन्होने सीमावर्ती राज्यों तथा अन्य प्रदेशों से आने वाले लोगों पर सत्त निगाह रखने के निर्देश दिये।

बच्चों, गर्भवती महिलाओं को घर-घर पहुंचाकर दिया जा रहा रेडी-टू-ईट फूड

सूरजपुर । कोरोना वायरस (कोविड-19) के संक्रमण की रोकथाम के लिए छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा उठाए गए कदमों के तहत आंगनबाड़ी केन्द्रों को आगामी आदेष तक बंद रखा गया है। पूरा देश कोरोना वायरस से लड़ रहा है। मुख्यमंत्री भुपेष बघेल के निर्देषन पर इस दौरान प्रदेष के 6 माह से 6 साल तक के बच्चों, गर्भवती व षिषुवती माताओं तथा किषोरी बालिकाओं को पूरकपोषणआहार की नियमित रूप से उपलब्धता के लिए निर्देष दिये गये हैं। जिसके परिपालन में सूरजपुर जिले में महिला एवं बाल

विकास विभाग द्वारा आंगनबाडी एवं स्वसहायता समूह की कार्यकर्ता के माध्यम से आंगनबाड़ी केन्द्र के बच्चों, गर्भवती-शिशुवती महिलाओं को उनके घर-घर जाकर रेडी-टू-ईट फूड वितरण किया जा रहा है। आंगनबाडी कार्यकर्ताओं द्वारा रेडी-टू-ईट फूड पैकेटों के वितरण के दौरान पूरी सुरक्षा निर्देषों का भी पालन किया जा रहा हैं। वहीं महिलाएँकोरोना वायरस से बचाव के प्रति बच्चों और महिलाओं के साथ ग्रामीणों को भी जागरूक करने में पूरा सहयोग कर रही है। बच्चों को साफ-सफाई, हाथ धोने एवं सोशल डिस्टेंसिंग, (सामाजिक दूरी) रखने बताया जा रहा है। कोरोना वायरस के चलते वर्तमान में जिले के आंगनबाड़ी केन्द्र अस्थायी रूप से बंद है।

जिले की 2002 आंगनबाड़ी केन्द्रों में दर्ज बच्चों, गर्भवती और शिशुवती समेत कुल 97995 हितग्राहियों को रेडी-टू-ईट फूड घर-घर जाकर वितरण किया जा रहा है। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग श्री मुक्तानंद खुटे ने बताया कि अप्रैल से इन सभी 97995 महिलाओं और बच्चों को एक-एक माह का रेडी-टू-फूड का वितरण किया जाएगा।

मॉ शक्ति स्वसहायता समूह की मीना शुक्ला और अंजना ठाकुर ने ग्यारह हजार का चेक मुख्यमंत्री सहायता कोष के लिए दिया

मुंगेली। नोवेल कोराना (कोविड-19) के वैश्विक संक्रमण को देखते हुए जिले के कई सामाजिक संगठनों और समाज सेविओं द्वारा मुख्यमंत्री सहायता कोष एवं जिला सहायता कोष के लिए मुक्त हस्त से दान देने का सिलसिला जारी है। जिले के सभी ब्लाको से मुख्यमंत्री सहायता कोष एवं जिला सहायता कोष के लिए समाजसेवी संस्थाओ द्वारा दान देने का सिलसिला बदस्तुर जारी है।

इसी कड़ी मे आज मुंगेली जिले के मॉ शक्ति स्वसहायता समूह की श्रीमति मीना शुक्ला और श्रीमति अंजना ठाकुर ने जिला सहायता कोष के लिए कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे को ग्यारह हजार रूपये की राशि का चेक भेंट किया । कलेक्टर डॉ. भुरे ने ग्यारह हजार रूपये का चेक प्रदान करने पर श्रीमति श्रीमति मीना शुक्ला और श्रीमति अंजना ठाकुर के प्रति अभार व्यक्त किया । इस अवसर पर सुशील शुक्ला, प्रमोद पाठक, सुनील लखवानी, जयकुमार ताम्रकार और जिला पंचायत की मुख्य कार्य पालन अधिकारी श्रीमति नुपूर राशि पन्ना भी मौजूद थी।

कोयले से लदी ट्रक में जा रहे थे 21 लोग, सूरजपुर पुलिस ने पकड़ा

■ कोयला लोड़ ट्रक जप्त कर पुलिस ने वाहन चालक के विरूद्ध पंजीबद्ध किया मामला

■ बिलासपुर से बनारस-गाजीपुर उत्तरप्रदेश के लिए हुए थे रवाना

सूरजपुर। जिले की पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान बैरियर पर एक ट्रक को रोककर चेक किया जिसमें कोयला लोड था और तिरपाल के नीचे 21 लोग बैठे हुए थे। पुलिस ने ट्रक जप्त कर वाहन चालक के विरूद्ध धारा 188 भारतीय दण्ड संहिता के तहत् कार्यवाही किया है।

पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री राजेश कुकरेजा के निर्देशन में पुलिस के अधिकारी-कर्मचारी पूरी सजगता के साथ बैरियर लगाकर वाहनों की चेकिंग कर रही है। मंगलवार 31 मार्च 2020 को जिला सूरजपुर अन्तर्गत चौकी लटोरी की पुलिस बैरियर पर वाहनों की चेकिंग कर रही थी इसी दौरान अम्बिकापुर रोड़ तरफ से ट्रक क्रमांक यूपी 65 एचटी 2623 आया जिसे रोककर चेक किया गया, ट्रक में कोयला लोड़ था जो तिरपाल से ढका हुआ था तिरपाल के नीचे 21 व्यक्ति बैठे थे। ट्रक चालक से पूछताछ किए जाने पर उसने बताया कि बिलासपुर से बनारस-गाजीपुर उत्तरप्रदेश जा रहे थे।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि कोरोना वायरस के संक्रमण की रोकथाम के लिए शासन के निर्देशानुसार बाहरी लोगों के जिले में प्रवेश रोकने के उद्धेश्य से जिले की पुलिस बैरियर लगाकर आने-जाने वाले वाहनों की चेंकिग कर रही है। लॉकडाउन व शासन के तालाबंदी के आदेश के बावजूद बाहरी लोगों को सड़क मार्ग से लेकर आने के संबंध में ट्रक चालक से दस्तावेज की मांग करने पर कोई वैध पास परमिट प्रस्तुत नहीं किया, ट्रक पूरा कोयला से भरा हुआ था। लॉकडाउन के बावजूद कोरोना वायरस के संक्रमण को जानते हुए शासन-प्रशासन के आदेशों का अवहेलना कर मानव जीवन स्वास्थ्य एवं सुरक्षा को संकट उत्पन्न करने का कार्य ट्रक चालक के द्वारा किया गया। मौके से ट्रक को जप्त कर वाहन चालक के विरूद्ध धारा 188 भारतीय दण्ड संहिता के तहत् मामला पंजीबद्ध किया है। पुलिस ने सभी लोगों को प्रशासन के द्वारा बनाए गए आश्रय स्थल माध्यमिक शाला महेशपुर में सुपुर्दनामे पर दिया है जो सभी वहां रूके हुए है इनके खाने-पीने की व्यवस्था प्रशासन ने कराई है और सभी लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण डॉक्टरों की टीम के द्वारा किया जा चुका है।

सुरक्षित तौर पर आराध्य माता कुदरगढी का दर्शन, आरती घर बैठे ही कर रहे श्रद्धालु

सूरजपुर । दर्शकों के आस्था का केंद्र माता कुदरगढी धाम में नवरात्रि पर हर दिन हजारों की संख्या में स्थानीय सहित पड़ोसी राज्य मध्यप्रदेष, उत्तरप्रदेष व झारखण्डसें श्रद्धालुगण पहुंच कर माता का दर्शन, आरती सहित अपनी मन्नतों को लेकर जिलें के ओड़गी ब्लाक में पहुॅचते हैं।

लेकिन इस दफाकोरोना वायरस संक्रमण व प्रभाव से बचाव के लिए मेला को स्थगित करनें के साथ एहतियातन सुरक्षा के साथ आस्था के इस केंद्र की महत्ता को समझते हुए कलेक्टर दीपक सोनी ने लॉकडाउन में सुरक्षित रूप से सबसे अधिक उपयोग होनेंवालेंसोशलसाइटों पर माता कुदरगढी की आरती व दर्शन के लिए लाईव चैत्रनवरात्र के पहले दिन से शुरू कराया गया है। इस पहल सें हजारों श्रद्धालुगणों के लिए मायुसी की जगह उत्साह से सहपरिवार अपने घरों पर ही आनलाईन दर्शन के साथ आरती में भाग लें रहे हैं। अबतक माता की आरती को 31 हजार बार फेसबुक पर देखा गया है इसके अलावा अन्य पोर्टलों इंस्टाग्राम व ट्विटर में भी श्रद्धालु लाईव लिंक से जुड़ रहें हैं। बहरहाल आपको बताते चलें कि आज चैत्र नवरात्रि का आठवां दिन है जो महाष्टमी या दुर्गाष्टमी के नाम से जाना जाता है। चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि को मां दुर्गा के आठवें स्वरूप मां महागौरी की पूजा विधि विधान से की जाती है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

बचाव, राहत के निर्देशों...

सुब्रत साहू, स्वास्थ्य विभाग की सचिव निहारिका बारिक सिंह इस अवसर पर उपस्थित थे।

चिकित्सा उपकरणों की उपलब्धता पर दिया जोरः मोदी ने सभी राज्यों से किसानों से अनाज की खरीद के लिये कृषि उत्पाद बाजार समिति (एपीएमसी) के अलावा दूसरे प्लेटफॉर्म पर विचार करने को कहा। प्रधानमंत्री ने जरूरी चिकित्सा उत्पादों की अपूर्ति बनाये रखने, दवा के उत्पादन के लिये कच्चे माल एवं चिकित्सा उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित की जरूरत पर भी बल दिया। मोदी ने कहा कि कोविड-19 मरीजों के लिये अलग से समर्पित अस्पतालों की जरूरत है। इस बैठक में प्रधानमंत्री के अलावा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह एवं शीर्ष अधिकारी शामिल हुए। प्रधानमंत्री ने कोरोना से निपटने के लिए छत्तीसगढ़ के साथ ही अन्य राज्यों द्वारा किए जा रहे प्रयासों की भी सराहना की है।

गुरूजनों से अपील...

गांव, परिवार और समाज को स्वस्थ्य और सुरक्षित रखना है। उन्होंने गुरूजनों से अपील की है कि कोरोना के संक्रमण से बचाव के लिए सबसे कारगर उपाय सामाजिक दूरी बनाए रखने के साथ ही हाथों की स्वच्छता बनाए रखना भी है, इसका अनिवार्य रूप से पालन कराने में सक्रिय भूमिका अदा करें।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को लिखा छत्तीसगढ़ी में पत्र : मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रदेश की सभी आंगनबाढ़ी कार्यकर्ताओं को छत्तीसगढ़ी में पत्र लिखकर कहा है कि इस संकट की घड़ी में आप लोगों को फिर से गंभीर जिम्मेदारी निभाने की जरूरत है। आपकी जिम्मेदारी है कि आप खुद के स्वास्थ्य के साथ-साथ बच्चों और माताओं के स्वास्थ्य का ध्यान रखें और उनकों पोषण आहार उपलब्ध कराएं। मुख्यमंत्री ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं से कहा कि मिलके लड़बो अऊ कोरोना ला हराबो।

शासकीय अधिकारी-कर्मचारियों के...

ने राज्य के सभी निजी औद्योगिक और व्यापारिक संस्थानों से भी यह कहा है कि वे लॉकडाउन के दौरान अपने कर्मियों का वेतन न काटे। यदि कोई कर्मचारी स्वेच्छा से आर्थिक योगदान करना चाहे तो कर सकता है। बता दें कि अन्य राज्यों में कोरोना संकट के लिए अंशदान के तौर पर सरकारी कर्मियों के वेतन से कटौती का आदेश दिया है। एकमात्र छत्तीसगढ़ राज्य ही है जो अपने सरकारी कर्मचारियों की पगार में से कोई भी अनिवार्य कटौती नहीं करेगा।

इंदौर में जांच के लिए...

अगर पुलिस साथ न होती, तो उनका बचना भी नामुमकिन था। भीड़ के हमले में बाल-बाल बचीं वो डॉक्टर अभी तक खौफमें हैं। बंद शहर में घर से निकल सफाई में जुटे इंदौर का एक सफाई कर्मी भी भीड़ के इस रुख से हैरान है। उसका सवाल था- आखिर हमारा कसूर क्या है? कुछ इसी तरह की रूह कंपा देने वाली घटना बंगलुरु की उस आशा वर्कर ने भी बताई जो, भीड़ के हमले में बाल-बाल बचीं।

पॉजिटिव कॉन्टेक्ट की मिली थी हिस्ट्रीः महिला डॉक्टर ने बताया, 'हमें पॉजिटिव कॉन्टेक्ट की हिस्ट्री मिली थी, इसलिए वहां गए थे। हमारे साथ एएनएम और आशा कार्यकर्ता भी थीं। साथ में तहसीलदार भी थे।' उन्होंने कहा कि यह तो अच्छा था कि हमारे साथ में पुलिस फोर्स थी। हम बचकर आ गए, वरना बच नहीं सकते थे। डॉक्टर ने बताया कि लोगों को अचानक भड़काया गया। उन्होंने बताया, 'शुरू में सभी लोग शांति के साथ स्क्रीनिंग करवा रहे थे। फिर अचानक न जाने क्या हुआ।' वह बताती हैं, 'इस अचानक हुए हमले से हम बहुत डर गए थे। हमारे पैरों पर जोर-जोर से पत्थर पड़ने लगे थे। सर किसी तरह से कार में बिठाकर मौके से बचाकर ले गए।

कोरोना से निपटने..

इसके अलावा कई क्वारंटाइन की सुविधाएं देश के कई हिस्सों में काम कर रही हैं।

3 दिन में 25 टन सप्लाई पहुंचाई : वायुसेना ने बताया कि उसके विमानों ने पिछले 3 दिन में 25 टन सप्लाई को गंतव्य तक पहुंचाया है। वायुसेना ने बताया कि पूरे देश में मांग पूरी करने के लिए उसने अपने सभी ट्रांसपोर्ट बेड़े को तैयार रखा है। सी-17 हेवी लिफ्टर, एएन-32 ट्रांसपोर्ट एयरक्रॉफ्ट और सी-130 जे स्पेशल ऑपरेशन एयरक्रॉफ्ट को सिविल प्रशासन के आग्रह पर ऐक्टिव किया जा रहा है।

छोटे विमानों को भी लगाया मोर्चे पर : वायुसेना और नौसेना छोटे डॉनियर विमान को भी सप्लाई से मोर्चे पर लगा रखा है। ये दोनों सेनाएं मेडिकल टीम द्वारा टेस्ट किए जा रहे सैंपल को तत्काल सही जगह पहुंचा रही है। वायुसेना के प्रवक्ता ने कहा, 'मेडिकल सप्लाई जैसे पर्सनल प्रोटेक्टिव इक्यूपमेंट, हैंड सेनेटाइजर्स, सर्जिकल गलव्स, थर्मल स्कैनर और मेडिकल कर्मचारियों को एक-जगह से दूसरे जगह पहुंचाया जा रहा है।'

पड़ोसी देशों को भी दी जा रही है मददः आर्म्ड फोर्सेज मेडिकल सर्विस जल्द ही नेपाल को मेडिकल मदद भेजने वाली है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के आदेश के बाद सेना चीफजनरल एमएम नरवणे खुद मामले की निगरानी कर रहे हैं।

निषेधाज्ञा का उल्लंघन करने वाले दस व्यक्तियों के विरूद्ध प्रकरण पंजीबद्ध

मुंगेली। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी डॉ. सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे द्वारा नोवेल कोरोना वायरस (काविड-19) के संक्रमण की रोकथाम के लिए आपदा प्रबंधन एक्ट 2005 की विभिन्न धाराओं के तहत संपूर्ण मुंगेली जिले में धारा 144 (निषेधाज्ञा) जारी किया गया है। इस दौरान जिले मे स्थित मंदिर, मस्जिद, मजार, गुरूद्वारा, चर्च तथा अन्य धार्मिक स्थल, मेला, सभा, रैली, धरना इत्यादि में आम नागरिको को एकत्र होने से प्रतिबंधित किया गया है। इसके अंतिरिक्त अति आवश्यक सेवाओं को छोडकर अन्य सभी सेवा, प्रतिष्ठान 14 अप्रैल तक बंद रहेगी।

कोरोना से निपटने सांसद निधि से 1 करोड़ रु. जारी

■ सांसद साव ने एक माह की तनख्वाह प्रधानमंत्री राहत कोष में देने की घोषणा

मुंगेली। क्षेत्रीय सांसद अरुण साव ने अपनी सांसद निधि से 1 करोड़ रुपए कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए प्रधानमंत्री सहायता कोष में देने की घोषणा की है। इसके साथ ही उन्होंने एक लाख रुपए की तनख्वाह को भी पीएम सहायता कोष में दान कर दिया है।

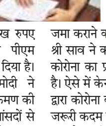

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कोविड-19 के बढ़ते संक्रमण की रोकथाम के लिए सभी सांसदों से संसदीय निधि से एक करोड़ रुपए एवं एक लाख रुपए की तनख्वाह को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय सहायता कोष को दान करने की अपील की थी। श्री मोदी के निर्देश पर सांसद श्री साव ने कोरोना की रोकथाम के लिए संसदीय निधि से एक करोड़ रुपए जारी कर दिया है। साथ ही एक लाख रुपए की तनख्वाह को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय सहायता कोष में जमा कराने की घोषणा कर दी है। श्री साव ने कहा है कि पूरे देश में कोरोना का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। ऐसे में केन्द्र और राज्य सरकार द्वारा कोरोना की रोकथाम के लिए जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। इसी क्रम में यह निर्णय उन्होंने किया है।

उज्जवला योजना के उभोक्ताओं को तीन माह मुक्त सिलेण्डर देने की घोषणा

मुंगेली। भारत सरकार द्वारा उज्जवला योजना के उभोक्ताओं को अप्रैल से जून 2020 तीन माह की मुक्त रिफिल देने की घोषणा की। प्रधानमंत्री योजना के लाभार्थी को 14.2 किलोग्राम के एलपीजी सिलेन्डर दिये जायेगें जो प्रतिमाह एक सिलेन्डर के मानक से दिये जायेगें। उज्जवला लाभार्थीयो कें लिए लिंक किये गए बैंक के खाते में अग्रिम रूप से सिलेन्डर की राशि स्थानतरित कर दी जायेगी। ताकि उपभोक्ता सहजता से सिलेन्डर प्राप्त कर सकेगें। लाभार्थी प्रतिमाह 1 सिलेन्डर के हकदार होगें और सिलेन्डर प्राप्ति के 15 दिन बाद ही दूसरी सिलेन्डर की बुंकिंग कर सकेगें।

चंद दिनों में बना मंडी बाजार सूरजपुर की पहचान

■ किसानों की हितों के लिए साथ है जिला प्रशासन

सूरजपुर। आज कलेक्टर दीपक सोनी स्टेडियम परिसर में संचालित मंडी बाजार का निरीक्षण कर किसानों से बात कर स्थिति के संबंध में रूबरू हुए और सुरक्षा के

मानको का पालन सहित कोरोना महामारी से लड़ाई में सभी के सहयोग से सूरजपुर को जीत मिलेगी इसपर चर्चा के दौरान यहां पहुंचे किसानों, व्यवसायीओ और लोगों से चर्चा कर उत्साहवर्धन करते हुए, समस्याओं पर हर समय जिला प्रशासन उनके साथ बताया और किसी भी समस्या पर संवाद सूरजपुर के हेल्पलाईन नंबर पर फोन कर अवगत कराने को कहा है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक यशवंत धोटे द्वारा बंसल स्कूल कैम्पस, अशोक विहार कॉलोनी, पण्डरी से मुद्रित कर कुबेर प्लाजा शॉप नं. 226 सेकंड फ्लोर लिंक रोड बिलासपुर से प्रकाशित, संपादक- रविशंकर शुक्ला*
RNI NO.CHHHIN/2015/62431, डाक पंजीयन क्रमांक जी.2-112/सी.जी./बी.एल.पी./108/2020-2022, email: navpradesh@gmail.com, फोन व फैक्स : 07752-400878

सरकार की सुनें, एक जगह जमा होकर अराजकता न फैलाएं : रहमान

दिल्ली के निजामुद्दीन स्थित मरकज में तबलीगी जमात के धार्मिक कार्यक्रम की वजह से देश में कोरोना के केस बढ़ गए हैं। इस मामले में बॉलीवुड सेलेब्स भी अपनी नाराजगी जाहिर कर रहे हैं। हाल ही में ऋषि कपूर और नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने इस पर अपनी प्रतिक्रिया दी थी। अब दिग्गज सिंगर और म्यूजिक कंपोजर एआर रहमान ने भी तबलीगी जमात को लेकर लोगों से खास अपील की है।

रहमान ने देश के डॉक्टरों, नर्सों और कर्मचारियों का मनोबल बढ़ाते हुए एक ट्वीट किया है, जिसमें उन्होंने ऐसे धार्मिक कार्यक्रमों की ओर इशारा करते हुए इसे गलत ठहराया है। रहमान ने लिखा, 'यह मैसेज उन सभी डॉक्टरों, नर्सों और उन कर्मचारियों का धन्यवाद कहने के लिए है, जो पूरे भारत के हॉस्पिटल और क्लीनिक में दिलेरी से काम कर रहे हैं।

अमिताभ बच्चन का ट्वीट हुआ वायरल

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन का एक ट्वीट वायरल हो गया है। कोरोना वायरस को लेकर पूरे देश में लॉकडाउन चल रहा है। अमिताभ सोशल मीडिया पर लगातार अपने फैन्स के साथ संपर्क भी बनाए हुए हैं।उनके ट्वीट खूब वायरल होते हैं, और कई बार वह ट्रोल्स के निशाने पर भी आ जाते हैं। अमिताभ का एक ट्वीट खूब पढ़ा जा रहा है जिसमें उन्होंने बहुत ही दिलचस्प बात कही है। अमिताभ ने ट्वीट किया, उनका काम है बोलना, हमारा करना। वो कर सकते तो समय ना होता बोलने का। बोलते इस लिए हैं, क्यूँकि कुछ ना करने से उन्हें समय मिलता है बोलने का।

कोरोना से जंग में अजय-कंगना ने दिया डोनेशन

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड के सिंघम स्टार अजय देवगन और अभिनेत्री कंगना रनौत ने कोरोना वायरस (कोविड-19) के खिलाफ लड़ाई में डोनेशन दिया है। इन दिनों भारत कोरोना वायरस से लड़ रहा है। कुछ दिनों पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोरोना से लड़ने के लिए लोगों से डोनेशन की अपील थी जिसके बाद तमाम सेलेब्रिटीज आगे बढ़कर डोनेशन कर रहे हैं। अब इस लिस्ट में अजय देवगन और कंगना रनौत का नाम भी जुड़ गया है। अजय देवगन ने फेडरेशन आफवेस्टर्न इंडिया सिने एम्पलाईज (एएफडब्ल्यूआईसीई) की आगे आकर मदद की है। इस फेडरेशन से करीब पांच लाख लोग जुड़े हुए हैं।

लॉकडाउन: सारा का क्लास्किल डांस में जबरदस्त मूव्स

बॉलिवुड की उभरती हुई ऐक्ट्रेस सारा अली खान ने अपनी परफॉर्मेंस से लोगों का ध्यान खींचा है। सारा अली खान ने अभी तक 'केदारनाथ', 'सिंबा' और 'लव आज कल' जैसी फिल्मों में काम किया है। इसके अलावा वह सोशल मीडिया पर काफी ऐक्टिव रहती हैं और आए दिन अपने से जुड़े वीडियोज और फोटोज शेयर करती रहती हैं। अब उन्होंने अपने क्लास्किल डांस के प्रैक्टिस सेशन का एक वीडियो शेयर किया है।

इंस्टाग्राम पर शेयर किया वीडियो

सारा अली खान ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपने फैंस के लिए एक विडियो शेयर किया है। इसमें आप देख सकते हैं कि वह भारतीय परिधान में नजर आ रही हैं और एक अन्य लड़की के साथ क्लास्किल डांस कर रही हैं। इसमें ऐक्ट्रेस के डांस मूव्स और उनके एक्सप्रेशन देखने वाले हैं। इसके साथ सारा अली खान ने लिखा, 'बड्ढ.. हैपी उत्कल दिबस..'

देश में 21 दिन का लॉकडाउन

बताते चलें कि कोरोना वायरस के बढ़ते प्रकोप के चलते इस समय देश में 21 दिन का लॉकडाउन चल रहा है। इस दौरान सभी अपने घर पर हैं और कुछ ना कुछ ऐक्टिविटी कर रहे हैं। लॉकडाउन के दौरान स्टार्स अपने घरों पर करने वाले कार्यों को सोशल मीडिया पर शेयर करते रहते हैं।

सारा अली खान की फिल्में

वर्कफ्रंट की बात करें तो सारा अली खान अब फिल्म 'कुली नं. 1' में वरुण धवन के साथ नजर आएंगी। डेविड धवन के डायरेक्शन में बनी यह फिल्म 1 मई को रिलीज होगी। इसके अलावा वह डायरेक्टर आनंद एल राय की फिल्म 'अतरंगी रे' में भी नजर आएंगी। इस फिल्म में उनके साथ अक्षय कुमार और धनुष दिखाई देंगे। यह फिल्म 21 फरवरी, 2021 को रिलीज होगी।

सौन्दर्य और अभिनय का अनूठा संगम है जयाप्रदा

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड में जया प्रदा का नाम उन गिनी-चुनी अभिनेत्रियों में हैं जिनमें सौंदर्य और अभिनय का अनूठा संगम देखने को मिलता है। महान फिल्मकार सत्यजीत रे जयाप्रदा के सौंदर्य और अभिनय से इतने अधिक प्रभावित थे कि उन्होंने जयप्रदा को विश्व की सुंदरतम महिलाओं में एक माना था। सत्यजीत रे उन्हें लेकर एक बांग्ला फिल्म बनाने के लिये इच्छुक थे लेकिन स्वास्थ्य खराब रहने के कारण उनकी योजना अधूरी रह गयी।

जया प्रदा (मूल नाम ललिता रानी) का जन्म आंध्रप्रदेश के एक छोटे से गांव राजमुंदरी में तीन अप्रैल 1962 को एक मध्यमवर्गीय परिवार में हुआ। उनके पिता कृष्णा तेलुगु फिल्मों के वितरक थे। बचपन से ही जयाप्रदा का रूझान नृत्य की ओर था। उनकी मां नीलावनी ने नृत्य के प्रति उनके बढ़ते रूझान को देख लिया और उन्हें नृत्य सीखने के लिये दाखिला दिला दिया। चौदह वर्ष की उम्र में जयाप्रदा को अपने स्कूल में नृत्य कार्यक्रम पेश करने का मौका मिला जिसे देखकर एक फिल्म निर्देशक उनसे काफी प्रभावित हुये और अपनी फिल्म 'भूमिकोसम' में उनसे नृत्य करने की पेशकश की लेकिन उन्होंने इस प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया। बाद में अपने माता-पिता के जोर देने पर जयाप्रदा ने फिल्म में नृत्य करना स्वीकार कर लिया इस फिल्म के लिए जयाप्रदा को पारश्रमिक के रूप में महज 10 रुपये प्राप्त हुये लेकिन उनके तीन मिनट के नृत्य को देखकर दक्षिण भारत के कई फिल्म निर्माता -निर्देशक काफी प्रभावित हुये और उनसे अपनी फिल्मों में काम करने की पेशकश की जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया। वर्ष 1976 जयाप्रदा के सिने कैरियर का महत्वपूर्ण वर्ष साबित हुआ। इस वर्ष उन्होंने के.बालचंद्रन की अंथुलेनी कथा, के.विश्वनाथ की श्री श्री मुभा और वृहत पैमाने पर बनी एक धार्मिक फिल्म 'सीता कल्याणम' में सीता की भूमिका निभाई। इन फिल्मों की सफलता के बाद जयाप्रदा दक्षिण भारत में अभिनेत्री के रूप में अपनी पहचान बनाने में कामयाब हो गयीं। वर्ष 1977 में जयाप्रदा के सिने कैरियर की एक और महत्वपूर्ण फिल्म 'आदावी रामाडु' प्रदर्शित हुयी जिसने टिकट खिड़की पर नये कीर्तिमान स्थापित किये। इस फिल्म में उन्होंने अभिनेता एन.टी. रामाराव के साथ काम किया और शोहरत की बुलंदियो पर जा पहुंचीं।

28 साल बाद धोनी के नेतृत्व में भारत ने जीता था विश्वकप

नई दिल्ली, (वार्ता)। कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के नेतृत्व में भारतीय टीम ने आज ही के दिन नौ वर्ष पहले 28 वर्ष का सूखा खत्म कर श्रीलंका को हराकर विश्वकप जीता था। टीम इंडिया ने 2011 आईसीसी विश्वकप के फाइनल में श्रीलंका को बेहद रोमांचक मुकाबले में छह विकेट से हराकर दूसरी बार विश्वकप अपने नाम किया था। मुंबई में हुए फ़ाइनल में श्रीलंका ने पहली बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में छह विकेट पर 274 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम ने 48.2 ओवर में चार विकेट पर 277 रन बनाकर खिताब अपने नाम किया। इस खिताब की तलाश भारतीय टीम के साथ-साथ देश की जनता को भी वर्षों से थी और धोनी ने नुवान कुलशेखरा की गेंद पर छक्का जड़ भारत का 28 वर्ष का सूखा खत्म किया और टीम को विश्वविजेता बना दिया। यह जीत टीम इंडिया के साथ-साथ टीम के सबसे सीनियर खिलाड़ी रहे सचिन तेंदुलकर के लिए भी काफी अहम थी। यह उनके करियर का छठा और अंतिम विश्वकप था। फाइनल मैच सचिन के घरेलू मैदान मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में हुआ था।

2011 विश्वकप का आयोजन एशिया में हुआ था और टीम इंडिया ने टूर्नामेंट की शुरुआत से ही दिखा दिया था कि वह इसकी प्रबल दावेदारों में से एक है। भारत ने टूर्नामेंट के ग्रुप चरण से ही धमाकेदार शुरुआत की और पहले मुकाबले में बंगलादेश को पराजित किया। इसके बाद टीम लगातार जीत की राह पर बढ़ती रही। हालांकि उसका इंग्लैंड के साथ मैच टाई रहा जबकि उसे दक्षिण अफ्रीका के हाथों हार का सामना करना पड़ा लेकिन भारत ने क्वार्टरफाइनल में गत विजेता ऑस्ट्रेलिया को पराजित कर अपनी मजबूती का एहसास दिला दिया।

सेमीफाइनल में भारत का मुकाबला चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से था और पूरा देश इसे फाइनल के रुप में देख रहा था। यह मैच मोहाली में आयोजित किया गया और इस मैच को देखने के लिए भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री युसफ रजा गिलानी भी स्टेडियम में मौजूद थे। भारत ने सेमीफाइनल में पाकिस्तान को 29 रनों से पराजित किया और इसके साथ ही फाइनल में जगह सुनिश्चित की। पाकिस्तान विश्वकप में भारत के हाथों अपनी हार का सिलसिला नहीं तोड़ सका और इस हार के साथ ही उसका सफर टूर्नामेंट में खत्म हो गया। फाइनल मुकाबले में श्रीलंका की तरफसे माहेला जयवर्धने ने सर्वाधिक नाबाद 103 रन बनाए और अपनी टीम को लड़ने लायक स्कोर तक पहुंचा दिया।

धोनी के छक्के के जिक्र पर भड़के गंभीर

नई दिल्ली,(वार्ता)। आईसीसी विश्वकप 2011 के फाइनल में महेंद्र सिंह धोनी के ऐतिहासिक छक्के के जिक्र पर टीम के पूर्व खिलाड़ी गौतम गंभीर भड़क गए हैं और उनका कहना है कि यह विश्व कप पूरे टीम सहयोग से जीता गया था। भारत ने नौ वर्ष पहले आज ही के दिन श्रीलंका को मुंबई में हराकर 28 वर्ष का सूखा खत्म कर खिताब जीता था। धोनी ने नुवान कुलशेखरा की गेंद पर हेलीकाप्टर छक्का जड़ कर भारत को जीत दिलाई थी और इस विजयी छक्के को आज भी याद किया जाता है। क्रिकेट वेबसाइट ईएसपीएन ने ट्वीट कर कहा कि आज ही के दिन एक शॉट ने भारत के लोगों को जश्न मनाने का मौका दिया था।

शतक पूरा नहीं कर पाए थे गंभीर

गंभीर हालांकि अपना शतक पूरा नहीं कर सके और 97 रन पर आउट हो गये। गंभीर के पवेलियन जाने के मैदान पर टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले युवराज सिंह मैदान पर उतरे और उन्होंने धोनी के साथ मिलकर टीम को जीत दिलायी। जीत के साथ ही टीम इंडिया के सभी खिलाड़ी मैदान में आकर खुशी मनाने लगे और युवराज, हरभजन सिंह, सचिन और धोनी सहित तमाम खिलाड़ी भावुक हो गए। टीम के सभी खिलाड़ियों ने सचिन को कंधे पर उठाकर मैदान का चक्कर लगाया और दर्शकों का अभिवादन स्वीकार किया।

इस पल को नौ वर्ष बीत चुके हैं लेकिन यह अब भी सपने जैसा लगता है। विश्वकप टीम के विजेता खिलाड़ियों ने इस दिन को याद किया। गंभीर ने ट्वीट कर कहा, विश्वकप भारत ने, भारत के लिए और भारत के साथ मिलकर जीता था। हरभजन ने ट्वीट कर कहा, 2011 विश्वकप जीतना। वो भी क्या दिन था। यह दिन भारतीयों के लिए बेहद गर्व का क्षण था। 2011 से पहले भारत ने 1983 में कपिल देव के नेतृत्व में पहली बार विश्वकप जीता था। इसके बाद 2003 में टीम कप्तान सौरभ गांगुली में अगुवाई में फाइनल तक पहुंची लेकिन उसे खिताबी मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया के हाथों हार का सामना करना पड़ा था।

अर्जुन अवार्डी कृपाशंकर की पहलवानों को दंड पेलने की सलाह

इंदौर (वार्ता)। भारतीय रेलवे कुश्ती टीम के कोच और अंतर्राष्ट्रीय रेफरी कृपाशंकर बिश्नोई ने देश में इस समय चल रहे 21 दिन के लॉकडाउन के दौरान पहलवानों को घर में रहने के साथ कुश्ती व्यायाम दंड बैठक करते रहने की सलाह दी है।

कृपा ने कहा, मुझे यकीन है कि आप लोगों के पास खुद को फिट रखने के लिए अन्य कई तरीके भी होगे। लेकिन मैं यकीन के साथ कहता हूं कि अगर आप कुश्ती व्यायाम दंड बैठक करते हैं तो कोई दूसरा वर्कआउट करने की जरूरत नहीं पड़ेगी क्योंकि इसमें सब कुछ है और इससे बेहतर कोई दूसरा तरीका नहीं हो सकता। दंड बैठक सभी अभ्यास का राजा है। इस दौरान आप दंड बैठक के माध्यम से अपना फिटनेस स्तर बढ़ा सकते हैं।

अर्जुन अवार्डी कृपाशंकर ने एक वीडियो शेयर किया है जिसमें वह कुश्ती से संबंधित व्यायाम दंड बैठक और उठक बैठक करते हुए नजर आ रहे हैं। कृपा ने इस लॉकडाउन के दौरान देश के सभी पहलवानों को घर में रहने के साथ ही कुश्ती व्यायाम दंड बैठक करते रहने की सलाह दी है।

अपूर्वी ने कोरोना से लड़ने के लिए दिए 5 लाख

नई दिल्ली (वार्ता)। भारत की युवा निशानेबाज अपूर्वी चंदेला ने कोरोना वायरस से लड़ने के लिए प्रधानमंत्री केयर फंड में तीन लाख और राजस्थान मुख्यमंत्री राहत कोष में दो लाख रुपए देने की घोषणा की है। कोरोना से लड़ने के लिए खेल जगत की तमाम हस्तियां सामने आकर मदद दे रही हैं और ऐसे में युवा खिलाड़ी भी मदद के लिए आगे आए हैं। अपूर्वी ने ट्वीट कर कहा कि वह प्रधानमंत्री केयर फंड में तीन लाख और राजस्थान मुख्यमंत्री राहत कोष में दो लाख रुपए की मदद देती हैं। भारत इस महामारी से लड़ेगा और जीतेगा।

क्यूबा का ओलंपिक चैंपियन पहलवान बोरेरो कोरोना से संक्रमित

नई दिल्ली (वार्ता)। रियो ओलंपिक और विश्व कुश्ती चैंपियन क्यूबा के बोरेरो मोलिना इस्माइल सहित पांच एथलीट कोरोनो वायरस कोविड-19 से संक्रमित हो गए हैं। 2019 विश्व चैंपियनशिप जीतने वाले और वर्तमान में 67 किलोग्राम ग्रीको-रोमन श्रेणी में दुनिया में नंबर एक पहलवान बोरेरो ने खुद के संक्रमित होने की खबर की पुष्टि की है। बोरेरो के कोरोना वायरस से पॉजिटिव होने के बाद भारतीय रेलवे कुश्ती टीम के कोच और इंटरनेशनल रेफरी कृपाशंकर बिश्नोई ने दुख जताते हुये भारतीय पहलवानों को सावधानी बरतने की अपील की है । क्यूबाई ग्रीको-रोमन पहलवान बोरेरो ने पिछले महीने कनाडा के ओटावा में पैन अमेरिकी चैंपियनशिप में भाग लिया था, जहां उन्हें 67 किग्रा ग्रीको रोमन श्रेणी में नंबर एक स्थान मिला था। 17 मार्च को हवाना से लौटने के बाद उनमें संक्रमण के लक्षण दिखने शुरू हो गए थे और 28 मार्च को एक जांच के बाद उनकी पहचान एक संदिग्ध बीमारी के रूप में सामने आई, जिसके लिए उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। 25 अन्य एथलीट और कोच जो चैंपियनशिप के दौरान बोरेरो के संपर्क में आए थे, उन सभी को निगरानी में रखा गया।

डेनियल फ्लीन ने क्रिकेट से लिया संन्यास

ऑकलैंड, (वार्ता)। न्यूजीलैंड के पूर्व बल्लेबाज डेनियल फ्लीन ने गुरुवार को क्रिकेट के सभी प्रारुप से संन्यास लेने की घोषणा कर दी। 34 वर्षीय फ्लीन ने अपने 16 साल के करियर में 24 टेस्ट, 20 वनडे और पांच टी-20 मुकाबले खेले जिसमें उन्होंने कुल 1325 रन बनाए जिसमें छह अर्धशतक शामिल हैं। उन्होंने 2008 में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट मैच में अपना पदार्पण किया और उनका आखिरी टेस्ट जनवरी 2013 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ रहा। वर्ष 2008 में इंग्लैंड के खिलाफ ही उन्होंने अपना वनडे पदार्पण किया और 2012 में आखिरी बार वह वेस्टइंडीज के खिलाफ खेलने उतरे थे। फ्लीन ने 135 प्रथम श्रेणी मुकाबले में 21 शतकों सहित 7815 रन बनाए हैं।

फ्लीन ने कहा, किसी भी क्रिकेटर के लिए देश के लिए खेलना काफी गर्व की बात है और मेरा भी बचपन से यह सपना था जिसे पूरा करने के लिए मैंने काफी संघर्ष किया। मैंने जिन लोगों के साथ अपने करियर में खेला वे हमेशा मेरे साथ खड़े रहे। ये ना सिर्फ अच्छे क्रिकेटर हैं बल्कि अच्छे इंसान भी हैं।

आपदा में युवाओं की टीम ने मदद कर पेश की मिसाल

पहले चावल और दाल से शुरू की मदद, फिर दोस्तों रिस्तेदारों से मदद मांगकर गरीबों को पहुंचाया पूरा राशन

नवप्रदेश संवाददाता

काँकेर। कोरोना वायरस में जहाँ एक ओर लाकडाउन के बाद दिहाडी मजदूरों के विकट परिस्थितियों में नगर के महज 17 18 वर्ष की आयु के युवाओं ने गरीब व बाहर से आए मजदूरों की मदद कर युवाओ के लिए एक अमिट छाप छोड़ दिया है।युवावस्था में इन उम्र के बच्चे घर परिवार की ज़िम्मेदारी से अनजान होते है।जिन्हें ज़िम्मेदारी का तनिक भर अहसास नही होता है।लेकिन कोरोना वायरस ने इन युवाओं को जिम्मेदारी का एहसास ही नही मदद करना भी सीखा दिया है। आठ युवाओं की एक टीम जिसमें अलग अलग मोहल्ले के दोस्तों शामिल है।इन्होंने 26 मार्च को हुए लाकडाउन के बाद दृढ़संकल्प लेते इस त्रासदी में मदद करने का फैसला किया ।और निकल पड़े इन आठ दोस्तों ने 5 किलो चावल और 2 किलो दाल से जात--पात से ऊपर उठकर लोगो की मदद करते चले गए ।इस दौरान उनके पास जितने रुपए पैसे थे ।सभी एकत्र कर लोगो की मदद के लिए जुट गए

।इस बीच इन युवाओं की ख्वाहिश और लोगो की ज़रूरत को देखते सोसल मीडिया में अपने पेटीएम गूगल और अपने अपने दोस्तों के एकाउंट नम्बर देकर इस त्रासदी पर अपने दोस्तो रिश्तेदारों से मदद की अपील किया गया ।युवाओं के इस हौसले और मदद की अपील भी दोस्तों व रिस्तेदारों का मनमोह लिया। और रिस्तेदारों दोस्तो के अलावा अन्य लोगो ने थोड़ी थोड़ी राशि देकर इन युवाओं की मदद कर इस नेक काम को आगे बढ़ाने का सिलसिला चल पड़ा।

इन आठ युवाओं ने युवावस्था में संभाली मदद की ज़िम्मेदारी

नगर के अलग अलग मौहल्ले के युवाओं जिनमें मुस्तकीम अंसारी इरफान ज़वेरी शादाब खान अमन खान मुज़ज़मील खान हसनैन रज़ा जीशान अली मोहम्मद सैफइन युवाओं ने इस आपदा में अपने खर्च काटकर लोगो की मदद कर एक नई मिशाल पेश किया है।अब जब इन लोगो के पास अलग अलग जगह से मदद मिली है तो इन युवा पीढी ने मदद में चावल दाल तेल शक्कर नमक चायपत्ती सहित अन्य खाद्य सामग्री देकर मदद करते नज़र आए है।खास बात तो यह भी रही की इस कोरोना आपदा में इन युवाओं ने खास गरीब दिहाड़ी मजदूर व बाहर से आए लोगो को चिन्हाकित कर मदद किया है।जिससे इस आपदा में गरीब बनकर मौके का फायदा उठाने वालों को बिल्कुल राशन नही दिया गया है।

न्यूज गैलरी

कोविड - 19: संक्रमण से बचाव में लगे अधिकारी कर्मचारियों पर सरकार दे विशेष ध्यान- ईश्वर लोधी

सक्ती। नगर में कोरोना वायरस संक्रमण से बचाव के लिए जो भी अधिकारी कर्मचारी अपनी जान जोखिम में डाल कर कार्य कर रहे ऐसे किसी के साथ अगर कोई अप्रिय घटना होती है तो उन्हें ऐसे विपरीत परिस्थिति में काम करने के एवज में शहीद का दर्जा और साथ ही सरकार द्वारा अलग से कंपनसेशन की घोषणा करनी चाहिए, उक्त बातें सक्ती प्रेस क्लब सक्ती के अध्यक्ष, वार्ड क्रमांक 4 के पार्षद और अधिवक्ता ईश्वर लोधी ने कही। ज्ञात हो कि दिल्ली में पहले से ही इस तरह की घोषणा कर दी गई है। श्री लोधी ने आगे कहा कि आगे कहा कि प्रदेश के स्वास्थ्य कर्मी, प्रशासनिक अधिकारी, पुलिस प्रशासन के साथ साथ नगरीय निकाय के अधिकारी करमारियों के अलावा बहुत से विभाग ऐसे हैं जो पूरी ईमानदारी के साथ कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव के लिए विशेष कर्तव्यों का निर्वहन कर रहें हैं ऐसे सभी अधिकारी कर्मचारियों के साथ अगर कोई अप्रिय घटना घटित होती है तो उन्हें शाहिद का दर्जा मिलना चाहिए साथ ही उनके परिजनों को मुआवजे के तौर में सरकार को सम्मानजनक राशि की घोषणा करनी चाहिए। ईश्वर लोधी ने आगे कहा कि भगवान से प्रार्थना है कि कहीं कोई अप्रिय घटना ना हों। वही श्री लोधी ने आम जनता से अपील करते हुए कहा कि हमारी सुरक्षा और बचाव के लिए शासन प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैद है वहीं हमें स्वयं भी अपनी सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सरकार द्वारा जो इस संक्रमण से बचाव के तरीके बताए गए हैं उनका पालन करना चाहिए।

लॉकडाउन का व्यवसाय में असर

मुंगेली। लॉकडाउन का असर व्यवसाय में दिखने लगा है खाद्य पदार्थ के पूर्ति और आपूर्ति में संतुलन कायम नही होने से कुछ खाद्य पदार्थ में कीमत में उछाल आया है। किराना व्यवसायी रवि आरतानी के अनुसार कुछ खाद्य पदार्थ, तेल, आटा,चावल, जैसे खाद्य पदार्थो में आपूर्ति नही होने के कारण से मूल्यों में ईजाफा हुआ है वहीं किराना सामानो में इसका असर देखने को मिला है। थोक व्यवसायी मांग की पूर्ति नही कर पा रहे है जिसका असर भी पड़ रहा है व परिवहन भी पर्याप्त नही होने से इसका असर खाद्य पदार्थ में पड़ रहा है। लॉकडाउन के चलते ग्रामीण क्षेत्र के ग्राहक नाम मात्र की संख्या में आ रहे है जिससे उनका व्यवसाय भी प्रभावित हो रहा है व्यवसायियों का कहना है कि प्रातः 10 से 12 बजे तक ही ग्राहक मुख्य रूप से आते है। व्यवसाय में इन दिनों एक सप्ताह की बिक्री जितनी होती है उतना सामान्य दिनों में एक दिन की बिक्री होती थी। इसका प्रमुख कारण सामग्री की आपूर्ति की नही होना वहीं लॉकडाउन में कम ग्राहकों की आना व्यवसाय को प्रभावित कर रहें है।

असहाय वृद्धों व नि :शक्तजनों को पंचायत ने बांटी राशन सामाग्री

लवन। लॉक डाउन के चलते निशक्तजनों व निराश्रित वर्ग के लोगों को कोई भूखा न रहे इसके लिए ग्राम पंचायतों में शासन सामाग्री का वितरण किया जा रहा है। इसी तारतम्य में बलौदाबाजार विकासखण्ड के अन्तर्गत ग्राम पंचायत कोरदा में 8 निशक्तजनों असहाय बुजूर्गो को ग्राम पंचायत सचिव शिवकुमार निराला, सरपंच खेतरसिंह ध्रुव, पंच फागुलाल रात्रे, नरेन्द्र वर्मा, रज्जू वर्मा, चन्द्रमणी वर्मा, रूपलाल डहरिया व उपसरपंच नंदबाई बाई वर्मा की उपस्थिति में लोगों के घर-घर जाकर 15 दिनों के लिए 10 किलों चावल, दाल आधा किलों भोजन सामाग्री वितरित की गई।

उल्लेखनीय है कि कोरोना वायरस से इन दिनों छत्तीसगढ़ सहित पूरा प्रदेश लॉकडाउन के कारण उपजे आर्थिक तंगी से अधिकांशतः गरीब, मजदूर तबके के परिवार ज्यादातर जूझ रहे है। प्रदेश के साथ-साथ ब्लॉक भी लॉकडाउन हो चूके है तथा क्षेत्रों में धारा 144 लगी हुई है। इस समय लोगों का घर से निकलना भी दूभर हो चूका है। ऐसे संकट के समय में जो मजदूर वर्ग के लोग है, कोई भूखा नहीं सोएगा ऐसे हालत में दिहाड़ी मजदूर जो घर से बाहर नहीं निकल पा रहे है। ऐसे विकट परिस्थितियों को देखते हुए छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा जरूरतमंद लोगों को सहयोग करने की अपील की गई थी। मुख्यमंत्री की अपील पर ग्राम पंचायत द्वारा जरूरतमंद लोगों की लिस्ट तैयार कर साथ ही राशन सामाग्री का पैकेट तैयार कर लोगों के घर-घर पहुंचकर राशन सामाग्री का वितरण किया जा रहा है।

बुजुर्ग दंपत्ति की दर्दनाक हत्या

बेमेतरा/साजा। लॉकडाऊन के मध्य जिले का पहला बड़ा क्राइम साजा ब्लाक के ग्राम गाड़ाभाठा में घटित हुआ। ज्ञात हो कि साजा से मात्र 6 किलोमीटर की दूरी पर स्थित ग्राम गाडाभाठा में बुजुर्ग दंपत्ति की दर्दनाक हत्या कर दी गई। हालांकि जिले में लॉक डाउन को पूरे 10 दिन हो गया है पर किसी तरह की कोई गंभीर अपराध अब तक नहीं हो पाया था।

लॉक डाउन के बाद अपराध में ब्रेक सा लगा हुआ था। लेकिन डबल मर्डर से पुरे जिले में सनसनी फैल गया है। मामला है बेमेतरा जिले के साजा ब्लाक एवं थाना क्षेत्र के अंतर्गत गाडाभाठा का जहां बुजुर्ग दंपती की हत्या की खबर से क्षेत्र के अलावा पुरा जिला सकते में आ गया। मिली जानकारी के अनुसार गाडाभाठा निवासी रघुनंदन जंघेल उम्र लगभग 70 साल, पत्नी चमारी बाई जंघेल उम्र लगभग 65 साल घर के अंदर मृत पायी गई। घटना स्थल को देखते हुए हत्या होने का मामला प्रकाश में आया। हालांकि पुलिस के अनुसार घटना को लगभग 24 घंटे पहले अंजाम दिया गया है। किंतु इस बात का खुलासा तब हुआ जब जंघेल दंपति का अधियारा ट्रैक्टर से संबंधित काम से जब घर पहुंचा तब जंघेल दंपति घर में मरे हुए पड़े थे। साजा थाना को सुचना दिये तब तत्काल साजा टीआई अपने टीम के साथ घटना स्थल गाडाभाठा पहुंचे। तत्पश्चात फॉरेंसिक टीम भी घटना स्थल पर पहुंचकर बारीकी से जांच किये। घटना की जानकारी मिलते ही बेमेतरा पुलिस अधीक्षक दिव्यांग पटेल, एडिशनल एसपी विमल बैस, एसडीओपी टीम के साथ ग्राम में पहुंचे।

आम जन में डबल हत्या कैसे हुई, क्यो हुई, किसके द्वारा किया गया सहित कई सवाल उठ रहे हैं। पुलिस जांच में जुटी हुई है और इस मामले को लेकर हर पहलुओं पर विवेचना कर रही है। साजा पुलिस ने पंचनामा बनाकर दोनों शव को अपने कब्जे में लिए और पीएम होने के बाद शव को परिजनों को सौप दिया गया।

> मामले में हर पहलुओं पर जांच की जा रही हैं। ग्राम गाड़ाभाठा में पति पत्नी दोनों की हत्या कर दी गई है। दोनों की शव अंदर पाया गया। फ़रेन्शिक की टीम बारीकी से जांच किये हैं। हत्या का अपराध दर्ज कर मामले पर पुलिस प्रत्येक एंगल से जांच में जुटी हैं।
>
> **केके वासनिक,** थाना प्रभारी, साजा

कन्नौजिया राठौर समाज ने 51 हजार का सहयोग दिया

सक्ती। पूरे देश में कोरोना वायरस के संक्रमण को देखते हुए लोगों का सहयोग करने के लिए हमेशा तत्पर रहने वाले कनौजिया राठौर समाज केंद्र पोरथा ने मुख्यमंत्री सहायता कोष में 51000 का चेक कलेक्टर जांजगीर चाम्पा के माध्यम से जमा कराया । कन्नौजिया राठौर समाज ने अपनी जिम्मेदारी को समझते हुए सरकार के आदेश का पालन करते हुए सभी सामाजिक बंधुओं को पूर्व में ही सभी सामाजिक कार्यक्रम को रोकते हुए नहीं करने का निर्देश दिया गया था।जिसका परिपालन सामाजिक बंधु कर रहे हैं। इसी वजह से कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने में सहायता मिल रही है।देश व समाज हित में वर्तमान स्थिति-परिस्थितिनुसार यह निर्णय लिया गया है कि केंद्र व राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर जारी आदेश व निर्देशों के परिपालन में समाज के प्रत्येक व्यक्ति द्वारा कड़ाई से पालन कराना सुनिश्चित किया गया। समाज में होने वाली सामाजिक गतिविधि जैसे-वैवाहिक कार्यक्रम,षष्ठी,सगाई(वाक़दान) कार्यक्रम व अन्य सामाजिक कार्यक्रमों पर जिसमें व्यक्तियों की भीड़ इकट्ठा होती है, ऐसे कार्यक्रमों पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगाया गया।ऐसे सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन जो अनिवार्य-आयोजन की श्रेणी में आते हैं। जैसे शोकसभा, मृत्युभोज जैसे अन्य कार्यक्रमों में निकट के परिजन व संबंधियों (घर-परिवार के ही लोग) ऐसे कार्यक्रमों को संक्षिप्त रूप में व बिना भीड़ इकट्ठा किये ही कार्यक्रम सम्पन्न कराया जा रहा है ।

समिति संचालको ने एसडीएम को सौंपा सहायता कोष राशि का चेक

साजा। सेवा सहकारी समिति मर्यादित के संचालक मंडल सदस्यों ने समिति के समस्त किसान सदस्यों संचालक मंडल,कर्मचारियों की तरफ से कोरोना महामारी हेतु प्रधानमंत्री सहायता कोष में 11000 हजार एवं मुख्यमंत्री सहायता कोष में 11000 हजार रुपये का दोनो चेक एसडीएम साजा आशुतोष चतुर्वेदी नायब तहसीलदार नीलम सिंह पिस्दा को प्रदान किया। इस दौरान अध्यक्ष कृष्णा राठी, उपाध्यक्ष बल्ला पटेल, महिला उपाध्यक्ष चित्ररेखा वर्मा, संचालक सदस्य रामाधार वर्मा ,उमाशंकर साहू, संतराम साहू, अनिरुद्ध साहू, झाड़ू दास कोशले, श्रीमती जमुना बाई जायसवाल, चन्द्रशेखर वर्मा, समिति प्रबन्धक सतीश यादव सहित समिति के कर्मचारियों हेमंत निर्मलकर, मनोज गुप्ता, अंस सोनी, शरद वैष्णव, होरी सिन्हा, दीपक सोनी, शिवाकांत पाटिल, कमलेश साहू, नीलम सिन्हा, शंकर वर्मा, आनंद यादव, मणि सोनी, गजानन सभी का सहयोग रहा। इस दौरान समिति अध्यक्ष कृष्णा राठी व संचालक सदस्यों के साथ एसडीएम चतुर्वेदी ने चर्चा करते हुए सहयोग राशि प्रदान करने के लिए धन्यवाद दिया।

उज्जवला हितग्राहियों को मिलेगा तीन माह का मुफ्त सिलेंडर

जांजगीर-चांपा। भारत सरकार ने उज्जवला योजना के उपभोक्ताओं के लिए अगले 3 महीनों के लिए मुफ्त रिफिल प्रदाय करने की घोषणा की है। अप्रैल से जून तीन माह की रिफिल मुफ्त प्रदाय किया जाएगा। देश के सभी करोड़ प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना लाभार्थी 14.2 किलोग्राम के एलपीजी सिलेंडर मुक्त प्राप्त करने के हकदार होंगे। जांजगीर जिले में उज्जवला के कुल ग्राहक 2 लाख 15 हजार 117 है। उज्जवला लाभार्थियों के लिंक किए गए बैंक खाते में अप्रैल 2020 की रिफिल लागत पर पूर्ण मूल्य अग्रिम रूप से हस्तांतरित करने का निर्णय लिया गया है। एक उज्जवला ग्राहक प्रतिमाह एक सिलेंडर का हकदार होगा। लाभार्थी रिफिल प्राप्त होने के 15 दिनों के बाद ही अगली बुकिंग करवा सकेंगे। हर उज्जवला ग्राहक का मोबाइल नंबर गैस एजेंसी के सिस्टम में अपडेट होना जरूरी है। घर बैठे रिफिल की बुकिंग या पंजीकृत मोबाइल नंबर से किया जा सकेगा। इसके अतिरिक्त उज्जवला ग्राहक अपनी बुकिंग ऑनलाइन मोबाइल ऐप के माध्यम से कर सकेंगे। बुकिंग हेतु एजेंसी पर नहीं जाने की अपील की गई है। खाद्य अधिकारी ने बताया कि सभी वितरकों के पास पर्याप्त स्टॉक मौजूद है। अतः गैस सिलेंडर की सप्लाई में कोई किल्लत नहीं है। सभी ग्राहकों से अनुरोध किया गया है कि डिजिटल पेमेंट करें। जिला नोडल अधिकारी पंकज कुमार चेरिया ने बताया कि इंडियन आयल के चैनल पार्टनर के कर्मचारी जैसे एलपीजी शोरूम कर्मचारी, गोडाउन किपर, एलपीजी मैकेनिक, एलपीजी डिलीवरी ब्वॉय, रिटेल आउटलेट कस्टमर, अटेंडेंट, ट्रक ड्राइवर जिनमें बल्क पैक ट्रांसपोर्टर शामिल है।

कलेक्टर की कार्यशैली से तंग आकर 20 बर्खास्त भू-विस्थापित कर्मियों ने परिवार समेत मांगी राष्ट्रपति से ईच्छा मृत्यु

जांजगीर। विगत 6 महीने से केएसके महानदी पावर कम्पनी के 20 बर्खास्त भू-विस्थापित कर्मी कलेक्टर व श्रम पदाधिकारी से न्याय की गुहार लगाते थक चुके है। जिले के अकलतरा विकासखंड के ग्राम नरियरा,रोगदा,नवापारा, लटिया व पकरिया के भुविस्थापित परिवार ने जिले कलेक्टर जे पी पाठक और श्रम पदाधिकारी के के सिंह के कार्यशैली से तंग आकर महामहिम राष्ट्रपति से इच्छा मृत्यु की मांग की है।बर्खास्त भू-विस्थापितो का आरोप है कि जिला कलेक्टर जे पी पाठक और श्रम पदाधिकारी के गैर जिम्मेदाराना रवैये से 20 परिवारों की रोजी रोटी छिन ली गयी है। उन्होंने सीधा आरोप लगाया है कि कलेक्टर उनकी सुनते नही है। उल्टे उन लोगो को धमकाया जाता है,वही अधिकारियों से मिलने पर दुर्व्यवहार भी किया जाता है। श्रम पदाधिकारी उनको बोलते है कि कंपनी प्रबन्धन मेरा कहना नही मानता है तो मैं क्या करूँ? मैंने श्रम न्यायालय मामले को भेज दिया है। अब जब फैसला आएगा तो देखा जायेगा। मै आदेश नही दे सकता श्रम पदाधिकारी अपने कार्यालय में हुए समझौते को पालन नही करवा रहा है। आगे भू-विस्थापितो ने बताया कि उन सभी को रात 1 बजे कलेक्टर के आदेश पर जेल में डाल दिया जाता है।मुख्यमंत्री से मिलने जाते है तो गिरफ्तार कर लिया जाता है। श्रम मंत्री से लेकर गृह मंत्री तक सभी से

ग्रामीण क्षेत्रों में लाक डाउन प्रभावितों की मदद के लिए अब हर तहसील में अनाज बैंक

जांजगीर चांपा। कलेक्टर जनक प्रसाद पाठक ने विधानसभा अध्यक्ष डॉ चरणदास महंत के निर्देश पर जिले के सभी तहसीलों में एक एक अनाज बैंक की स्थापना करने के निर्देश सभी तहसीलदारों को दिए हैं। इस अनाज बैंक से कोविड-19 के संक्रमण के कारण लाक डाउन से ग्रामीण क्षेत्रों में प्रभावितों को अनाज मुहैया कराया जाएगा। कलेक्टर ने जिले के प्रबुद्ध जनों, दानदाताओं, स्वयंसेवी संस्थाओं तथा समाजसेवी लोगों से आग्रह किया है कि वे जरूरतमंदों के सहायतार्थ अनाज बैंक में अधिक से अधिक अनाज, दाल एवं दैनिक आवश्यकताओं से संबंधित अन्य वस्तुएं दान कर अनाज बैंक में जमा कराएं। कलेक्टर ने अनाज बैंक स्थापना की त्वरित कार्रवाई के निर्देश सभी तहसीलदारों को दिए हैं। विधानसभा अध्यक्ष डॉ महंत ने कलेक्टर जांजगीर चांपा को पत्र प्रेषित कर लाकडाउन की वर्तमान परिस्थिति के मद्देनजर जिले में अनाज बैंक का गठन करने और अनाज बैंक का सुव्यवस्थित संचालन करने के निर्देश दिए हैं।

मनरेगा का कार्य प्रारंभ होने पर जताई नाराजगी

लवन। कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए सरकार द्वारा लोगों को घरों से निकलने पर पाबंदी लगा दी है जिसके तहत प्रदेश में धारा 144 और उसके बाद लॉक डाउन लागू किया गया है। वही दूसरी ओर मनरेगा के कार्य प्रारंभ करने से ग्रामीणों ने नाराजगी जताई है। जनपद सदस्य भूपेंद्र साहू विजय कुमार साहू रामकृष्ण साहू रामचंद्र साहू ने बताया कि वैश्विक महामारी कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण को रोकने के लिए देशभर में लोगों के घरों से बाहर निकलने के लिए प्रतिबंध लगा दिया है लॉक डाउन के साथ धारा 144 लगी है। घरों से लोग बाहर नहीं निकल पा रहे हैं अति आवश्यक सेवा के लिए समय तय किया गया है इसके अलावा शासकीय कार्यालय संस्थान दुकानें बंद करा दी है स्कूल कॉलेज के पेपर स्थगित कर दिए हैं तो दूसरी ओर शासन प्रशासन गांव में मनरेगा कार्य आरंभ कर रहे हैं जो कि अनुचित है

गांव में जागरूकता लाने महिला कमांडो सदस्यों ने निकली रैली

लवन। नशा मुक्त गांव बनाने व स्वच्छता का अलग जगाने वाली महिला कमांडो के सदस्यों के द्वारा अब कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाने और गांव के लोगों में जागरूकता लाने के उद्देश्य से खुद ही सोशल डिस्टेंस का पालन करते हुए एक एक मीटर की दूरी बनाकर गांव की गलियों में घूम घूमकर लोगों को देश के प्रधानमंत्री व छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री द्वारा 21 दिन तक लिये गये लॉक डाउन का पालन करते हुए घर से बाहर नहीं निकलने व धारा 144 के तहत एक जगह भीड़ इकट्ठा नहीं करने की अपील महिलाओं के द्वारा ग्राम वासियों से कर रहे हैं।

स्वच्छता व नशा मुक्त गांव की अलख जगाने वाली ग्राम कारी की महिला कमांडो व स्वच्छाग्राही समूह के अध्यक्ष देववती सेन और उनके सदस्य गंगा पटेल महेश्वरी पटेल दुर्गा वर्मा शकुंतला वैष्णव धनेश्वरी पटेल रंभा पटेल श्याम भाई ध्रुव निर्मला पटेल विद्या पटेल दुर्गा वैष्णव जानकी पटेल व सुभद्रा रजक के द्वारा ग्राम पंचायत के सरपंच खुलेश्वरी नरेंद्र डहरिया सचिव प्रहलाद श्रीवास के मार्गदर्शन में इन दिनों कोरोनावायरस के संक्रमण को रोकने शासन प्रशासन के साथ चरणबद्ध तरीके से कार्य कर रहे हैं।

मिला लाभ | कोरोना वायरस की रोकथाम हेतु 7 अप्रेल तक मीटर रीडिंग -बिलिंग पर रोक

निम्नदाब बिजली उपभोक्ताओं के हित में ऊर्जा विभाग का बड़ा फैसला

जांजगीर-चाम्पा। कोरोना वाइरस कोविड-19 की रोकथाम एवं नियंत्रण हेतु राज्य शासन द्वारा हरेक स्तर पर तेजी से जन हितेषी फैसला किए जा रहे है।ऐसे ही कदमों के अन्तर्गत मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की ओर से मिले दिशा निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ शासन के ऊर्जा विभाग ने प्रदेश के निम्न दाब उपभोक्ताओं के हित में अनेक अहम फैसला किए हैं। इसके मुताबिक प्रदेश के समस्त निम्नदाब बिजली उपभोक्ताओं की मीटर रीडिंग एवं बिलिंग को 7 अप्रैल 20 तक रोकने का निर्णय लिया गया है। पूर्व में इसे 31 मार्च तक रोकने का निर्णय लिया गया था।उक्त जानकारी पावर कम्पनी के अतिरिक्त महाप्रबंधक (जनसंपर्क) विजय मिश्रा ने दी।

उन्होंने बताया कि नए निर्णय के अनुपालन में छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी ने बिजली मीटर रीडिंग, फीलिंग,नगद भुगतान कार्य को तत्काल प्रभाव से निर्धारित तिथि तक के लिए स्थगित कर दिया है। दरअसल उपभोक्ताओं के परिसर की मीटर रीडिंग , बिलिंग नगदी भूगतान का कार्य स्पॉट बिलिंग अथवा मेनुअली नहीं होने से कोरोना वाइरस के संक्रमण को रोका जा सकेगा।श्री मिश्रा ने जानकारी दी कि प्रदेश के निम्न दाब उपभोक्ताओं के सभी ऑफलाइन बिजली संग्रहण केंद्रों को भी 7 अप्रैल तक बंद रखने का निर्णय लिया गया है।पूर्व में 31 मार्च तक इन्हें बंद रखने का आदेश जारी किया गया था। निम्न दाब उपभोक्ताओं को 30 अप्रैल 20 तक बिना अधिभार (सर चार्ज) के विभिन्न बिल संग्रहण केंद्रों पर बिल भुगतान करने की सुविधा प्रदान की जाएंगी। इसके साथ ही वर्तमान माह(फरवरी-मार्च 2020 बिलिंग चक्र अनुसार) के बिल को÷ डोर लॉक कोड 03 ÷में बनाए जाने हेतु केंद्रीय स्तर पर कार्यपालकअभियंता (ईआईटीसी) द्वारा सेप सिस्टम को अपडेट करने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है।

विदित हो कि राज्य शासन के ऊर्जा विभाग से मिले दिशा-निर्देशों के अनुसार कोरोना वायरस के संक्रमण की रोकथाम एवं नियंत्रण के दौरान बिलिंग मीटर रीडिंग कार्य में हुई देरी से उपभोक्ताओं को किसी भी प्रकार की आर्थिक क्षति अथवा परेशानी ना हो इस हेतु पावर कंपनी न्यायोचित कदम उठा रही है।इस बारे उन्होंने बताया कि ऐसे प्रभावित उपभोक्ताओं को पहले औसत खपत के आधार पर बिल जारी किए जाएंगे। वास्तविक खपत के आधार पर आगामी माह में बिल की गणना करते समय ऐसे उपभोक्ताओं द्वारा भुगतान की गई कम अथवा ज्यादा राशि का समायोजन किया जाएगा।

स्माइल फाउंडेशन वंचित वर्ग को मुफ्त में दे रहा राशन

नयी दिल्ली (वार्ता)। कोरोना वायरस के फैलाव को रोकने के लिए पूरे देश में जारी लॉकडाउन के दौरान स्माइल फ़ाउंडेशन समाज के वंचित वर्गों को मुफ्त में राशन मुहैया कराने के साथ हीली-परामर्श और टेली-परामर्श सेवाएं भी दे रहा है।

फाउंडेशन ने गुरुवार को बताया कि सत्र आयोजित कर कोरोना वायरस के दौरान कैसे सामाजिक दूरी बना कर तथा स्वयं और परिवेश की स्वच्छता बनाए रख कर कोविड 19 को रोकने में मदद को लेकर लोगों के बीच जागरुकता का प्रसार भी किया जा रहा है। फाउंडेशन पहले चरण में दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक, तेलंगाना, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और पंजाब जैसे 10 सबसे ज्यादा प्रभावित राज्यों में लगभग 40,000 परिवार (दो लाख से अधिक लोगों) को राशन और आवश्यक सेवाएं मुहैया करा रहा है। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण संगठन 2011 के अनुसार देश में करीब तीन करोड़ श्रमिक थे और इसमें हर दिन श्रमिक जुड़ रहे हैं। लॉकडाउन से पिछले कुछ हफ्तों में दैनिक मजदूरी अनिश्चित हो गई है और यह मंदी की स्थिति में है। बहुत सारे प्रवासी श्रमिक शहरों को छोड़ना चाह रहे हैं क्योंकि उन्हें आमदनी या भोजन की कोई उम्मीद नहीं है जबकि देश भर की सरकारें भोजन और आश्रय प्रदान करना चाह रही हैं तथा सभी अपने-अपने स्तर से सभी श्रमिकों को सहायता पहुँचने में जुटी हुई हैं।

लॉकडाऊन में भी घरों तक खाना पहुंचाएगी होम फूडी कंपनी

नई दिल्ली (वार्ता)। देश में कोरोना वायरस की वजह से 14 अप्रैल तक जारी लॉकडाऊन के चलते लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है खासकर छात्रों और उन लोगों को ,जो किराए पर रह रहे है और रेस्तरां बंद हो जाने के कारण उनके समक्ष खाने की समस्या पैदा हो गई है। इस समस्या का समाधान खोज निकाला है होम फूडी कंपनी ने , जो आर्डर मिलने पर लोगों के घर साफ सुथरा खाना पहुंचाती है। होम फूडी की सह-संस्थापक और निदेशक डॉक्टर मोना दहिया कहती हैं कि अच्छी इम्यूनिटी के लिए हमें स्वस्थ और संतुलित भोजन की जरूरत है तथा आज इस हालत में हम फास्ट फूड के भरोसे इतनी बड़ी लड़ाई नहीं जीत सकते क्योंकि घर में बना खाना ही हमारे लिए एकमात्र बेहतर विकल्प है। इस कमी के लिए होम फूडी एक बेहतर विकल्प हो सकता है क्योंकि होम फूडी होम शेफ्स द्वारा बने घर के खाने को सरलता से आप तक पहुँचाता है। होम फूडी यह सुनिश्चित करता है कि आप तक पहुंचने वाला खाना साफसुथरा हो और न्यूट्रीशन से भरपूर हो, जो इम्यून सिस्टम के लिए भी अच्छा हो। उनके यहां भोजन साफ़सुथरे तरीके से बनाया जाता है और यह संतुलित आहार है और आपके शरीर को स्वस्थ रखता है ।

न्यूज गैलरी

एचडीएफसी ने पीएम केयर फंड में दिये 150 करोड़

नई दिल्ली (वार्ता)। एचडीएफसी समूह ने आपात स्थिति में नागरिक सहायता एंव राहत कोष (पीएम केयर्स फंड) में गुरुवार को 150 करोड़ रुपये का योगदान दिया। कोरोना वायरस की चुनौती का सामना करने के लिए इस कोष का गठन 28 मार्च को किया गया था।

मार्च में सुस्त पड़ा विनिर्माण क्षेत्र

मुंबई (वार्ता)। कोरोना वायरस 'कोविड-19' के कारण मार्च में देश का विनिर्माण क्षेत्र प्रभावित हुआ और गतिविधियों में वृद्धि की रफ्तार चार महीने के निचले स्तर पर आ गयी। मार्किट इकोनॉमिक्स द्वारा गुरुवार को जारी आईएचएस मार्किट भारत विनिर्माण खरीद प्रबंधक सूचकांक घटकर 51.8 रह गया। फरवरी में पीएमआई 54.5 दर्ज किया गया था।

टीवीएस की बिक्री 55 प्रतिशत गिरी

नई दिल्ली (वार्ता)। कोरोना वायरस 'कोविड-19' के कारण घरेलू वाहन उद्योग में तेज हुई मंदी से दुपहिया एवं तिपहिया वाहन बनाने वाली कंपनी टीवीएस मोटर्स की बिक्री मार्च में 55.50 प्रतिशत घटकर 1,44,739 इकाई रह गयी।

हवाई यातायात पुराने स्तर पर लौटने में लग जायेंगे डेढ़ साल : एसीआई

मॉन्ट्रियल/नई दिल्ली (वार्ता)। अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा परिषद् (एसीआई) ने कोरोना वायरस 'कोविड-19' के कारण इस साल विमानन उद्योग को 76 अरब डॉलर के नुकसान का अनुमान जताते हुये कहा है कि यात्रियों की संख्या कोरोना-पूर्व स्तर पर लौटने में डेढ़ साल तक का समय लग सकता है। हवाई अड्डा संचालकों के संगठन एसीआई के बुधवार को प्रकाशित आर्थिक बुलेटिन में कहा गया है कि कोरोना के कारण इस यात्रियों की संख्या में तकरीबन 3.6 अरब यानी 38.1 प्रतिशत की गिरावट की आशंका है। वहीं, यात्रियों की संख्या में गिरावट और उड़ानें रद्द होने से हवाई अड्डों के राजस्व पर भी दबाव रहेगा। उन्हें राजस्व में 50 फीसदी का नुकसान हो सकता है। इस वर्ष के आरंभ में अनुमान लगाया गया था कि पूरे साल के दौरान हवाई अड्डों की कमाई 172 अरब डॉलर रहने का अनुमान लगाया गया था, लेकिन अब इसके अनुमान से 45 फीसदी कम रहने की आशंका है। एसीआई की वैश्विक महानिदेशक ऐंजेला गिटेन्स ने कहा कि इस वर्ष की पहली तिमाही में जनवरी से मार्च तक हवाई अड्डा उद्योग को पहले ही कई अरब डॉलर का नुकसान

हो चुका है। अब यह माना जा रहा है कि कोविड-19 का प्रभाव सिर्फ दूसरी तिमाही में ही नहीं साल के उत्तरार्द्ध तक भी रह सकता है। अधिकतर विशेषज्ञों का मानना है कि हवाई यातायात को कोरोना-पूर्व स्तर पर पहुँचने में एक से डेढ़ वर्ष तक का समय लग सकता है।

माल ढुलाई फरवरी में नौ फीसदी घटी

***जेनेवा/नई दिल्ली (वार्ता)।** कोरोना वायरस 'कोविड-19' के कारण सिर्फ हवाई यात्री परिवहन ही नहीं माल ढुलाई भी प्रभावित हुई है और पिछले साल फरवरी की तुलना में फरवरी 2020 में इसमें नौ प्रतिशत की गिरावट आयी। अंतरराष्ट्रीय वायु परिवहन संघ (आयटा) के गुरुवार को जारी आँकड़े में बताया गया है कि टन किलोमीटर के हिसाब से फरवरी में हवाई माल परिवहन में 1.4 प्रतिशत की गिरावट रही।*

भारती एंटरप्राइजेज ने किया 100 करोड़ देने का वादा

नई दिल्ली। ये हमारे लिए बेहद चुनौतीपूर्ण समय हैं क्योंकि दुनिया कोविड-19 महामारी के रूप में इस आधुनिक युग के सबसे बड़े स्वास्थ्य संकट से जूझरही है। एक राष्ट्र के रूप में, हमारी प्राथमिकता सामूहिक रूप से इस संकट के प्रभाव को कम करने के लिए सरकार के प्रयासों का समर्थन करना है। भारती एंटरप्राइजेज ने अपनी कंपनियों, भारती एयरटेल, भारती इंफ्राटेल, आदि के साथ मिलकर कोविड-19 के खिलाफ भारत की इस लड़ाई में 100 करोड़ रुपये से भी अधिक की राशि का योगदान किया है। इस राशि का एक महत्वपूर्ण हिस्सा तुरंत पीएम ङ्क केयर्स फंड में दिया जाएगा। शेष राशि उन डॉक्टरों, स्वास्थ्य सेवा श्रमिकों और आवश्यक सेवाओं के कर्मियों के लिए मास्क, पीपीई और अन्य प्रमुख उपकरणों की खरीद के लिए उपयोग की जाएगी, जो इस विशाल लड़ाई में सबसे आगे खड़े हैं। 10 लाख से भी अधिक एन -95 मास्क खरीदे जा रहे हैं और इसे जल्द ही उपलब्ध कराया जाएगा। भारती एंटरप्राइजेज द्वारा किए गए 100 करोड़ रुपये के अलावा, भारती के कर्मचारी कंपनी द्वारा स्थापित एक मंच के माध्यम से इस लड़ाई के लिए स्वैच्छिक योगदान भी कर रहे हैं। भारती कंपनियां अपने कर्मचारियों द्वारा योगदान की गई राशि को एकत्र करेंगी, और कोविड -19 के लिए ली गयी पहलों में इसका योगदान दिया जाएगा।

अहमदाबाद में रेलवे महिला संगठन द्वारा 5000 मास्क वितरित

अहमदाबाद (वार्ता)। गुजरात में अहमदाबाद मंडल के पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन द्वारा कोरोना वायरस 'कोविड 19' से बचाव के लिये पांच हजार सैनेटाईज़्ड रियूजेबल फेस मास्क तैयार कर रेल कर्मचारियों को वितरित किए जा रहे हैं। प. रेलवे महिला कल्याण संगठन (डब्ल्यू. आर. डब्ल्यू. डब्ल्यू. ओ.) अहमदाबाद मंडल की अध्यक्षा प्रीति झा ने बुधवार को बताया कि कोरोना संकट के समय में संगठन ने 50 हजार रूपये की आर्थिक मदद की है, जिनमे 15 हजार रूपये के कॉटन मास्क तथा 35 हजार रू. संगठन द्वारा आरपीएफ गांधीधाम एरिया तथा डीआरएम बेनेवलेटं फण्ड में गरीब व ज़रूरतमंद लोगों को खाना खिलाने के लिए प्रदान किये गये है। श्रीमती झा बताया कि संगठन अहमदाबाद के मणीनगर में एवं साबरमती में सिलाई सेंटर म्यूजिक स्कूल, ड्राइंग व पेटिंग क्लास व आंगनवाड़ी केन्द्र का संचालन कर

रहा है। सिलाई सेंटर्स द्वारा ऐसे वक़्त में मास्क तैयार करने का बीड़ा उठाया तथा थोडे ही समय में 5000 कॉटन मास्क तैयार कराए गए, जिसमे सिलाई सेंटर्स की इंचार्ज श्रीमती प्रीति शर्मा व वीणा गुप्ता ने कड़ी मेहनत से कार्य किया। उन्होंने बताया कि संगठन द्वारा बनाये गए कॉटन मास्क रियूजेबल हैं जिन्हे साफ़ कर पुनः काम में लिया जा सकता है। संगठन ने 5000 मास्क अहमदाबाद मण्डल के कर्मचारियों के लिए प्रदान किये है। मण्डल रेल प्रबंधक दीपक कुमार झा ने इस संकट समय फेस मास्क उपलब्ध कराने के लिए महिला कल्याण संगठन अहमदाबाद का आभार प्रकट किया है। आईआरसीटीसी के साथ प.रे. ने अहमदाबाद के अपने बेस किचन में भोजन तैयार करके 2600 लोगों को परोसा गया।

रेलवे के वाणिज्यिक और आरपीएफविभाग के साथ समन्वय में विभिन्न गैर सरकारी संगठनों के माध्यम से ज़रूरतमंदों को सामुदायिक भोजन का वितरण किया गया। खानपान ठेकेदार और स्टॉल मालिक भी प.रे. के विभिन्न स्टेशनों के पास जरूरतमंदों को भोजन प्रदान करने के लिए आगे आए हैं।

द हंस फाउंडेशन भारत में एनजीओ को वित्त पोषण में कर रहा सहायता

मुंबई (ए.)। द हंस फाउंडेशन एक सार्वजनिक धर्मार्थ ट्रस्ट भारत में एनजीओ को वित्त पोषण सहायता प्रदान करता है। भारत के सबसे बड़े सामाजिक निवेशकों में से एक ने सक्रिय रूप से 350 एनजीओ का 26 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में पिछले दस वर्षों में देश में 7 मिलियन से अधिक गरीबों को लाभान्वित करने, ग्रामीण भारत में निवेश के खेल को बदलने में सक्रिय रूप से समर्थन कर रहा है। आज, द हंस फाउंडेशन पूरे भारत में स्वास्थ्य सेवा, महिला सशक्तीकरण, आजीविका, विकलांगता, जल और स्वच्छता और शिक्षा के क्षेत्र में अपने धन आवंटित करने वाले क्षेत्रों में प्रमुख पूंजी प्रदाता संगठनों में से एक है।

चीन में शुरू हुआ कोविड -19 का प्रकोप अब दुनिया भर में फैल गया है जिससे लाखों लोगों के जीवन पर एक बड़ा स्वास्थ्य संकट आ गया है और इसके परिणामस्वरूप आर्थिक मंदी आई है। भारत, दुनिया में दूसरा सबसे बड़ा आबादी वाला देश वर्तमान में बहुत अधिक जोखिम में है और सरकार महामारी से लड़ने के लिए सभी आवश्यक कदम उठा रही है। भारत सरकार ने पूर्ण तालाबंदी की घोषणा की है और लोगों को महामारी के दौरान घर के अंदर रहने के लिए मजबूर किया गया है। इसके कारण, सबसे ज्यादा प्रभावित लाखों दैनिक ग्रामीण और अन्य मजदूर हैं जो अपनी नौकरी से बाहर हैं और अपने परिवार और खुद को खिलाने के लिए दिन-रात संघर्ष कर रहे हैं।

भारत में वर्तमान कोविड-19 स्थिति के जवाब में, द हंस फाउंडेशन द्वारा अक्षय पात्र फाउंडेशन राजस्थान और अजमेर में राहत कार्य हस्तक्षेप शुरू कर रहा है - स्थानीय जिला प्रशासन के साथ समन्वय में लगभग 5000 लोगों को दिन में दो बार मुफ्त भोजन प्रदान करता है।

कोरोना:अडानी फाउंडेशन ने इस्कॉन को दिये 50 लाख

अहमदाबाद (वार्ता)। अडानी फाउंडेशन ने कोरोना वायरस के फैलाव को रोकने के लिए लॉकडाउन के दौरान दिल्ली में वंचित वर्ग के लोगों के भोजन के लिए द्वारका स्थित इस्कॉन को 50 लाख रुपये का योगदान दिया है। फाउंडेशन ने शुक्रवार को कहा कि लॉकडाउन के कारण दिहाड़ी मजदूर सबसे अधिक प्रभावित हुए हैं और ऐसी स्थिति में इस्कॉन हर रोज एक लाख से अधिक लोगों को भोजन प्रदान कर रहा है। फाउंडेशन की ओर से दी गई वित्तीय सहायता से इस्कॉन के प्रयासों में तेजी आयेगी, क्योंकि इस्कॉन की योजना निकट भविष्य में हर रोज चार लाख से अधिक लोगों को भोजन प्रदान करने की है। फाउंडेशन देश के विभिन्न स्थलों पर चलाए जा रहे सामुदायिक रसोई और कैंटीन के माध्यम से वंचितों और गरीब लोगों को भोजन भी उपलब्ध करा रहा है। फाउंडेशन रोजाना(गुजरात), गोड्डा (झारखंड), कवाई (राजस्थान), धामरा (ओडिशा) और विझिंजम (केरल) में कुल 20,883 मजदूरों और ग्रामीण समुदायों के लोगों को भोजन उपलब्ध करा रहा है। फाउंडेशन सामुदायिक रसोई के लिए राशन की आपूर्ति भी कर रहा है जहां समुदायों को खिलाने के लिए पूरी ताकत से काम चल रहा है।

देश में कोरोना के प्रकोप को रोकने के लिए फाउंडेशन विभिन्न स्थानों पर ग्रामीण आबादी के स्वास्थ्य और कल्याण की रक्षा के लिए भी कदम बढ़ाया है। इसने अहमदाबाद एसवीपी अस्पताल में स्वास्थ्य कर्मचारियों और डॉक्टरों के लिए व्यक्तिगत सुरक्षा किट प्रदान की है, ताकि बिना थके-हारे काम में लगे स्वास्थ्य कर्मचारियों और डॉक्टरों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। फाउंडेशन की ओर से अहमदाबाद शहर में पुलिस कर्मियों और स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को 1000 से अधिक मास्क वितरित किये गये, जबकि शहर के विभिन्न स्थानों पर भोजन, मिनरल वाटर और सैनिटरी किट के 400 से अधिक पैकेट वितरित किये गये।

आज का भविष्यफल

मेषःराशि का स्वामी मंगल-राहु-चंद्र की संगति में है। कड़वाहट को मिठास में बदलने की कला आपको सीखनी पड़ेगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य प्राप्त होगा। पंचम भाव दूषित होने के कारण संतान पक्ष से निराशा जनक समाचार मिल सकता है।

वृषभः आज का दिन संतोष और शांति का है। राजनीतिक क्षेत्र में किए गए प्रयासों में सफलता मिल सकती है।

मिथुनः राशि स्वामी की व्यग्रता के कारण किसी मूल्यवान वस्तु के खोने या चोरी होने का भय बना रहेगा। संतान की शिक्षा या किसी प्रतियोगिता में अशातीत सफलता का समाचार मिलने से मन में हर्ष होगा।

कर्कः चंद्रमा द्वादश भाव में उत्तम संपत्ति का संकेत कर रहा है। आजीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। राज्य-मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति हो सकती है।

सिंहः राशि का स्वामी सूर्य चार ग्रहों के बीच में आ गया है। आमदनी के नए स्रोत बन सकते हैं। वाणी की सौम्यता आपको सम्मान दिलाएगी। शिक्षा, प्रतियोगिता में विशेष सफलता मिलेगा।

कन्याःराशि स्वामी बुध भाग्य वृद्धि कर रहा हैं रोजगार व्यापार के क्षेत्र में जारी प्रयासों में अकल्पनीय सफलता प्राप्त होगी। संतान पक्ष से भी संतोषजनक सुखद समाचार मिलने की उम्मीद है।

तुलाःआज आपके चारों ओर सुखद वातावरण रहेगा। घर परिवार के सभी सदस्यों की खुशियां बढ़ेगी। कई दिनों से चली आ रही लेन-देन की कोई बड़ी समस्या हल हो सकती है।

वृश्चिकःआपकी राशि पर शनि एवं नवम भाव चंद्र योग अभी 7 दिन और चलेगा। फलस्वरूप कुछ आंतरिक विकार जैसे-वायु-मूत्र-रक्त, जड़ जमा रहे हैं। आज का दिन इस सबकी जांच कराने और किसी अच्छे डॉक्टर इस विषय में सलाह मशविरा करने में व्यतीत करें।

धनुःआज आपके विरोधी भी आपकी प्रशंसा करते दिखेंगे। शासन सत्ता पक्ष से निकटता व गठजोड़ का लाभ भी मिलेगा। ससुराल पक्ष से पर्याप्त मात्रा में धन हाथ लग सकता है।

मकरः पारिवारिक व आर्थिक मामलों में सफलता मिलने की प्रबल संभावना है। आजीविका के क्षेत्र में चल रहे नए प्रयास फलीभूत होंगे। कर्मचारियों का आदर व सहयोग भी पर्याप्त मिलेगा।

कुंभः आज आपके स्वास्थ्य सुख में व्यवधान आ सकता है। राशि का स्वामी शनि क्योंकि मार्गी उदय चल रहा है। अतः निर्मूल विवाद अकारण शत्रुपत्ति, अपनी बुद्धि द्वारा किए कार्यों में ही हानि और निराशता कारक है।

मीनःआज का दिन पुत्र, पुत्री की चिंता तथा उनके कामों में व्यतीत होगा। दाम्पत्य जीवन में कई दिन से चला आ रहा गतिरोध समाप्त हो जाएगा। बहनोई और साले से आज लेन-देन न करें सम्बन्ध खराब होने का खतरा है।

सू- दोकू क्र.080

	2		6		8		3	
9		8		3		4		
							5	
5		2			7		6	
	8		4			1		3
				9				
8			9				1	
	5			1		6		2
		1	7				4	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक रख सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.79 का हल

2	6	3	8	1	4	9	7	5
9	5	4	2	6	7	3	1	8
8	7	1	9	3	5		6	2
6	2	7	5	4	8	4	3	9
3	9	8	6	7	1	2	5	4
4	1	5	3	2	9	6	8	7
5	3	2	4	8	6	7	9	1
1	8	6	7	9	2	5	4	3
7	4	9	1	5	3	8	2	6

शब्द सामर्थ्य -080

ड्रोन कैमरे से शहर पर नजर

पुलिस जवानों का फ्लैग मार्च दो सौ से अधिक बाइक सवार आये चपेट में

नव प्रदेश संवाददाता

बिलासपुर। शहर की निगहबानी अब ड्रोन कैमरे से शुरू हो गयी है। बुधवार की शाम लाक डाउन को सफल बनाने आलाधिकारियों के साथ पुलिस जवावों ने दस किलोमीटर का फ्लैग मार्च किया। साथ ही आलाधिकारियों ने बताया कि अब शहर की निगहबानी थानावार ड्रोन कैमरे से किया जाएगा। फ्लैग मार्च के दौरान सौ से अधिक लोगों पर मोटरव्हीकल एक्ट के तहत कार्रवाई भी की गयी। साथ ही 200 से अधिक मोटरसाइकिल सवारों को चेतावनी के साथ छोड़ा गया।

बुधवार को वरिष्ट अधिकारियों समेत शहर के सभी थाने के थाना प्रभारियों और स्टाफके साथ फ्लैग मार्च किया गया। जानकारी हो कि कोरोना वायरस से बचाव को लेकर जिला प्रशासन बिलासपुर ने 15 अप्रैल 2020 तक सम्पूर्ण जिले में धारा 144 लगा दिया है। अत्यावश्यक सेवाओं को छोड़कर विभिन्न प्रकार के प्रतिष्ठान , दुकान, सभा , धरना ,जुलूस, रैली , मनोरंजन खेल , मेला सामाजिक, सांस्कृतिक, पारिवारिक, धार्मिक कार्यक्रमों पर पूरी तरह से रोक दिया गया है। जनसामान्य को एक जगह पर इकठ्ठा होने पर कार्रवाई की बात कही गयी है।

निर्देश का उल्लंघन करने वालों पर या मेडिकल को सहयोग नही दिये जाने पर पर भारतीय दंड संहिता 1860 की धारा 188 और महामारी अधिनियम 1897 के अंतर्गत आपराधिक मामला कायम कर सख्त कानूनी कार्यवाही की चेतावनी भी दिया गया है। इसी क्रम में प्रशासन के निर्देश पर बुधवार की शाम फ्लैग मार्च निकाला गया।

पुलिस के आळाधिकारियों ने बताय कि बिलासपुर पुलिस अब थानावार अपने क्षेत्र की निगरानी ड्रोन कैमरे से करेगा। अनावश्यक बाहर घूम रहे लोगों और क्वॉरेंटाइन किए गए व्यक्तियों पर नजर ड्रोन कैमरे से नजर रखा जाएगा।

आईजी समेत पुलिस कप्तान और अन्य पुलिस अधिकारियों ने बताया कि देखने में आ रहा है कि कुछ लोग अपनी आदतों से बाज नहीं आ रहे हैं। बार बार निर्देशो और आदेशों का उल्लंघन कर रहे है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए पुलिस प्रशासन ने अनावश्यक मोटरसाइकिल से शहर का चक्कर काट रहे 100 से अधिक लोगों पर मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्रवाई की गयी है। 200 से अधिक व्यक्तियों को सखूती के साथ समझाइस देकर छोड़ा गया है।

आईजी और पुलिस कप्तान ने सख्त निर्देश दिया है कि शासन के आदेश की अवहेलना पर सख्त कार्यवाही निश्चित है। लोग घर से बेवजह निकलने से बचें। महामारी के नियंत्रण में सहयोग करें। पुलिस ड्रोन कैमरों के सहारे शहर के सभी क्षेत्रों पर नजर रखी जा रही है।

अधिकारियों ने बताया कि बुधवार को दो दर्जन से अधिक पोलिस गाड़ियों और सायरन के साथ पैदल मार्च किया गया। कोतवाली चौक गांधी चौक,शिव टाकीज चौक,बस स्टैण्ड, राजीव प्लाजा,सीएमडी चौक,अग्रसेन चौक,मगरपारा चौक तालापारा इंदु चौक ,राजीव गांधी चौक ,मरीमाता ,राजेन्द्र नगर चौक होते हुए सिविल लाइन तक जवानो ने फ्लैग मार्च किया। पुलिस का यह अभियान लगातार जारी रहेगा।

गरीबों के बैंक खातों में अब सीधे पैसे ट्रांसफर होंगे

■ **प्रधानमंत्री गरीब कल्याण पेकेज योजना के लाभार्थियों को होगा फायदा**

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। कोरोना संकट के तहत प्रधानमंत्री गरीब कल्याण पेकेज योजना के तहत गरीब महिला लाभार्थियों के जनधन योजना खातों में पैसे सीधे जमा होंगे। योजना के तहत 26 मार्च से आगामी तीन माह तक प्रत्येक माह पांच-पांच सौ रूपए जमा होंगे। इस संबंध में भारत सरकार के वित्त मंत्रालय द्वारा भारतीय स्टेट बैंक के चेयरमेन और पब्लिक सेक्टर और मेजर प्राईवेट सेक्टर बैंकों के प्रबंध संचालक और मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को अपने अधिकार के सभी बैंक शाखाओं और संबंधित व्यवसाय करेसपांडेंट (बी.सी.) तथा एटीएम के माध्यम से पैसा वितरण की समुचित व्यवस्था बनाने के निर्देश दिए गए हैं। सभी बैंकों में कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव के लिए हितग्राहियों में सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने के निर्देश दिए गए हैं। गरीब कल्याण पेकेज की हितग्राही महिलाओं को उनके जनधन खातों के क्रमांक के अंतिम नंबर (लास्ट डिजिट) के आधार पर निर्धारित तिथियों में बैंक की शाखाओं में उपस्थित होकर भुगतान प्राप्त कर सकेंगे, जिसमें जनधन खाता धारक महिला हितग्राही जिनके खाता के अंतिम नंबर 0 से 1 है वे 3 अप्रैल को अंत में जिसका 2 से 3 तक 4 अप्रैल को, 4 से 5 तक 7 अप्रैल को, 6 से 7 तक 8 अप्रैल को और 8 से 9 अप्रैल को अंतिम नंबर वाले जनधन खाता धारक महिलाओं 9 अप्रैल को भुगतान प्राप्त कर सकती है। 9 अप्रैल के बाद हितग्राही नार्मल बैंकिंग समय में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण पेकेज के तहत भुगतान प्राप्त कर सकेंगी। भुगतान के समय सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करना जरूरी होगा।

■ न्यूज गैलरी

नक्सल ऑपरेशन की पूरी कमान अशोक जुनेजा के पास

रायपुर। राज्य सरकार ने नक्सल मोर्चे पर नया कमांडर तैनात किया है। ज्ञात हो कि एडीजी अशोक जुनेजा को नक्सल ऑपरेशन के साथ ही विशेष खुफिया शाखा 'एसआइबी' का प्रभार भी सौंपा गया है। अशोक जुनेजा को नक्सल अभियान के अलावा कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी नहीं दी गई है। गिरधारी नायक की सेवानिवृत्ति के बाद से डीजीपी डीएम अवस्थी ही नक्सल ऑपरेशन की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। सूत्रों की माने तो गिरधारी नायक के सेवानिवृत होने के बाद से नक्सल मोर्चे पर फुल टाइम अधिकारी की नियुक्ति को लेकर विचार चल रहा था। चुनाव सहित अन्य कारणों से मामला लगातार नियुक्ति टाला जा रहा था। मार्च माह में सुकमा में हुए बड़े नक्सली वारदात की समीक्षा के दौरान दोबारा नियुक्ति का मुद्दा उठा था। जिसके बाद केंद्रीय गृहमंत्रालय ने राज्य सरकार से इसे गंभीरता से लेने का आग्रह किया था।

आशीष छाबड़ा ने 'मुख्यमंत्री सहायता कोष' में दिए 20 लाख

रायपुर। कोरोना वायरस (कोविड-19) से संक्रमण की रोकथाम और जरूरतमंदों की सहायता के लिए बेमेतरा विधानसभा क्षेत्र के विधायक आशीष छाबड़ा ने अपने विधायक निधि मद से 'मुख्यमंत्री सहायता कोष' में 20 लाख रूपए प्रदान किए हैं। छाबड़ा ने इसके लिए बेमेतरा जिला कलेक्टर को पत्र लिखकर इस आशय से अवगत कराया है। उन्होंने कोरोना संक्रमण की रोकथाम के उपाय करने तथा अन्य आवश्यक सामग्री खरीदने के लिए विधायक निधि से 20 लाख रूपए मुख्यमंत्री सहायता कोष में जमा करने की अनुशंसा की है।

एमएमआई ने राहत कोष में जमा कराया 60 लाख

रायपुर। कोरोनो वायरस से बचाव के लिए राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही मुहीम को प्रदेश भर के समाजसेवी संगठनों, उद्योगपतियों, स्वयंसेवी संस्थाओं सहित आम नागरिकों का भरपूर समर्थन और सहयोग मिल रहा है। इसी क्रम में विपत्ति की इस घड़ी में अपने सामाजिक सरोकार को पूरा करने एमएमआई ट्रस्ट आगे आया है। ट्रस्ट द्वारा आज मुख्यमंत्री सहायता कोष में 60 लाख रुपये की सहयोग राशि जमा कराई गयी। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने एमएमआई ट्रस्ट के इस कदम की सराहना करते हुए कहा है कि इससे प्रदेश में कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने के प्रयासों को बल मिलेगा।

गौड़ ब्राम्हण समाज जरुरतमंदो की मदद के लिए आगे आया

रायपुर। कोरोना वायरस के कारण 21 दिनों का जारी लॉकडाउन के दौरान जरूरतमंदों की मदद के लिए गौड़ ब्राम्हण समाज भी आगे आते हुए उन्हें भोजन आदि की व्यवस्था कर रहे है। लॉक डाउन की स्थिति में जरूरतमंद लोगों राशन, भोजन की समस्या से निजात दिलाने के लिए शासन-प्रशासन द्वारा कई कदम उठाए जा रहे है। इस दौरान कई सामाजिक संस्थाएं भी आगे आकर गरीबों की मदद कर रहे है।

रायपुर (नव प्रदेश)। स्टेशन रोड लोधीपारा में नव दिन चले माता के नवरात्रि पर्व के जवारा विसर्जन

श्री श्याम प्रचार सेवा समिति रोज 500 पैकेट भोजन उपलब्ध करा रही

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। कोरोना वायरस संक्रमण के चलते राजधानी में एक बड़ा वर्ग ऐसा है जिनके पास दो वक्त का भोजन जुटा पाना मुश्किल हो रहा है ऐसे में शासन का सहयोग करने के लिए सामाजिक,धार्मिक,व्यापारिक संगठन पूरा सहयोग प्रदान कर रहे हैं। जिससे जितना हो सकता है उतनी मदद की जा रही है। सामाजिक सरोकार के साथ जनसेवा के कामों में हमेशा आगे रहने वाले श्री श्याम प्रचार सेवा समिति के द्वारा 500 पैकेट शुद्ध भोजन रोजना तैयार करवायें जा रहे हैं और अलग-अलग जगहों पर वितरित किये जा रहे हैं। समिति के अध्यक्ष प्रभात अग्रवाल, सौरभ अग्रवाल,विकास जिंदल,हिमांशु अग्रवाल,विनोद अग्रवाल,सर्वेश शर्मा,सचिन शर्मा एवं समिति के अन्य सभी सदस्य पूरी तन्मयता से इस नेकी के काम में जुटे हुए हैं।

लॉकडाउन में फंसे दिव्यांगजन को मिला सुरक्षित बसेरा

रायपुर। कोरोना वायरस संक्रमण रोकने के लिए पूरे देश में लागू लॉकडाउन से कई छोटे-बड़े संस्थानों में काम बंद है। आवागमन की सुविधा भी बंद होने से कई लोग काम बंद होने के बाद भी अपने स्थाई निवास नहीं लौट सके हैं। ऐसी स्थिति में छत्तीसगढ़ सरकार लोगों के रहने, खाने का पूरा प्रबंध कर रही है। लॉकडाउन में भटक रहे ऐसे ही दिव्यांग बेमेतरा के श्री भूषण निषाद, धमतरी के श्री बलराम साहू, बलौदाबाजार के श्री विनय यादव और श्री तिलक निषाद, महासमुंद के श्री छत्तर साहू की सूचना मिलने पर सुरक्षित बसेरा और भोजन की व्यवस्था राज्य शासन ने कर दी है। अब वे बेहद खुश हैं। उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में ध्यान रखने और आश्रय देने के लिए शासन को धन्यवाद दिया है। टोल फ्री नम्बर 104 पर 29 मार्च को कुशालपुर रायपुर से श्री भूषण ने फोन कर बताया कि हम लोग लॉकडाउन में फंसे हुए है हमें निवास और भोजन की समस्या हो रही है। इसे देखते हुए समाज कल्याण विभाग ने तुरन्त हितग्राहियों को नजदीकी जन सामर्थ्य कल्याण संस्था में आश्रय प्रदान करते हुए उनकी भोजन की व्यवस्था की।

छत्तीसगढ़ में बढ़ सकती है गर्मी, आज बारिश भी

■ **अभी राज्य में सामान्य के आसपास बना हुआ अधिकतम तापमान, इसमें चार-पांच दिन बाद बढ़ोतरी के आसार**

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। छत्तीसगढ़ में चार दिन बाद से गर्मी बढ़ने के आसार हैं। वहीं शुक्रवार को प्रदेश के कुछ स्थानों पर बारिश होने की भी आशंका है। मौसम विभाग की मानें तो नॉर्थ-वेस्टर्न विंड अभी प्रदेश की ओर नहीं आ रही है। जिसकी वजह से फिलहाल राज्य में हर साल इस अवधि में पड़ने वाली गर्मी का अहसास नहीं हो रहा है। रायपुर मौसम केंद्र के वैज्ञानिक, एचपी चंद्रा ने बताया कि चार दिन बाद उत्तर-पश्चिमी हवाओं के शुरू होने के आसार हैं। जिससे गर्मी में इजाफा देखने को मिल सकता है। चंद्रा ने यह भी बताया कि वर्तमान में राज्य में अधिकतम तापमान कई जगहों पर सामान्य के आसपास बना हुआ है। वहीं कुछ स्थानों पर यह सामान्य से एक डिग्री नीचे भी है। ऐसे जगहों पर गर्मी का अहसास कम हो रहा है। जबकि जगदलपुर समेत कुछ स्थानों पर अधिकतम तापमान सामान्य से ऊपर है। चार-पांच दिन बाद अधिकतम तापमान के सामान्य से ऊपर जाने की संभावना है।